राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 282
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 24 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 जीजा ने 1000 रुपये उधार नहीं दिए तो युवक ने उठाया खौफनाक कदम, मुंह में बिजली का तार डाल कर दिया स्विच ऑन

पेज 5 लखनऊ में नगर निगम कार्यकारिणी का हुआ चयन , सभी छह सदस्य निर्विरोध चुने गए, भाजपा से छह और सपा से दो

पेज 7 पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में लगेगी आग, 119 रुपये लीटर तक बढ़ सकती है कीमत

भारत ने तोड़ा पाकिस्तान का रिकॉर्ड

बिहार में अमित शाह की मौजूदगी में एक साथ फहराए गए 78 हजार 25 तिरंगे

पटना। बिहार ने अमित शाह की मौजूदगी में 78 हजार 25 तिरंगे फहराकर पाकिस्तान का रिकॉर्ड तोड़ दिया। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव पर भोजपुर के जगदीशपुर में यह रिकॉर्ड बना। इससे पहले ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम था। कार्यक्रम में 5 मिनट तक झंडा फहराया गया।

अमित शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के जयघोष से की। उन्होंने जगदीशपुर की धरती को युगपुरुषों की धरती बताते हुए कहा, हेलिकॉप्टर से मैंने देखा कि यहां से पांच-पांच किमी तक लोगों के हाथ में तिरंगा है। कार्यक्रम स्थल से ज्यादा लोग रोड पर वंदे मातरम् और भारत माता की जय बोल रहे हैं।

वीर कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा, इतिहास ने बाबू कुंवर सिंह के साथ अन्याय किया। उनकी वीरता के अनुरूप उन्हें जगह नहीं दी गई। आज बिहार की जनता पलक पांवड़े बिछाकर उनका नाम एक बार फिर से अमर कर रही है। 58 साल से अनेक प्रकार की रैलियों में गया हूं, लेकिन आरा में राष्ट्रभक्ति का ये उफान देखकर निःशब्द हूं। ऐसा कार्यक्रम जीवन में कभी नहीं देखा।

1857 के सेनानियों की स्मृति में स्मारक बनाया जाएगा

इस दौरान उन्होंने कुंवर सिंह की स्मृति में जगदीशपुर में उनकी भव्य स्मारक बनाने का ऐलान किया। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री आरके सिंह की मांग पर सहमति देते हुए कहा कि 1857 के सेनानियों की स्मृति में स्मारक बनाया जाएगा। साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा, पीएम मोदी 123 करोड़ लोगों का मुफ्त टीकाकरण नहीं करते तो न जाने कितने लोग कोरोना महामारी से मारे जाते। अमीर तो वैक्सीन लगवा लेते, लेकिन दलित, आदिवासी, शोषित कहां लगवाते। लेकिन मोदी जी ने दो टीका मुफ्त लगवाकर सुदर्शन का सुरक्षा चक्र बनवाने का काम किया है।

बीमार राज्य से विकसित राज्य की ओर बिहार

पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, %उनके शासनकाल को याद कराना जरूरी है। बिहार में जंगलराज को भूल सकते हैं क्या। यही बिहार था जहां सरे राह हत्या होती थी। बिजली नहीं पानी नहीं। जाति के नाम पर भेदभाव। कोई योजना नहीं। नीतीश कुमार और सुशील मोदी ने बिहार को बीमारू राज्य से विकसित राज्य की ओर ले जाने का काम किया।%

विजयोत्सव में 2 लाख से ज्यादा लोगों के हिस्सा लेने का दावा किया गया है। इसे लेकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम जगदीशपुर पहुंची थी। सूचना के मुताबिक, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लगभग 1600 अधिकारी और कर्मचारियों ने पूरे कार्यक्रम की रिकार्डिंग की।

ड्रोन कैमरे से हुई रिकॉर्डिंग

इससे पहले एक साथ 57,500 राष्ट्रीय ध्वज फहराने का वर्ल्ड रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम दर्ज था। भोजपुर में कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग ड्रोन कैमरे से कराई गई। इसके अलावा जिन-जिन लोगों के हाथ में राष्ट्रीय ध्वज है, उनका फिंगर प्रिंट भी लिया गया। जिससे नए रिकॉर्ड को पुख्ता किया जा सके।

इससे पहले पटना एयरपोर्ट पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सीएम नीतीश कुमार ने स्वागत किया। उनके साथ भाजा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल भी मौजूद रहे। भाजपा के कई और नेताओं ने भी उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर अमित शाह और नीतीश कुमार के बीच बैठक हुई। 10 मिनट की मीटिंग के बाद शाह आरा के जगदीशपुर के लिए रवाना हुए।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में एनकाउंटर, सुरक्षाबलों ने 4 आतंकियों को घेरा, 2 ढेर

एजेंसी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जम्मू दौरे से एक दिन पहले जम्मू-कश्मीर में आतंकी वारदात हुई है। यहां कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मिरहमा इलाके में हो रहे एनकाउंटर में सेना ने जैश-ए-मोहम्मद के 2 आतंकियों को मार गिराया है। पुलिस ने बताया कि अभी भी दो आतंकी यहां मौजूद हैं। एनकाउंटर अभी भी जारी है।

शुक्रवार को भी दो घटनाएं, 3 आतंकी ढेर

पीएम मोदी के दौरे से पहले सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को भी बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया। जम्मू में सुंजवां और चड्ढा आर्मी कैंप के पास सुरक्षाबलों पर आतंकियों ने फायरिंग की। इसके बाद शुरू हुए एनकाउंटर में 3 आतंकियों को ढेर कर दिया। इसमें CISF का एक जवान शहीद हो गया है। उनकी पहचान ASI एसपी पटेल के रूप में हुई है। वहीं, हेड कांस्टेबल बलराज सिंह, SPO साहिल शर्मा, हेड कांस्टेबल प्रमोद पात्रा, CISF कांस्टेबल आमिर सोरेन और एक अन्य जवान घायल हो गए हैं।

मारे गए सभी आतंकी फिदायीन थे

बठिंडी में भी आतंकी हमला किया गया है। जम्मू के ADGP मुकेश सिंह ने कहा कि आतंकवादियों से मिले भारी गोलाबारूद से लगता है कि ये फिदायीन आतंकी थे, जो पीएम मोदी के दौरे से पहले कोई बड़ा हमला करने की फिराक में थे।

जम्मू के सुंजवों में गुरुवार को हुई मुठभेड़ पर जम्मू जोन के ADGP मुकेश सिंह ने बताया कि एक बिलाल अहमद की पहचान की गई है, जिसे सांबा इलाके से आतंकवादियों को उठाना था और शफीक अहमद शेख के पास लेकर आना था, जो उसने किया। इसके पहले की वे सुरक्षा बल के कैंप पर हमला करते उन्हें मुठभेड़ में मार गिराया गया। इकबाल नामक व्यक्ति से भी पूछताछ जारी है। त्राल के रहने वाले शफीक अहमद शेख को गिरफ्तार किया है। उसे जैश की तरफ से हिदायत दी गई थी कि वो जम्मू आए, उसका कोई साथी इनके पास 2 आतंकवादी लेकर आएगा जिन्हें उसे अपने घर रखना था। वे इसके घर के पास सुरक्षा बल के कैंप पर हमला करने वाले थे।

सांबा जिले के पल्ली गांव जाएंगे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल यानी कल जम्मू आने वाले हैं। वह सांबा जिले के पल्ली गांव में पंचायती राज दिवस पर होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे।

सुबह 11:30 बजे से शुरु होने वाले इस कार्यक्रम में देश के अलग-अलग हिस्सों के पंचायतीराज संस्थाओं के सदस्य ऑनलाइन जुड़ेंगें और पीएम उन्हें संबोधित करेंगे।

मुंबई में ईडी की बड़ी कार्रवाई : सर्राफा व्यापारी के घर से 9 करोड़ कैश, 19 किलो चांदी बरामद

मुंबई। मुंबई के जवेरी बाजार में एक सर्राफा व्यापारी (आंगड़िया कारोबारी) के घर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने छापेमारी की। इस दरौन 9 करोड़ रुपए से ज्यादा कैश और 19 किलो चांदी जब्त की गई। GST विभाग की रिपोर्ट के बाद आयकर विभाग ने यह कार्रवाई की। खास बात यह है कि रकम और सिल्वर को फर्श, दीवारों के अंदर छिपा कर रखा गया था।

टीम ने जब फर्श की टाइल को हटाया, तो उसमें से 9.78 करोड़ रुपए की नकदी और लगभग 13 लाख रुपए की 19 किलो चांदी की ईंटें बरामद हुईं। फर्श के नीचे 35 वर्ग फुट की कैविटी बनी हुई थी। हालांकि, जिस घर से यह बरामदगी हुई है उसके मालिक और परिवार के अन्य सदस्यों ने इन पैसों को अपना मानने से मना कर दिया है। इस कारण राज्य त्रस्ज्ञ विभाग ने जगह को सील कर दिया है और आयकर विभाग को तथ्यों से अवगत कराया गया है।

गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत का रुख किया

फर्श के अंदर से बरामद इस कैश की गिनती के लिए तकरीबन 6 घंटे का समय लगा। इस बीच जिस व्यापारी के घर से यह बरामदगी हुई है, उसने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत की याचिका को मुंबई सत्र अदालत में मूव किया है। हालांकि, अदालत ने इस पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया है। अदालत ने याचिकाकर्ता को GST अधिकारियों के सामने पेश होने को कहा।

आंगड़िया कारोबारी पहले भी विवादों में रहे हैं। इन्होंने IPS अधिकारी सौरभ त्रिपाठी पर आरोप लगाया था कि जोन-2 के DCP रहते हुए उन्होंने वसूली की थी। उस दौरान उन्होंने आंगड़िया व्यापारियों से 10 लाख रुपए हर महीने मांगे थे। आंगड़िया व्यापारियों ने शिकायत में कहा था कि आरोपी अधिकारी ने दिसंबर में कई मौकों पर आयकर विभाग को उनकी नकदी की आवाजाही और कारोबारी गतिविधियों के बारे में सूचना देने की धमकी देकर उनसे कथित तौर पर धन की वसूली की थी। शिकायत के बाद मार्च महीने में महाराष्ट्र सरकार ने आरोपी पुलिस उपायुक्त सौरभ त्रिपाठी को निलंबित कर दिया था। जिसके बाद से वे फरार हैं।

प्रयागराज में परिवार के 5 लोगों की हत्या

बेटी और गर्भवती बहू के साथ रेप की आशंका, 2 साल की बच्ची का भी मर्डर

प्रयागराज। प्रयागराज में दिल दहला देने वाली वारदात हुई है। यहां एक परिवार के 5 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई। मृतकों में पति-पत्नी, उनकी बेटी, गर्भवती बहू और एक 2 साल की पोती है। वहीं अपने मां के पास सो रही 5 साल की बच्ची खटिया के नीचे छिप गई थी। शायद अंधेरा होने की वजह से हत्यारे उसे देख नहीं सके। जिससे वह बच गई।

आशंका है कि हत्यारों ने दिव्यांग बेटी और गर्भवती बहू के साथ रेप भी किया है। क्योंकि, इन दोनों के शरीर के निचले हिस्से पर कपड़े नहीं थे। सिर्फ यही नहीं, वारदात के बाद हत्यारों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। वारदात शहर मुख्यालय से 40 किमी. दूर थरवई थाना क्षेत्र के खेवराजपुर गांव की है।

वीभत्स हत्याकांड से प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। योगी सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लखनऊ एसटीएफ को इस पूरे मामले की जांच सौंप दी है। लखनऊ स्ज्ञस्न प्रयागराज के लिए रवाना हो गई है। वहीं, प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव भी पीड़ित परिवार से मिलने के लिए प्रयागराज पहुंचे।

घर से धुआं उठा तो वारदात का पता चला

खेवराजपुर गांव में राजकुमार यादव (55) पत्नी कुसुम (50), एक बेटा सुनील (35), बहू सविता (30), बेटी मनीषा (25) और दो पोतियां साक्षी (1) और मीनाक्षी (5) के साथ रहते थे। शनिवार तड़के करीब 4 बजे राजकुमार के घर से धुआं उठ रहा था।

धुआं देख ग्रामीणों को शक हुआ कि घर में आग लग गई। इसकी सूचना ग्रामीणों ने सुनील को दी। जानकारी होते ही सुनील अपने मामा के साथ वहां पहुंचा तो देखकर सन्न रह गया। 5 फीट की बाउंड्री के अंदर और घर के बाहर तीन चारपाई पर पांच लोगों के खून से सने हुए शव पड़े हुए थे। मृतकों में राजकुमार, उनकी पत्नी कुसुम, बहू सविता, बेटी मनीषा और 1 साल की पोती साक्षी थी।

घर में मौजूद 5 साल की बच्ची बची

जबकि 5 साल की बच्ची मीनाक्षी का बच जाना किसी आश्चर्य से कम नहीं लग रहा था। जिस तरह से हत्यारों ने दो साल के मासूम, दिव्यांग तक नहीं छोड़ा, साक्षी का बचना ईश्वर का आशीर्वाद ही लग रहा है। मीनाक्षी बहुत घबरायी हुई थी। उसने बताया कि वह जब लोगों को मार रहे थे तभी वह धीरे से खटिये के नीचे छिप गई थी। उसने बताया कि कई लोग थे जो किसी चीज से दादा-दादी को मार रहे थे। घर में 5 लाशें देखकर ग्रामीण सन्न रह गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी। सामूहिक हत्याकांड की खबर से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। पुलिस ने तुरंत फॉरेंसिक व डॉग स्कवॉयड को मौके पर बुलाया। डॉग स्कवॉयड गांव की तरफ 300 मीटर तक गए। ऐसे में पुलिस को शक है कि हत्यारे वारदात को अंजाम देने के बाद गांव की तरफ से ही भागे हैं।

वारदात के वक्त बेटा सुनील घर पर नहीं था

राजकुमार का बेटा सुनील वारदात के वक्त घर पर नहीं था। सुनील की प्रयागराज में प्रयाग स्टेशन (घर से करीब 35 किमी. दूर) के पास पान की दुकान है।

ऐसे में वह वहीं किराए का कमरा लेकर रहता है। दो-तीन दिन में एक बार ही घर जाता है। सुनील की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। तहरीर के अनुसार, सुनील का वारदात की जानकारी ग्रामीण की ओर से दी गई कि घर में आग लगी है। इसकी जानकारी होते ही सुनील अपने मामा राजेश यादव के साथ जब अपने घर पहुंचा तो भीड़ लगी हुई थी। वह जब पीछे के गेट से अंदर पहुंचा तो वहां परिवार के पांच सदस्यों की लाशों को देखकर वह बेसुध हो गया। उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि एक झटके में यह क्या हो गया।

दिव्यांग बेटी और गर्भवती के साथ रेप की आशंका

रोते-बिलखते बेटे सुनील ने बताया कि उसकी पत्नी मनीषा पांच महीने की गर्भवती थी। जबकि बहन दिव्यांग थी। उसने दोनों के साथ रेप की आशंका जाहिर की। क्योंकि, दोनों के शरीर के निचले हिस्से पर कपड़े नहीं थे। हालांकि, पुलिस अफसर इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। अफसरों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही वह इस बारे में कुछ कह पाएंगे।

घर के आस-पास 300 मीटर तक नहीं थे मकान

जिस घर में वारदात हुई वह गांव के एक कोने में था। यानी, इस घर से करीब 300 मीटर की दूरी तक कोई दूसरा मकान नहीं था। सिर्फ यही नहीं, घर के बाहर चारों तरफ करीब 5-6 फीट की बाउंड्री है। इसके बाद बरामदा और फिर कमरे बने हुए हैं। तीन चारपाई पर पांचों के शव बरामदे में ही मिले हैं। संभावना है कि गर्मी के कारण परिवार के लोग बरामदे में ही सो रहे थे। इसी दौरान हत्यारों ने वारदात को अंजाम दिया। वहां आस-पास खून बिखरा हुआ था।

महाराष्ट्र के बीड में भीषण सड़क दुर्घटना

क्रूजर जीप और ट्रक की टक्कर में 7 की मौत और 10 लोग घायल

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले के अंबाजोगाई -लातुर महामार्ग पर शनिवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत और 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है, इसलिए मरने वालों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मरने वालों में पांच महिलाएं और एक बच्चा शामिल है।

ताजा जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना शनिवार दोपहर बर्दापुर, नंदगोपाल डेयरी इलाके में हुई है। यहां एक ट्रक ओर क्रुजर जीप की आमने-सामने भिंडत हुई है। दुर्घटना इतनी भीषण थी की क्रूजर जीप में सवार सात लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जीप के परखच्चे उड़ गए और उसमें फंसे शवों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला जा सका। बीड पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना का शिकार हुई क्रूजर जीप से एक परिवार अंबाजोगाई तहसिल के राडी गांव में रिश्तेदार के फंक्शन में जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक (आरजे 11 जीए 9210) से उसकी टक्कर हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुचकर घायलों को अंबाजोगाई के शासकीय अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल करवाया है। आगे की जांच अंबाजोगाई पुलिस कर रहै है।

मरने वालों और घायलों में यह शामिल

इस दर्दनाक दुर्घटना में निर्मला सोमवंशी (38),स्वाती बोडके (34) ,शंकुतला सोमवंशी (35), चित्रा शिंदे (32),सोजरबाई कदम (34), खंडु रोहीले सहीत सात जन की मौके पर ही मौत हुई है। जबकी सोनाली सोमवंशी (23),राजमती सोमवंशी (48),रंजना माने (32) ,परिमला सोमवंशी (65),दत्तात्रय पवार (40),शिवाजी पवार (44),यश बोडके (8),श्रुतिका पवार (6),गुलाबराव सोमवंशी (52),कमल जाधव समेत 10 लोग घायल हुए हैं।

कोविड टीकाकरण में 187.46 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 187.46 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं।
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 187 करोड़ 46 लाख 72 हजार 536 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 2527 नये मरीज सामने आये हैं।

कौशांबी में भीषण एक्सीडेंट, सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी बाइक, 3 की मौत

कौशांबी। कौशांबी में शनिवार को दिल दहला देने वाला हादसा हो गया है। शनिवार को चायल में बंथरी के पास बाइक सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। हादसे में बाइक सवार 3 की युवकों की मौत हो गई। राहगीरों की जानकारी पर पुलिस पहुंची। मशीन से काटकर तीनों शवों को बाहर निकाला।

जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर मृतकों की शिनाख्त हुई। बताया जा रहा है कि तीनों युवक गेस्ट हाउस में वेटर का काम करते थे। सराय अकिल के अकबराबाद गुहौली गांव निवासी भैरव, धरमू व समुंदर पड़ोसी है। तीनों मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं। भैरव का लड़का कल्लू (17), धरमू का लड़का बंशी (21) व समुंदर का लड़का मिथुन (17) भी शादी समारोह में गेस्ट हाउस में वेटर का काम करते हैं।

कोविड-19

अब तक कोरोना वैक्सीन की 1,87,46,72,536 डोज दी जा चुकी है

देश में कोरोना के दैनिक मामले 2,500 के पार

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के नए मामलों में एक बार फिर भारी वृद्धि होने लगी है। पिछले 24 घंटों के दौरान में कोरोना के 2,527 नये मामले सामने आए।

देश में बुधवार को 19,13,296 कोरोना टीके लगाये गये और देश भर में अब तक कोरोना वैक्सीन की 1,87,46,72,536 डोज दी जा चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान देश में संक्रमण के 2,527 नये मामले सामने आए। इसी के साथ देश में दर्ज कुल मामलों की संख्या 4,30,54,952 हो गयी। पिछले 24 घंटों में 33 लोगों की मृत्यु के बाद कोरोना मृतकों का आंकड़ा पांच लाख 22 हजार 149 पर पहुंच गया। इस दौरान देश में सक्रिय मामलों में 838 की बढ़ोतरी हुई है, जिससे इनकी कुल संख्या 15,079 हो गयी है। इसी दौरान 1656 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसके साथ ही कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या बढ़कर 4,25,17,724 हो गयी है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.03 प्रतिशत, रिकवरी दर 98.76 फीसदी तथा मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत पर स्थिर है। पिछले 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक 283 सक्रिय मामले बढ़े हैं। इसके बाद यहां कोरोना मरीजों की संख्या 3,253 हो गयी है। इस दौरान 757 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वाले मरीजों की कुल संख्या 1843282 हो गयी। इस अवधि में कोविड-19 से दो मरीजों की मौत हुई और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 26,164 हो गया।

हरियाणा में सक्रिय मामलों में 191 की वृद्धि हुई है।राज्य में इस समय 1632 सक्रिय मामले हैं। इस दौरान 194 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 976291 हो गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान यहां कोविड-19 से किसी मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों का आंकड़ा 10,618 पर स्थिर रहा।

केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों में 42 की वृद्धि होने से इनकी संख्या 2613 हो गयी है। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 242 बढ़कर 6467457 हो गयी, जबकि मृतकों की संख्या में 31 की बढ़ोतरी होने से यह आंकड़ा 68781 पर पहुंच गया है।

शार्ट न्यूज

एनएससीएन-आईएम के नेताओं के साथ मिश्रा ने की बैठक

कोहिमा। भारत-नागा शांति वार्ता के लिए केंद्र सरकार की ओर से नियुक्त वार्ताकार ए.के. मिश्रा ने नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन. आई-एम) के नेताओं से मुलाकात की और मुख्य वार्ताकार थुइंगलेंग मुइवा के नेतृत्व लीसू कोर समूह समिति के नेताओं से नागा राजनीति के समाधान के लिए वार्ता में आए गतिरोध समाप्त करने का प्रयास किया। विभिन्न सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बैठक शुक्रवार को चुमुकेदिमा जिला के नागालैंड पुलिस परिसर में हुई। श्री मुइवा वर्तमान समय में पुलिस परिसर में हैं। उनके साथ एनएससीएन-आई-एमके लगभग 10 वरिष्ठ नेता यहां मौजूद है। सूत्रों के मुताबिक नागा राजनीति के मुद्दे पर करीब दो घंटे तक बंद कमरे में बैठक हुई। सूत्रों ने बताया कि करीब 30 से 40 एनएससीएन -आई-एम नेताओं के एक बड़े समूह के साथ एक और बैठक शनिवार को होगी। इसके बाद श्री मिश्रा सोमवार को दिल्ली लौट जाएंगे। सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि श्री मिश्रा ने गुरुवार को चर्च के नेताओं और नागरिक समाज संगठनों से मुलाकात की थी। इससे पहले उन्होंने ने नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो से मुलाकात की थी।

कम उपज होने से परेशान किसान की आत्महत्या

होशियारपुर। पंजाब के बठिंडा जिला सहित कई हिस्सों में तापमान बढ़ने से उपज कम होने से किसान परेशान हैं और इसी के चलते होशियारपुर जिले के मोरांवाली गांव के एक किसान ने शुक्रवार शाम जहर खाकर आत्महत्या कर ली। ऐसी आशंका है कि किसान मंजीत सिंह (40) ने झाड़ कम होने से परेशान होकर जहर खाया। उसके इस कदम से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जा रहा है कि मंजीत शुक्रवार शाम किसी घरेलू काम से घर से निकला था और कुछ समय बाद उसके परिजनों को पता चला कि वह पड्डी गांव में शराब की दुकान के समीप बेहोश पड़ा है। उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया । सूत्रों के अनुसार मंजीत के पास चार कनाल जमीन थी और 18 एकड़ जमीन ठेके पर ले रखी थी । इस सीजन में उपज कम होने से वह परेशान था । उसने सोलह लाख का कर्ज यस बैंक बंगा शाखा और एक लाख एचडीएफसी बैक मोरावांली शाखा से ले रखा था । पुलिस उपाधीक्षक नरिंदर सिंह ने बताया कि मृतक के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने उपज कम होने के कारण आत्महत्या करने की बात लिखी है। मृतक के भाई सरबजीत सिंह ने बताया कि भाई के परिवार में पत्नी ,दो बच्चे और बुजुर्ग माता- पिता हैं। उसने सरकार से पीड़ित परिवार के भरण पोषण के लिये उपयुक्त मुआवजा देने की मांग की है।
पुलिस ने भाई के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

उपचार के दौरान महिला की मौत पर हंगामा

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के मुखर्जी नगर स्थित जिंदल नर्सिंग होम में उपचार के दौरान कुम्हेर की एक महिला की मौत हो जाने पर हंगामा हो गया। शहर के कई थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों को समझाने का प्रयास किया लेकिन अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने की बात पर सहमति बन जाने के बाद ही हंगामा शांत हो सका। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुम्हेर के हेलक गेट निवासी 32 वर्षिय विमलेश सैनी सैनी का जिंदल हॉस्पिटल में 21 अप्रैल को राजस्थान मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से दूरबीन से ऑपरेशन किया गया था।ऑपरेशन के बाद भी महिला को पेट दर्द नहीं रुका और खून बहना बंद नहीं हुआ तो 22 अप्रेल को रात 10 बजे दूसरा ऑपरेशन किया गया लेकिन इसके कुछ घंटे बाद ही महिला की मौत हो गई। महिला की मौत की सूचना पाकर मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की जबकि अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि डॉक्टरों ने समय के अनुसार उस समय जो उचित था महिला का जीवन बचाने के लिए किया। अस्पताल प्रबंधन ने महिला के उपचार में कोई लापरवाही नहीं बरती है। बताया गया कि मृतका के दो बच्चे हैं एव उसका पति सब्जी की रेहड़ी लगाकर परिवार का गुजारा करता है।

कांग्रेस का नेतृत्व सिर्फ गांधी परिवार ही कर सकता है और पार्टी को एकजुट भी रख सकता है : नवी

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व मंत्री शमायले नवी ने पार्टी का नेतृत्व गांधी परिवार के ही हाथों में रहने देने का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि वे ही इस पार्टी को एकजुट रख सकते हैं। नवी ने शनिवार को चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के कांग्रेस का नेतृत्व गांधी परिवार से बाहर किसी अन्य को देने के सुझाव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह पार्टी के हित में नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि गांधी परिवार के बाहर किसी को पार्टी अध्यक्ष बनाया गया तो इससे कांग्रेस में गुटबाजी शुरू हो जाएगी। सिर्फ गांधी परिवार ही पार्टी को मजबूत नेतृत्व प्रदान कर सकता है और कांग्रेस को एकजुट भी रख सकता है । कांग्रेस नेता ने कहा कि अस्सी के दशक में जब उन्होंने विमान दुर्घटना में संजय गांधी की मृत्यु के बाद राजीव गांधी के कांग्रेस में शामिल किए जाने की बात कही थी, शुरू में इसका राजनीतिक हलकों और कुछ नेताओं ने उपहास उड़ाया था। कुछ लोगों ने तो इसे चाटुकारिता तक कहा था । नवी जो 18 साल तक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव रहे और विभिन्न सरकारी- गैर सरकारी संगठनों का नेतृत्व भी किया ने जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस को अपने भाग्य को पुनर्जीवित करने के लिए जनहित के मुद्दों को उठाना होगा और सड़कों पर संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि आम लोगों के महत्व के मुद्दों पर जेल भरो अभियान कांग्रेस को मजबूत करने में मदद करेगा। वर्ष 1980 में डॉ. जगन्नाथ मिश्रा मंत्रिमंडल में सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री रहे श्री नवी ने चुनावों में धांधली की आशंका को दूर करने के लिए मतपत्रों के जरिए मतदान कराने की वकालत करते हुए कहा कि यह चुनाव को प्रभावित करने के लिए ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की सारी आशंकाओं को दूर करेगा ही और साथ ही लोगों का लोकतंत्र पर भरोसा भी मजबूत करेगा ।

भागलपुर में युवक का पेड़ से लटका शव बरामद

भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने शनिवार को एक युवक का पेड़ से लटका शव बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर अंगारी गांव के निकट आम के बगीचे से एक युवक का पेड़ से लटका शव बरामद किया गया है। मृतक युवक की पहचान अंगारी गांव निवासी राजेंद्र मंडल के पुत्र संतोष कुमार (20) के रूप में की गयी है।वह दिल्ली में काम करता था। चार दिन पहले वह दिल्ली से घर आने के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

सारण में युवक का शव बरामद

छपरा। बिहार में सारण जिले के एकमा थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर एकमा गांव के निकट खेत से एक युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान ऐकारी गांव निवासी सुरेश महतो के 22 वर्षीय पुत्र सूरज महतो के रूप में की गयी है। सूरज महतो की चाकू मारकर हत्या की गयी है। शुक्रवार की देर रात सूरज का दोस्त उसे मोटरसाइकिल पर बैठा कर कहीं ले गया था। सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। मृतक के परिजनों के बयान पर पुलिस ने सूरज महतो को अपने साथ मोटरसाइकिल पर ले जाने वाले उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है।

नकल के लिए भी अकल चाहिए, हिमाचल के सीएम जय राम ठाकुर नहीं कर पाए : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के सहारे बीजेपी पर तंज कसा। शनिवार को कांगड़ा में एक सभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक केजरीवाल ने कहा कि लगता है जय राम ठाकुर मेरी किताब से नकल कर रहे हैं लेकिन उसमें भी वे कामयाब नहीं हो पाए। क्योंकि हमने दिल्ली और पंजाब में 300 यूनिट बिजली फ्री की, वो सिर्फ 125 यूनिट ही कर पाए। इसलिए कहते हैं कि नकल के लिए भी अकल चाहिए। अरविंद केजरीवाल हिमाचल के सीएम के 125 यूनिट बिजली मुफ्त के वादे का जिक्र कर रहे थे। शनिवार को अरविंद केजरीवाल ने हिमाचल प्रदेश में प्रतिद्वंद्वी भाजपा पर कटाक्ष किया, जो इस साल अपनी नई सरकार का चुनाव करने के लिए तैयार है। केजरीवाल

मुख्यमंत्री ठाकुर के 125 मुफ्त बिजली यूनिट के वादे का जिक्र कर रहे थे। केजरीवाल ने कहा कि यह बड़ा ऐलान उनके राज्य के दौरे से पहले आया है। लेकिन जैसे ही उन्होंने घोषणा की, एक सवाल उठा ... सभी भाजपा शासित राज्यों को ऐसा ही करना चाहिए ... तब ठाकुर को पीएम (नरेंद्र मोदी) और अमित शाह जी ने कहा था कि उन्हें ऐसी घोषणा नहीं करनी चाहिए।

आप प्रमुख ने सभा में जय राम ठाकुर पर निशाना साधते हुए कहा, एक परीक्षा हॉल में जय राम ठाकुर केजरीवाल के पीछे बैठे थे और वो केजरीवाल की कॉपी से नकल कर रहे थे। केजरीवाल ने लिखा दिल्ली में 300 यूनिट बिजली फ्री करेंगे लेकिन जय राम ठाकुर ने लिखा 125 यूनिट बिजली फ्री करेंगे। इसलिए कहते हैं कि नकल के लिए भी अकल चाहिए।

आपकी नीयत खराब है: केजरीवाल

कांगड़ा में सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि बीते रोज हिमाचल सीएम ने ट्वीट किया था और कहा था कि यहां दिल्ली मॉडल नहीं चलेगा। मैंने कहा दिल्ली का मॉडल है एक ईमानदार सरकार। इसका मतलब यह हुआ कि जयराम ठाकुर हिमाचल में ईमानदार सरकार नहीं चाहते हैं।

क्या कहा था जय राम ठाकुर ने

दरअसल, पिछले हफ्ते, सीएम ठाकुर ने एक कार्यक्रम में कहा था, सभी उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। इस फैसले से लगभग 11.5 लाख उपभोक्ताओं को फायदा होगा, जबकि राज्य के खजाने पर सालाना 250 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

उत्तराखंड में लगातार हो रही विद्युत कटौती से आक्रोशित नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर किया हमला

देहरादून। उत्तराखंड में बिजली की दरों में वृद्धि व पूरे राज्य में की जा रही अघोषित बिजली कटौती पर उत्तराखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सरकार पर हमला बोल दिया। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर अघोषित बिजली कटौती व बिजली की दरों में की गई वृद्धि का विरोध करते हुए कहा कि हाल ही में हुए उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लोगों को 24 घंटे बिजली और पानी देने का वायदा किया था। लेकिन, चुनाव जीतते ही सभी वादे हवा हवाई हो गए हैं। यशपाल आर्य ने कहा कि प्रदेश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, बिजली कटौती के कारण छात्र-छात्राएं अपनी परीक्षा की तैयारी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। गर्मी में घंटों तक बिजली आपूर्ति नहीं होने के कारण लोग परेशान हैं,फसल बोई जा रही है, किसानों के ट्यूबवेल बन्द हैं। उद्योग बुरी तरह प्रभावित हैं जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है। अघोषित बिजली कटौती का असर राज्य में उद्योग, ग्रामीण क्षेत्रों समेत छोटे शहरों पर पड़ रहा है। प्रतिदिन 4 से 8 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है।
भाजपा सरकार बनते ही तोहफ़े स्वरूप बिजली के दामों में भारी इजाफा किया है. अब जनता को बिजली के ज्यादा दाम देने पड़ेंगे. विद्युत नियामक आयोग ने बिजली दरों का टैरिफ प्लान जारी किया है. उत्तराखंड में बिजली दरों में 2.68 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है. बीपीएल श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए चार पैसा प्रति किलोवाट दाम बढ़े हैं. डोमेस्टिक श्रेणी में 15 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी हुई. कमर्शियल श्रेणी में 16 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि हुई. इंडस्ट्रीज श्रेणी में 15 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है. राज्य सरकार ने नए कनेक्शन की दरों में भी बढ़ोतरी की है. नए कनेक्शन लेने में 60 से 80 रुपये की बढ़ोतरी हुई।

कोलकाता : धोखाधड़ी के आरोप में चिटफंड कंपनी के मालिक गिरफ्तार

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के बालीगंज में आर्थिक अपराध निदेशालय (डीईओ) के अधिकारियों ने एक चिटफंड कंपनी के मालिक शांति सुराणा को निवेशकों से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी।
अलीपुर अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि आरोपी को गुरुवार की रात दक्षिण कोलकाता के बालीगंज इलाके के पॉश क्वींस पार्क से गिरफ्तार कर शहर की एक अदालत में पेश किया गया। जिसके बाद अदालत ने उसे तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।
उन्होंने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति के साथ-साथ उसकी पत्नी, बेटों और कुछ अन्य सदस्यों पर शहर के कई निवेशकों से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी करने का आरोप है। उन्होंने कहा कि चिटफंड कंपनी के खिलाफ भवानीपुर सहित विभिन्न पुलिस थानों में कई प्राथमिकी दर्ज कराई गयी हैं और न्यायिक हस्तक्षेप के लिए अदालत में मामला दायर किया गया है।

चंडीगढ़ नगर निगम का पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष को नोटिस

बिना इजाजत पोस्टर-बैनर लगाने पर 29 हजार का जुर्माना

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को बिना इजाजत शहर में पोस्टर और बैनर लगाना भारी पड़ गया है। चंडीगढ़ नगर निगम ने इसे लेकर वडिंग को नोटिस भेजा है और उन पर 29,390 रुपए का जुर्माना लगाया है। दरअसल, चंडीगढ़ के सेक्टर-15 स्थित कांग्रेस भवन में शुक्रवार को पंजाब के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष वड़िंग का शपथ ग्रहण समारोह था। इसे लेकर उनके स्वागत के लिए नियमों को दरकिनार करते हुए पेड़ों पर पोस्टर और बैनर लगाए गए थे।

आयुक्त आनिंदिता मित्रा के निर्देश पर निगम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी पोस्टरों को जब्त कर लिया। मालूम हो कि इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के शपथ ग्रहण समारोह में भी ऐसा ही हुआ था, लेकिन निगम कोई कार्रवाई नहीं कर सका था। इसे लेकर कई तरह के सवाल उठे थे। चंडीगढ़ नगर निगम समेत सीएम चन्नी की भी काफी आलोचना हुई थी।

वडिंग ने दिया 3डी का मंत्र

पदभार ग्रहण करने के बाद वडिंग ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने और चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुशासन, समर्पण और संवाद जरूरी है। 3डी का मंत्र देते हुए पंजाब के पूर्व परिवहन मंत्री वडिंग ने चेताया कि कांग्रेस को कमजोर करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष भारत भूषण आशु के साथ राज्य के कांग्रेस भवन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कार्यभार संभाला। वडिंग से पहले नवजोत सिंह सिद्धू प्रदेश में पार्टी के अध्यक्ष थे और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी तरह हार के बाद पद से इस्तीफा दिया है।

शिवराज ने लगाए सप्तपर्णी और कचनार के पौधे

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी उद्यान में उजियारा फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं के साथ सप्तपर्णी और कचनार के पौधे लगाए।
मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने संकल्प के तहत आज यहाँ स्मार्ट सिटी उद्यान में उजियार फाउंडेशन की श्रीमती ज्योति रत्रे, रामस्वरूप तथा वीरेन्द्र गुर्जर के साथ पौधरोपण किया।
इस अवसर श्री चौहान ने उद्यान में लगाए गए पौधों का महत्व बताते हुए कहा कि सप्तपर्णी सदाबहार औषधीय

वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इसका उपयोग विभिन्न औषधियों के निर्माण में किया जाता है। कचनार सुंदर फूलों वाला वृक्ष है। इसके छोटे और मध्यम ऊँचाई के वृक्ष पूरे भारत में पाए जाते हैं। यह औषधीय गुणों से भरपूर है।
उन्होंने बताया कि उजियार फाउंडेशन स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करती है। साथ ही वाटर हार्वेस्टिंग और सीड बाल्स बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।
फाउंडेशन ने विगत वर्षों में 100 से अधिक पौधे रोपे, जिनमें से लगभग 40 वृक्ष का रूप ले चुके है। खाली जगह पर पेड़ लगा कर उनकी देखवाल करना, घर के आसपास गंदगी नहीं करने तथा नागरिकों को सफाई का जिम्मा स्वयं लेने के लिए प्रेरित भी किया जाता है।
उन्होंने बताया कि श्रीमती ज्योति रत्रे ने 8 जुलाई 2021 को यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊँची चोटी माउंट एलब्स पर चढ़ने में सफलता प्राप्त की। साथ ही 15 अगस्त 2021 को अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊँची चोटी माउंट किलिमंजारो पर तिरंगा फहरा कर कीर्तिमान अपने नाम किया। साथ ही ठंड के मौसम में एवरेस्ट विंटर ट्रेक पूर्ण कर साहसिक कार्य भी किया।

मारपीट मामले में भाजपा विधायक के पुत्रों सहित चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुरैना। मध्यप्रदेश के चंबल संभाग के श्योपुर जिले के विजयपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सीताराम आदिवासी के दो पुत्रों सहित चार लोगों के खिलाफ वन कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। कराहल थाना प्रभारी मनोज झा ने यहां आज बताया कि इस मामले में जांच के बाद धाराएं बढ़ाई भी जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा विधायक सीताराम आदिवासी के बेटों एवं उनके साथियों ने वनकर्मियों के साथ वन चौकी में घुसकर मारपीट कर दी। इतना ही नहीं उन्होंने वनचौकी में जमकर उत्पात मचाया। वनकर्मियों के आवेदन पर विधायक सीताराम आदिवासी के बेटे धनराज, दीनदयाल तथा उनके साथी टिल्लू आदिवासी समेत एक अन्य पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं विधायक के बेटे द्वारा दिए गए आवेदन पर पुलिस जांच कर रही है। श्योपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पी एल कुर्वे ने विधायक पुत्रों सहित चार लोगों के खिलाफ वन कर्मियों के साथ मारपीट करने के मामले में एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की है।

हरियाणा में 2 दिन बाद कोई बिजली कट नहीं

सिरसा। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने शनिवार को दावा किया कि सोमवार से प्रदेश में बिजली का कोई कट नहीं लगेगा। बिजली संकट को देखते हुए अडानी से आज ही समझौता हो जाएगा। बिजली की आपूर्ति पूरी हो जाएगी और दो दिन के बाद से लोगों को बिजली के कट नहीं झेलने पड़ेंगे। उन्होंने दिल्ली के सीएम केजरीवाल समेत अन्य विपक्षी नेताओं पर हमला बोला।

सभी बिजली प्लांट पूरी क्षमता से चालू

सिरसा पहुंचे बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने कहा कि हरियाणा में 8 हजार मेगावाट बिजली की खपत है और वर्तमान में करीब 7600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति हो रही है। हरियाणा के खेदड़ और अन्य बिजली प्लांट पूरी तरह से चालू हैं। बिजली की जो थोड़ी बहुत कमी हे, उसको पूरा करने के लिए आज हरियाणा सरकार गौतम अडानी की कंपनी से समझौता करेगी। जनता को बिजली की किल्लत नहीं झेलनी पड़ेगी।

केजरीवाल ने रोकी म्हारी बिजली

बिजली मंत्री ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि हरियाणा के हिस्से की 700 मेगावाट बिजली दिल्ली की केजरीवाल सरकार रोके हुए है। प्रदेश में बिजली संकट के लिए केजरीवाल जिम्मेदार हैं।
उन्होंने बिजली की सप्लाई को लेकर हाई कोर्ट में केस फाइल किया हुआ है, हरियाणा सरकार कोर्ट में दिल्ली सरकार की पोल खोलेगी।

मध्यप्रदेश में ई-रुपी का होगा उपयोग, नौ जनवरी को इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन : शिवराज

नयी दिल्ली, भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद बताया कि आगामी नौ जनवरी को इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन आयोजित होगा।
इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कुछ शासकीय योजनाओं में अब राज्य में ई-रूपी का उपयोग किया जाएगा।
चौहान ने संवाददाताओं के साथ जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य में चल रहे जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से उन्होंने प्रवासी भारतीय दिवस इस बार मध्यप्रदेश में आयोजित करने का आग्रह किया। इसी क्रम में प्रवासी भारतीय सम्मेलन नौ जनवरी को इंदौर में होगा। उसके पहले सात और आठ को इंवेस्टर्स समिट कराई जाएगी।
उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने उज्जैन में महाकाल मंदिर के नए परिसर के लोकार्पण के लिए भी सहमति दे दी है। राज्य की स्टार्टअप नीति को प्रधानमंत्री वर्चुअली लांच करेंगे।
मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री को उन्होंने गेहूं के निर्यात, राज्य में मनाए जाने वाले रोजगार दिवस और गौरव दिवस के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप मध्यप्रदेश में तीन हजार 800 अमृत सरोवर बन रहे हैं।
इसके साथ ही उन्होंने बताया कि राज्य में ई-रुपी का उपयोग सुनियोजित रूप से प्रारंभ किया गया है।
किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत इसे लागू किया गया है। विभिन्न शासकीय योजना में कृषि उपकरण क्रय हेतु ई-रुपी का उपयोग किया जाएगा। साथ ही शिक्षा विभाग के तहत साइकिल क्रय हेतु विद्यार्थियों को ई-रूपी जारी किया जाएगा।

शिवराज ने पंडित माधव राव सप्रे की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंडित माधवराव सप्रे की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री चौहान ने आज अपने निवास कार्यालय में स्थित सभागार में पंडित माधवराव सप्रे के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पं. माधवराव सप्रे हिन्दी के साहित्यकार और पत्रकार थे। वे हिन्दी के प्रथम कहानी लेखक के रूप में जाने जाते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी उनकी अग्रणी भूमिका थी। उन्होंने कहा कि पंडित सप्रे प्रखर संपादक के रूप में लोक प्रहरी और सुधी साहित्यकार के रूप में लोक शिक्षक की भूमिका में रहे। कोशकार और अनुवादक के रूप में उन्होंने हिंदी भाषा को समृद्ध किया। वर्ष 1902 में उन्होंने काशी नागरी प्रचारिणी सभा की 'विज्ञान शब्दकोश' योजना को मूर्तरूप देने की जिम्मेदारी अपने हाथों में ली। साथ ही अर्थशास्त्र की शब्दावली को भी संरक्षित और समृद्ध किया। श्री सप्रे का जन्म 19 जून 1871 को दमोह ज़िले के पथरिया में हुआ था। उनका अवसान 23 अप्रैल 1926 को हुआ। उनकी स्मृति में भोपाल में समाचार-पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान स्थापित है।

ओएलएक्स के माध्यम से ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यो को कोटद्वार पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोटद्वार। दिनांक 09.08.2021 को वादी संजय सिंह पुत्र गब्बर सिंह निवासी घमण्डपुर, कोटद्वार जनपद पौड़ी गढ़वाल ने कोतवाली कोटद्वार में प्रथम सूचना रिर्पोट दर्ज करायी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके साथ ओएलएक्स पर ओल्टो कार खरीदने के नाम पर वादी के साथ 18-19 लाख रूपये की धोखाधड़ी की है। प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली कोटद्वार में मु0अ0सं0- 171/2021 धारा 420/120 (बी) भादवि0, 66 (सी) (डी) आईटी एक्ट बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी गढ़वाल यशवन्त सिंह चौहान द्वारा उक्त धोखाधड़ी की

घटना को गम्भीरता से लेते हुये तत्काल अभियोग के सफल निस्तारण व शीघ्र अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु आदेशित किया। जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार श्रीमती मनीषा जोशी के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी कोटद्वार श्री गणेश लाल कोहली के पर्यवेक्षण, प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार श्री विजय सिंह, प्रभारी सीआईयू मौहमद अकरम के नेतृत्व में थाना कोटद्वार एवं सी.आई.यू की संयुक्त टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा अथक प्रयास एवं ठोस सुरागरसी पतारसी की गयी तो अभियुक्त गण किसी मामले में जिला कारागार हिण्डोन सिटी, जिला करौली, राजस्थान में निरूद्ध थे। अभियुक्तों का वारण्ट (बी) लेकर मा0 न्यायालय से अनुरोध कर पूछताछ हेतु पीसीआर पर लेकर थाने पर पूछताछ की गयी तो अभियुक्त गणों द्वारा जनपद में 03 धोखाधड़ी की घटनाओं को कारित करना स्वीकार किया गया। अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। अभियुक्तगण भरतपुर राजस्थान के रहने वाले है जो जो ओएलएक्स पर विभिन्न गाडियों को ऑनलाइन बेचने का विज्ञापन देकर सरकारी कर्मचारी/ अधिकारी बनकर एंव रिस्तेदार बनकर भोले भाले लोगो को अपने विश्वास में लेकर ठगी करते थें इनके खातो में लाखो रूपयो के लेन देन का होना पाया गया। यह गैंग मेवात क्षेत्र में ऑनलाईन ठगी का काम छोटे- छोटे गैंग बनाकर करते है।

हरियाणा में बिजली की भारी किल्लत, उद्योग- धंधे ठप होने के कगार पर : गर्ग

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रान्तीय अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय व्यापार मंडल के मुख्य राष्ट्रीय महासचिव बजरंग गर्ग ने कहा है कि प्रदेश में बिजली की भारी किल्लत होने के कारण उद्योग-धंधे ठप होते जा रहे हैं। गर्ग आज यहां कहा कि प्रदेश का उद्योग भारी संकट में है। एक दिन में 12 से 14 घंटे बिजली की कटौती हो रही है, जिसके कारण मजबूरी में काफी उद्योगपतियो को अपने उद्योग बंद करने पड़ रहे है। बिजली विभाग द्वारा बार-बार बिजली की कटौती करने से उद्योगों को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्योंकि न तो लगातार श्रमिक काम कर सकते हैं और मशीनें गर्म होने से पहले ही बिजली कट जाने से उद्योगों में काम रूक जाता है।उन्होंने

ने कहा कि इस बढ़ती गर्मी में शहर तछा गांवों में भी भारी बिजली की किल्लत है। बिजली की किल्लत के कारण प्रदेश में जगह-जगह किसान तथा गांववासी सड़कों पर धरना दे रहे है। यदि सरकार ने बिजली की कमी को दूर नहीं किया, तो प्रदेश में उद्योग बंद हो जाएगे। उद्योग बंद होने से लाखों लोग बेरोजगार हो जाएंगे। सरकार को तुरन्त प्रभाव से बिजली की कमी को दूर करना चाहिए। ताकि प्रदेश के उद्योगपति, किसान व आम जनता को राहत मिल सके।

जहांगीरपुरी हिंसा : फरार पांच आरोपियों के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया गैर जमानती वारंट

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी हिंसा मामले में फरार पांच आरोपियों के खिलाफ रोहिणी कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। अदालत ने पुलिस का पक्ष सुनने के बाद पांचों आरोपियों को आठ दिन के लिए रिमांड बढ़ा दी है। वहीं चार अन्य आरोपियों अक्सर, मो. अली, गुलाम रसूल और शेख हामिद को 30 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत भेजने का आदेश दिया है।
रोहिणी स्थित मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मयंक गोयल की अदालत ने हिंसा के पीछे कथित मुख्य साजिशकर्ता अंसार, सोनू, सलीम, अहीर और दिलशाद की रिमांड अवधि आठ दिन बढ़ाई है। सोनू को झड़प के दौरान फायरिंग करते हुए एक वीडियो में देखा गया था। इन आरोपियों को तीन दिन की रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया गया था। इस बीच, अदालत ने आरोपी सांवर कालिया, सद्दाम खान, अनवर, चांद और सलमान के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया।
दरअसल पुलिस की तरफ से अदालत का बताया गया कि ये पांच आरोपी फरार चल रहे हैं। इन्हें पकड़ने के कई

प्रयास किए गए लेकिन ये हाथ नहीं आ रहे। इसके बाद अदालत ने इनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के आदेश दिए। अदालत ने रिमांड पर दिए गए आरोपियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए एक मई को अदालत में पेश करने को कहा है। एक मई को इनकी रिमांड अवधि समाप्त होगी।
आरोपियों को रिमांड पर लेने के लिए पुलिस की तरफ से दलील दी गई कि यह साजिश बहुत बड़ी है। इन आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून(एनएसए) लगाया गया है। आरोपियों का आमना-सामना कराकर साजिश की परतों को खोलना है। साथ ही पूरे घटनाक्रम को जोड़ने के लिए भी इने पूछताछ की आवश्यकता है। पुलिस ने अदालत से कहा कि प्रत्येक आरोपी की इस हिंसा में भूमिका का भी पता लगाना है। इसके अतिरिक्त कथित अपराध में इस्तेमाल अवैध हथियारों के स्त्रोत का पता लगाना है।
बता दें कि शनिवार को जहांगीरपुरी में एक हनुमान जयंती जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें आठ पुलिस कर्मी और एक स्थानीय निवासी घायल हो गया।
पुलिस के अनुसार, झड़पों के दौरान पथराव और आगजनी हुई और कुछ वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया था।

शार्ट न्यूज

जीजा ने 1000 रुपये उधार नहीं दिए तो युवक ने उठाया खौफनाक कदम, मुंह में बिजली का तार डाल कर दिया स्विच ऑन

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 113 क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में रहने वाले एक युवक ने कथित तौर पर पहले अपने मुंह में बिजली का तार डाला और फिर बिजली का बटन दबाकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि युवक ने अपने जीजा से एक हजार रुपये का उधार मांगे थे। जीजा द्वारा रुपये देने से इनकार करने पर उसने यह कदम उठाया। मृतक युवक की पहचान सर्फाबाद गांव में रहने वाले विनय कुमार (24 वर्ष) पुत्र गंगा सिंह के रूप में हुई है। उसे शनिवार की सुबह बिजली की तार अपने मुंह में डालकर करंट चालू कर दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि सर्फाबाद गांव निवासी विनय ने शुक्रवार रात को अपने जीजा से एक हजार रुपये उधार मांगे थे। जीजा ने कहा कि उसके पास पैसे नहीं है। इस बात से नाराज होकर विनय ने अपने मुंह में बिजली का तार डालकर बिजली का बटन चालू कर दिया। वहीं, एक अन्य घटना के तहत थाना फेस-वन क्षेत्र के सेक्टर 9 में रहने वाली प्रियंका नामक एक युवती ने मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। अत्यंत गंभीर हालत में उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था। इलाज के दौरान शनिवार दोपहर प्रियंका की मौत हो गई।

पलवल में अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, तीन युवकों की मौत

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले के गदपुरी थाना अंतर्गत शुक्रवार देर रात बाइक सवार तीन युवकों की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना पृथला फ्लाईओवर की है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायल युवकों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बताया गया कि तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर फरीदाबाद स्थित एस्कॉर्ट कंपनी में काम करके घर के लिए वापस आ रहे थे, जैसे ही तीनों पृथला फ्लाईओवर पर पहुंचे तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनको पीछे से टक्कर मार दी और तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस जिप्सी में तीनों घायलों को सरकारी अस्पताल में लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने अस्पताल में तीनों को मृत घोषित कर दिया। तीनों मृचतों की पहचान हो चुकी है। पुलिस ने मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

बच्चे की हिरासत से जुड़े मामले को तय करने में सभी पक्षों को सुनना जरूरी : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि बच्चे को अपनी मां के साथ रहने दिया जाए या पिता के साथ, यह तय करने में सिर्फ औपचारिकताएं पूरी नहीं होनी चाहिए। न्यायालय ने बच्चे की कस्टडी (हिरासत) से जुड़े मामले में सभी पक्षों को अपनी बात रखने का समान अवसर मुहैया कराए जाने को जरूरी बताया है। जस्टिस यशवंत वर्मा ने एक बच्चे की कस्टडी से जुड़े मामले को दोबारा से परिवार न्यायालय में भेजते हुए यह टिप्पणी की की है। उन्होंने बच्चे की हिरासत पिता को सौंपे जाने के खिलाफ मां की ओर से परिवार अदालत के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील पर यह टिप्पणी की है। महिला ने अपील में कहा कि बच्चे की कस्टडी पिता को सौंपते वक्त उन्हें पक्ष रखने का पूरा मौका नहीं दिया गया। जस्टिस वर्मा ने परिवार न्यायालय को यह सुनिश्चित करने की सुझाव दिया है कि मामले में संबंधित पक्षों को सुनवाई का पूरा मौका दिया जाए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखने को कहा है कि नाबालिग बच्चे की हिरासत से जुड़े मामले में उचित देखभाल और विचार के साथ निपटारा किया जाना चाहिए। न्यायालय ने संबंधित न्यायाधीश से कहा कि उन्हें किसी भी मामले में, मौजूदा मामले की तरह औपचारिक तरीके से तय नहीं करने की भी हिदायत दी है। याचिकाकर्ता महिला ने बच्चे की हिरासत पिता को सौंपने के साकेत स्थित परिवार अदालत के 11 अप्रैल 2022 के आदेश को चुनौती दी थी।

डीयू में सीयूईटी में आवेदन की दिक्कतों को लेकर वेबिनार, मिलेंगे सवालों के जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) में आवेदन को लेकर शुक्रवार को छात्रों के लिए वेबिनार आयोजित किया। वेबिनार निर्धारित समय से लगभग आधा घंटा देर से शुरू हुआ, लेकिन बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया और सवाल पूछे। जिनका शिक्षकों ने जवाब दिया। पहले वेबिनार में डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि छात्र आवेदन करने से पहले दाखिला विवरणिका जरूर पढ़ें। यह सत्र इसीलिए आयोजित किया गया है कि ताकि यदि किसी छात्र के मन में आवेदन को लेकर किसी तरह की आशंका हो तो सवाल पूछ सकें। डीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने कहा कि छात्रों की सुविधा के लिए आगे भी वेबिनार आयोजित होंगे। डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि 66 विश्वविद्यालय सीयूईटी करा रहे हैं। कंप्यूटर आधारित टेस्ट होगा। जानकारी के आधार पर 6 मई तक आवेदन होगा।

पंखे से लटकर महिला ने की आत्महत्या

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 20 थानाक्षेत्र के निठारी गांव में एक महिला ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि मृतका का पति के साथ विवाद हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर 31 स्थित निठारी गांव में उल्टी नाम की महिला परिवार के साथ रहती थी। महिला ने शुक्रवार को घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय महिला का पति घर पर नहीं था। मृतका के मकान मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच में पता चला है कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। आशंका है कि इसी के चलते महिला ने आत्महत्या की है। हालांकि, पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है। वहीं, थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-9 में रहने वाली प्रियंका नाम की एक युवती ने मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई।

दिल्ली में हर कोविड-19 पीड़ित व्यक्ति दो और लोगों को कर रहा संक्रमित

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास द्वारा किए गए एक विश्लेषण के अनुसार दिल्ली की आर-वैल्यू जो कोविड-19 के प्रसार का संकेत देती है, इस सप्ताह 2.1 दर्ज की गई। इसका अर्थ है कि राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित प्रत्येक व्यक्ति दो अन्य लोगों को संक्रमित कर रहा है। 'आर' यानि प्रजनन दर यह इंगित करती है कि एक संक्रमित व्यक्ति कितने अन्य लोगों में बीमारी फैला सकता है। यदि यह एक से नीचे चला जाता है तो इसे महामारी की समाप्ति मान लिया जाता है। कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग द्वारा प्रारंभिक विश्लेषण आईआईटी-मद्रास के गणित विभाग और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स एंड डेटा साइंस द्वारा किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर नीलेश एस उपाध्याय और प्रोफेसर एस सुंदर ने की थी। जानकारी के अनुसार, इस सप्ताह दिल्ली की आर-वैल्यू 2.1 दर्ज की गई थी। विश्लेषण में पाया गया कि वर्तमान में भारत की आर-वैल्यू 1.3 है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यह दिल्ली में कोविड-19 की संभावित चौथी लहर की शुरुआत है।

ई-स्कूटी योजना घोटाला मामला

गो-वे बाइक कंपनी का मालिक कुणाल सेन नोएडा में गिरफ्तार, 17 हजार से ज्यादा लोगों से की थी ठगी

एजेंसी

नोएडा। इलेक्ट्रिक स्कूटी योजना (बाइक टैक्सी) शुरू करने के नाम पर अरबों रुपये का घोटाला करने के मामले में गो-वे बाइक कंपनी के मुख्य कर्ताधर्ता कुणाल सेन को नोएडा में थाना बीटा-2 पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। कुणाल के माता-पिता को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है।
आरोपी गौतमबुद्ध नगर से भागकर मुंबई में जाकर छिपा था। उसकी मां की अभी हाल ही में जमानत हुई है। वह अपनी मां से मिलने के लिए गौतमबुद्ध नगर आया था। इसी बीच पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

थाना बीटा-2 के थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 के जून माह में लोगों ने गौतमबुद्ध नगर जिले व अन्य जगहों पर दर्जनभर मुकदमा दर्ज करवाया।
उनका आरोप था कि थाना बीटा-2 क्षेत्र के जेएनएच प्लाजा साइट-4 में स्थित गो-वे इंडिया कंपनी ने इलेक्ट्रिक स्कूटी योजना शुरू की। इस कंपनी के मालिक अनिल सेन, उनकी पत्नी मीनू सेन व बेटे कुणाल सेन हैं।
उन्होंने बताया कि क्लीन इंडिया ग्रीन इंडिया के उद्देश के साथ शुरू की गई इस योजना में लोगों से करोड़ों रुपये निवेश कराए गए। कंपनी ने 62 हजार रुपये निवेश करने पर एक साल में धन दोगुना करके पैसे देने का वादा किया। यह पैसा एक साल में किस्तों में निवेशकों को वापस किया जाना था।

17 हजार से ज्यादा लोगों ने किया था निवेश

उन्होंने बताया कि मोटे मुनाफे के लोभ में 17 हजार से ज्यादा लोगों ने उक्त कंपनी में निवेश किया था।
कुछ दिनों तक इन ठगों ने निवेशकों के खाते में पैसा भेजा, लेकिन कुछ दिनों बाद इन्होंने किस्त देनी बंद कर दीं। उन्होंने बताया कि बुलंदशहर निवासी नितेश शर्मा सहित दर्जनभर लोगों ने इस मामले में मुकदमा दर्ज करवाया है।
उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में मीनू सेन तथा अनिल सेन को गिरफ्तार किया था। मुख्य कर्ताधर्ता कुणाल सेन फरार चल रहा था।
उन्होंने बताया कि शनिवार को थाना बीटा-2 पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि वह घोटाला करने के बाद मुंबई भाग गया था, लेकिन अपनी मां से मिलने के लिए गौतमबुद्ध नगर आया था।

आप विधायक आतिशी का दावा, अवैध वसूली के लिए भाजपा ने मंदिर पर चिपकाया नोटिस, नहीं चलने देंगे बुलडोजर

नई दिल्ली। राजस्थान में एक मंदिर तोड़े जाने के बाद दिल्ली में आप और भाजपा आमने सामने हैं। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने नीलकंठ मंदिर को तोड़ने का आदेश दिया है। लेकिन आम आदमी पार्टी मंदिर पर बुलडोजर नहीं चलने देगी। आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने अवैध वसूली के लिए श्रीनिवासपुरी में भगवान नीलकंठ के मंदिर पर नोटिस चिपकाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा बुलडोजर राजनीति के माध्यम से पूरी दिल्ली में घर और दुकानों से उगाही कर रही है। विधायक मदनलाल ने कहा कि श्रीनिवासपुरी में पुराने नीलकंठ मंदिर पर चिपके नोटिस ? को देखकर लोगों को सदमा लगा है। केंद्र सरकार ने यह नोटिस जारी किया है। आतिशी और मदनलाल ने आम जनता के साथ मिलकर मंदिर बचाने के लिए शनिवार को विरोध प्रदर्शन भी किया। आतिशी शनिवार को श्रीनिवासपुरी में पुराने नीलकंठ मंदिर पहुंचीं और स्थानीय लोगों के द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन में शामिल हुईं। इस दौरान आतिशी ने कहा कि भाजपा बुलडोजर राजनीति के माध्यम से पूरी दिल्ली में उगाही कर रही है। लोगों के घर, दुकानों पर जाकर कहते हैं कि हमें पैसे दीजिए, नहीं तो घर-दुकान तोड़ डालेंगे। पैसे के लिए वह भगवान को भी नहीं छोड़ रहे हैं।वहीं विधायक मदनलाल ने कहा कि श्रीनिवासपुरी में पुराना नीलकंठ मंदिर है। आस्था का केंद्र भगवान नीलकंठ के मंदिर को लेकर लोगों को कभी नहीं लगा कि इसे तोड़कर हटाने की जरूरत हो। यहां 25-30 साल से लोग पूजा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग और पार्षद सब जगह से उगाही करने में लगे हैं।

नोएडा : नियम तोड़ने पर 128 वाहनों पर कार्रवाई

एजेंसी

नोएडा। सड़क सुरक्षा सप्ताह के छठें दिन शनिवार को वाहनों और उनके दस्तावेजों की जांच की गई। इसके अलावा बिना हेलमेट व सीट बेल्ट वाहन चलाने वाले चालकों की जांच की गई। 128 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसमें 89 बिना हेलमेट और 25 बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के वाहन चलाने व चार मोडिफाइड साइलेंसर पर कार्रवाई शामिल है। सेक्टर-27, 37, 62, 63, 58,12-22, कालिंदी कुंज रोड, महामाया फ्लाईओवर, किसान चौक और एक मूर्ति के आसपास वाहनों की जांच की गई। इसके अलावा 22 वाहन प्रदूषण जांच केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान 21 दोपहिया, 32 चार पहिया और दस भारी वाहनों के प्रदूषण स्तर की जांच की गई। वाहनों का प्रदूषण स्तर मानक के अनुरूप पाए जाने पर उनके प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी कराए गए।

विपक्षी नेता खड़े हैं समाजविरोधी तत्वों के साथ : बिधूड़ी

विपक्षी पार्टियों की हमदर्दी जहांगीरपुरी के हमलावरों के साथ है

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने विपक्षी नेताओं के रवैये की आलोचना करते हुए कहा है कि वे खुलेआम समाजविरोधी और राष्ट्रविरोधी ताकतों के साथ खड़े हुए हैं। वोट की राजनीति के कारण वे इस हद तक गिर गए हैं कि जिन लोगों ने खुलेआम गोलियां चलाईं, तलवारें लहराईं और पत्थर बरसाए, विपक्षी नेता हमदर्दी में उन्हीं के साथ जाकर खड़े हो गए हैं। दुनियाभर में इस तरह की गैर जिम्मेदार राजनीति कहीं और देखने को नहीं मिलती। बिधूड़ी ने कहा कि जहांगीरपुरी में 16 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा पर हमला किया गया और इस हमले में 9 व्यक्ति घायल हुए जिनमें से आठ पुलिसकर्मी हैं। इन पुलिसकर्मियों ने अपनी जान हथेली पर लेकर दंगाइयों का सामना किया और कानून-व्यवस्था फिर से कायम की। घटना के बाद आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, वामपंथी दल और तृणमूल कांग्रेस के नेता अपराधियों का ही मनोबल बढ़ा रहे हैं। वे घटनास्थल पर जा रहे हैं और उन लोगों के घर जा रहे हैं जो इस मामले में अभियुक्त हैं।
जो बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अन्य समाज विरोधी तत्व हैं, जिन्होंने हनुमान जयंती शोभायात्रा पर हमला करने का षडयंत्र रचा, जिनके बारे में अब अनेक बातें सामने आ रही हैं जिनमें जाली नोट छापने जैसी गतिविधियां भी शामिल हैं-वे सभी अपराधी इन राजनीतिक दलों की हमदर्दी के पात्र बने हुए हैं। दूसरी तरफ जो हनुमानभक्त तलवार से घायल होकर अस्पताल में पड़ा है या जिन पुलिसकर्मियों ने अपने सीनों पर इन आपराधिक तत्वों के वार सहे हैं और उनका इलाज चल रहा है, उनका कुशलक्षेम पूछने के लिए इन विपक्षी दलों में से एक भी नेता नहीं गया।
नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि इन विपक्षी दलों की गैर जिम्मेदार भूमिका को जनता देख रही है और सबकुछ समझ रही है। वोट की राजनीति के लिए ये पार्टियों और उसके नेता किसका मनोबल बढ़ा रहे हैं, यह भी सभी की समझ में आ रहा है। जनता इनकी इस हरकत के लिए इन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

'आप' और 'भाजपा' किसान विरोधी : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और ये सिर्फ अपना घर भरना जानते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल जुलाई से सितंबर के बीच हुए बारिश के बाद तबाह हुए फसलों का किसानों को अभी तक कोई मुआवजा नहीं मिला है और अरविंद केजरीवाल सरकार ने सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को मुआवजा दिया है। इस बेरुखी की वजह से आम किसान मारा मारा फिर रहा है और आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता मालामाल हो रहे हैं। डॉ कुमार ने कहा कि दिल्ली की तत्कालीन शीला दीक्षित सरकार ने दिल्ली देहात के लिए ग्रामीण विकास बोर्ड का गठन किया था लेकिन यह बोर्ड अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में असफल रहा है। इस बोर्ड का गठन हुए आठ साल हो गए हैं, लेकिन अभी तक इसका कोई अध्यक्ष नहीं बनाया गया।एक तरफ तो दिल्ली सरकार दिल्ली में लाल डोरा बढ़ाने की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ अनेक गांव ऐसे हैं जहां चकबंदी के बाद इन गांवों का बस्ता बंद नहीं हुआ है। कंझावला गांव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 1980 से लाल डोरा बढ़ाया गया था मगर यह बस्ता अभी भी खुला हुआ है और लोगों को मुकदमे बाजी का सामना करना पड रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात के अनेक गांवों में परिवार के मुखिया की मौत होने के बाद उनके उत्तराधिकारियों को अभी तक जमीन का उत्तराधिकार हक, म्यूटेशन नहीं मिल पाया है।
कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने जनता और ग्रामीणों के बीच अहम भूमिका निभाने वाले बी डीओ तथा पटवारी की भूमिका को भी खत्म कर दिया है। ये लोग पहले सरकार और ग्रामीण जनता के बीच एक सेतु का कार्य करते थे और इसकी वजह से किसानों को काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है। इसके अलावा दिल्ली में लैंड पूलिंग योजना भी नहीं लागू की गई है। इसे वर्ष 2014 में शुरू किया था मगर केंद्र सरकार ने इस योजना को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया है। कुमार ने कहा कि दिल्ली देहात के सभी लोगों को लेकर वह आने वाले दिनों में दिल्ली देहात बचाओ अभियान चलाएंगे और इस मामले को लेकर सभी खापों तथा प्रधानों को एक साथ लेकर आंदोलन शुरू करेंगे। इसमें सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से दलगत हितों का त्याग कर किसानों के हितों के संघर्ष करने का आह्वान किया जायेगा।
कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि उनके इस आंदोलन को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने अपना समर्थन दिया है और वह कांग्रेस के समस्त कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर भाजपा और आम आदमी पार्टी सरकार को बेनकाब करेंगे।

बीमा क्लेम दिलाने के नाम पर 2.75 लाख की ठगी

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर निवासी एक युवक की 8 मार्च 2019 को सड़क हादसे में मौत के बाद बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों ने मौका मुआयना किया, लेकिन परिजन को क्लेम का भुगतान नहीं किया। आरोपियों ने युवक की विसरा रिपोर्ट नहीं होने आदि कमी बताकर टाल दिया। ढाई साल बाद आरोपियों ने पीड़ित परिवार से संपर्क किया और मुलाकात की। आरोपियों ने रिपोर्ट आदि पूरी करने के नाम पर पीड़ितों से 2.75 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित परिवार की महिलाओं ने आभूषण गिरवी रखकर आरोपियों को रुपये दिए थे। इस मामले में सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों को नामजद कर केस दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है। सूरजपुर निवासी जमील ने बताया कि करीब ढाई साल पहले उनके भतीजे आमिर खान की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। आमिर का 15 लाख रुपये का बीमा था। इसके चलते परिजन ने संबंधित बीमा कंपनी को ईमेल के माध्यम से हादसे की सूचना दी। इसके बाद बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों ने मौका मुआयना किया। उस दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद क्लेम की बात की गई। बाद में विसरा रिपोर्ट नहीं आने आदि का हवाला दे दिया गया। इसके चलते परिजन ने क्लेम की उम्मीद छोड़ दी थी। इसके ढाई साल बाद आरोपियों ने कॉल कर एक बार फिर पीड़ित परिवार से संपर्क किया। आरोपियों ने पीड़ितों से मुलाकात कर बताया कि वह जो भी रिपोर्ट कम है या फिर क्लेम मिलने में जो भी दिक्कत आ रही है। वह दूर कर क्लेम दिला देंगे।

उधार बर्गर नहीं देने पर युवक के सिर में मारी बोतल, 13 दिन कौमा में रहने के बाद हुई मौत, 4 लोगों पर केस दर्ज

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में बर्गर उधार देने से मना करने पर चार युवकों ने एक रेहड़ी पर बर्गर बेच रहे युवक के सिर में बीयर की बोतल दे मारी। 13 दिन तक कोमा में रहने के बाद पीड़ित युवक की मौत हो गई। खेड़ी पुल थाना पुलिस ने शुक्रवार को मृतक के परिजनों की शिकायत पर चार युवकों के खिलाफ हत्या के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, नौ अप्रैल को भारत कॉलोनी निवासी हिमांशु अपने दोस्त की गैरमौजूदगी में उसकी रेहड़ी पर बर्गर बेच रहा था। इसी दौरान भारत कॉलोनी निवासी मोनू, बादल और उसके दो दोस्त वहां आ गए। वे उस पर उधार में बर्गर देने का दबाव बनाने लगे। जब उसने इससे इनकार किया तो आरोपियों ने पहले उसके साथ जमकर मारपीट की और फिर उसके सिर में बोतल दे मारी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल हालत में हिमांशु को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था। कोमा में रहने के कारण डॉक्टर ने घायल को उसके घर भेज दिया था।

कुतुब मीनार में 27 हिन्दू मंदिरों के जीर्णोद्धार करने की याचिका अदालत ने की खारिज

नई दिल्ली। कुतुब मीनार परिसर में कुव्वत उल-इस्लाम मस्जिद में स्थित मंदिरों के जीर्णोद्धार की मांग वाली याचिका को अदालत ने खरिज कर दिया है। हिंदू देवता भगवान विष्णु, जैन देवता तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव और अन्य की ओर से यह मुकदमा दायर किया गया था, जिसमें 27 हिंदू और जैन मंदिरों की बहाली की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि कुतुब-उद-दीन-ऐबक के आदेश के तहत इन हिन्दु देवी-देवताओं की मूर्ति को नष्ट, अपवित्र और क्षतिग्रस्त कर दिया गया था।

साकेत स्थित दीवानी न्यायाधीश नेहा शर्मा की अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि वह इस बात से सहमत हैं कि अतीत में गलतियां की गई हैं, लेकिन ऐसी गलतियां हमारे वर्तमान और भविष्य की शांतिभंग करने का आधार नहीं हो सकती हैं। अदालत ने कहा कि भारत का सांस्कृतिक रूप से समृद्ध इतिहास रहा है। इस पर कई राजवंशों का शासन रहा है। बहस के दौरान वादी के वकील ने राष्ट्रीय शर्म की बात पर जोर दिया। हालांकि अदालत ने कहा कि किसी ने भी इस बात से इनकार नहीं किया है कि गलतियां अतीत में की गई

थीं, लेकिन इस तरह की गलतियां हमारे वर्तमान और भविष्य की शांतिभंग करने का आधार नहीं हो सकती हैं।

वादी ने तर्क दिया था कि अनुच्छेद 25 और 26 के तहत पूजा का अधिकार मौलिक अधिकार के रूप में दिया गया है, जिसे अदालत ने गुणों से रहित माना। अदालत ने माना कि संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत निहित मौलिक अधिकार प्रकृति में पूर्ण नहीं हैं।

अदालत ने आगे कहा, यह एक स्वीकृत तथ्य है कि विवादित संपत्ति मंदिरों के ऊपर बनी एक मस्जिद है और इसका इस्तेमाल किसी धार्मिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जा रहा है, इस संपत्ति पर कोई नमाज़ अदा नहीं की जा रही है।

अदालत ने माना कि वादी को पूजा स्थल अधिनियम 1991 के कारण मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग करने का अधिकार नहीं था, जिसे राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को संरक्षित करने के लिए अधिनियमित किया गया था।

अदालत ने कहा कि ऐसे प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारकों का उपयोग किसी ऐसे उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता है जो धार्मिक पूजा स्थल के रूप में इसकी प्रकृति के विपरीत है, लेकिन इसका उपयोग हमेशा किसी अन्य उद्देश्य के लिए किया जा सकता है जो इसके धार्मिक चरित्र से असंगत नहीं है।

मस्जिद वास्तव में मंदिरों के अपवित्र खंडहरों पर बनी

दिलचस्प बात यह है कि अदालत ने स्वीकार किया कि मस्जिद वास्तव में मंदिरों के अपवित्र खंडहरों पर बनी थी। अदालत ने कहा कि यह एक स्वीकृत तथ्य है कि विवादित संपत्ति एक मंदिर के ऊपर बनी एक मस्जिद है लेकिन इसका इस्तेमाल किसी धार्मिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जा रहा है और वहां कोई नमाज नहीं अदा की जा रही है।

इसलिए अदालत की राय है कि एक बार इस स्मारक को संरक्षित स्मारक घोषित कर दिया गया है और यह इमारत सरकार के स्वामित्व में है, तो वादी इस बात पर जोर नहीं दे सकते कि पूजा स्थल को वास्तव में और सक्रिय रूप से धार्मिक सेवाओं के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

कुतुबुद्दीन ऐबक ने हिंदू और जैन मंदिरों को उनके देवताओं के साथ नष्ट कर दिया : याचिकाकर्ता

याचिका में कहा गया था कि मोहम्मद गौरी के एक कमांडर कुतुबदीन ऐबक ने श्री विष्णु हरि मंदिर और 27 जैन और हिंदू मंदिरों को संबंधित देवताओं के नक्षत्रों के साथ नष्ट कर दिया था और मंदिर परिसर के भीतर कुछ आंतरिक निर्माण किए थे।

याचिका में आगे कहा गया है कि कुतुबदीन ऐबक ने मौजूदा मंदिरों को पूरी तरह से ध्वस्त नहीं किया और मंदिरों से सामग्री का उपयोग करके कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद का निर्माण नहीं किया, यह कहते हुए कि अभी भी हिंदू देवताओं और देवताओं जैसे गणेश, विष्णु, यक्ष और कलश, मंदिर के कुओं जैसे प्रतीकों की तस्वीरें हैं। ऐसे में मस्जिद का वहां होना अपवित्र है।

संपादकीय

नये सियासी मोर्चे की सुगबुगाहट, अखिलेश यादव का साथ छोड़ सकते हैं शिवपाल-आजम-जयंत

उत्तर प्रदेश में जिस तरह से सियासी हालात बदल रहे हैं उससे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर दबाव बढ़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी के संस्थापकों में से एक वरिष्ठ नेता आजम खां बीते दो वर्ष से सीतापुर जिला जेल में बंद हैं। उत्तर प्रदेश में क्या एक नया सियासी मोर्चा आकार ले रहा है ? जिस तेजी के साथ समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी से दिग्गज नेताओं का मोह भंग हो रहा है, वह यही संकेत दे रहा है कि तमाम दलों के नाराज नेता एकजुट होकर अपनी अलग ताकत बना सकते हैं। इस मोर्चे में शिवपाल यादव, आजम खान, स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह जैसे नेता दिख सकते हैं तो राष्ट्रीय लोकदल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे छोटे-छोटे दलों की भी इसमें हिस्सेदारी हो सकती है। इसकी सुगबुगाहट भी सुनाई देने लगी है। आजकल आजम खान, शिवपाल यादव और रालोद के जयंत चौधरी के बीच काफी नजदीकी देखने को मिल रही है। जयंत चौधरी की रामपुर में आजम खान की पार्टी से मुलाकात और फिर शिवपाल सिंह यादव का अपने समर्थकों के साथ सीतापुर जिला जेल में आजम खां से भेंट करना नये बनते समीकरणों की ओर इशारा करता है। जेल में शिवपाल सिंह यादव और आजम खां की मुलाकात को लेकर कयास का दौर जारी है। यदि नया मोर्चा तैयार होता है तो इसका सबसे अधिक नुकसान समाजवादी पार्टी को उठाना पड़ सकता है। आजम खां जहां मुस्लिमों का बड़ा चेहरा हैं तो शिवपाल यादव की अपनी अलग पकड़ है। पश्चिम में जयंत चौधरी और पूरब में ओम प्रकाश राजभर जैसे नेता सियासी ताकत बटोरेंगे। उत्तर प्रदेश में जिस तरह से सियासी हालात बदल रहे हैं उससे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर दबाव बढ़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी के संस्थापकों में से एक वरिष्ठ नेता आजम खां बीते दो वर्ष से सीतापुर जिला जेल में बंद हैं। उनके समर्थक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर अनदेखी का आरोप लगाकर लगातार मुखर हैं। इसी बीच राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी तथा प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के कदम से अखिलेश यादव पर दबाव बढ़ गया है। शिवपाल यादव ने आजम से मुलाकात के बाद कहा कि आजम खान की समाजवादी पार्टी मुखिया मदद नहीं कर रहे हैं। आजम के खिलाफ बस एक मुकदमें में जमानत बाकी है जो नहीं हो पा रही है। शिवपाल यादव ने कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर आजम का पक्ष रखेंगे।

उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव के खिलाफ बड़ा मोर्चा खोल चुके इटावा के जसवंत नगर से समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव अपने चार दर्जन से अधिक समर्थकों के साथ सीतापुर जेल पहुंचे थे। शिवपाल सिंह यादव ने आजम खां के स्वास्थ्य को लेकर एक दिन पहले भी गहरी चिंता जताई थी और कहा था कि वह सीतापुर जेल में जाकर उनसे मुलाकात करेंगे। उनका आरोप था कि भाजपा सरकार में आजम का काफी उत्पीड़न हो रहा है और उन पर लगातार कई झूठे केस लादे जा रहे हैं।

माना जा रहा है कि शिवपाल सिंह यादव के साथ ही आजम खां भी इन दिनों अखिलेश यादव से नाराज हैं। शिवपाल सिंह यादव तो कई बार सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया दे चुके हैं, जबकि आजम खां ने समर्थकों के माध्यम से अपनी नाराजगी व्यक्त की है। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने जेल में आजम खां के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के साथ ही उनसे काफी देर बात की। इनके बीच यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई जब आजम खां के खेमे से लगातार अखिलेश यादव के खिलाफ नाराजगी के सुर उठ रहे हैं। दरअसल, शिवपाल सिंह यादव और आजम खां के समर्थकों ने अखिलेश यादव के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है। अखिलेश यादव दो वर्ष में सिर्फ एक बार ही आजम खां से मिलने जेल गए हैं। जिसके कारण आजम खां समर्थक समाजवादी पार्टी से नाराज हैं। इसी बीच औवैसी ने आजम खां को अपनी पार्टी में शामिल होने का न्यौता भी दिया है। कभी शिवपाल सिंह यादव का समाजवादी पार्टी में वर्चस्व कायम था और आजम खां ही सपा के मुस्लिम चेहरा हुआ करते थे।

इल्हान उमर कितनी बार भी पीओके चली जाएं, हकीकत यही है कि पूरा का पूरा कश्मीर भारत का है

अमेरिकी कांग्रेस की महिला सदस्य इल्हान उमर बेहद संकीर्ण मानसिकता वाली नेता हैं। उनकी छोटी सोच वैसे तो अक्सर उजागर होती रहती है लेकिन अब वह अपनी पाकिस्तान यात्रा को लेकर लोगों के निशाने पर हैं। हमेशा चर्चा में रहने को आतुर इल्हान उमर ने अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान वहां नये प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ, विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार, राष्ट्रपति, नेशनल असेंबली के स्पीकर और यहां तक कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात कर अपने भारत विरोधी एजेंडा को आगे बढ़ाया। यही नहीं वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानि पीओके भी जा पहुँचीं और भारत को लेकर कई आरोप लगाये। इल्हान उमर इससे पहले भी कई वैश्विक मंचों से भारत की आलोचना कर चुकी हैं और कहती रही हैं कि भारत में अल्पसंख्यकों पर जुल्म होते हैं। लेकिन इल्हान उमर के भारत पर लगाये जाने वाले आरोपों से खुद अमेरिका भी इत्तेफाक नहीं रखता।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की चार दिवसीय यात्रा पर पहुँचीं इल्हान उमर अमेरिका के मिनिसोटा से सांसद हैं। सोमालिया मूल की इल्हान उमर अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान पीओके में उमर चकोठी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर पहुंचीं, जहां उन्हें 2003 के संघर्ष विराम समझौते का सम्मान करने के लिए पाकिस्तान और भारत की सेनाओं के बीच नये समझौते के पूर्व और बाद की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमने उनकी (इल्हान उमर के) भारत के केंद्र शासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के एक इलाके में यात्रा की खबरों को देखा है जो अभी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। उन्होंने कहा, %%मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि अगर कोई ऐसी नेता अपनी संकीर्ण मानसिकता को प्रदर्शित करती हैं, तब यह उनका काम है।'' उन्होंने कहा कि लेकिन इस क्रम में हमारी क्षेत्रीय अखंडता एवं सम्प्रभुता का उल्लंघन होता है तब हम समझते हैं कि यह यात्रा निंदनीय है।

वहीं अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने पत्रकारों से कहा, %%जहां तक मैं समझता हूं सांसद उमर की पाकिस्तान यात्रा अमेरिका सरकार द्वारा प्रायोजित नहीं है।% साथ ही अमेरिकी विदेश मंत्री के सचिव डेरेक चोलेट ने भी कहा कि इल्हान उमर निजी हैसियत से पाकिस्तान की यात्रा पर गयी थीं। इस लिहाज से देखा जाये तो अपनी इस यात्रा को लेकर इल्हान उमर अपने ही देश में अलग-थलग पड़ गयी हैं। भले पाकिस्तान यात्रा के दौरान इल्हान उमर की राहों में पाकिस्तानी नेताओं ने पलक-पांवड़े बिछा दिये हों लेकिन अमेरिकी सरकार उनके इस कदम को धिककार रही है।

जहां तक इल्हान उमर की पाकिस्तान यात्रा की बात है तो उसके चलते पाकिस्तानी राजनीति में नया विवाद भी खड़ा हो गया है। अभी कुछ ही दिन पहले सत्ता से बाहर हुए इमरान खान ने आरोप लगाया था कि विदेशी ताकतों ने उनकी सरकार गिराई है। इमरान का साफ इशारा अमेरिका की ओर था। अब अमेरिकी सांसद से इमरान खान की मुलाकात पर वहां के सत्ताधारी गठबंधन के नेता उनसे पूछ रहे हैं कि जब अमेरिका ने आपके खिलाफ साजिश की थी तो आप उनके लोगों से मिल क्यों रहे हो ? जहां तक इल्हान उमर के इतिहास की बात है तो आपको बता दें कि अमेरिकी प्रतिनिधिसभा की सदस्य इल्हान उमर पहली अफ्रीकी शरणार्थी हैं जो अमेरिकी संसद के लिए निर्वाचित हुई हैं। इल्हान उमर ने साल 2019 में मिनिसोटा से चुनाव जीतकर इतिहास रचा था क्योंकि इस सीट से निर्वाचित होने वाली वह पहली अश्वेत महिला हैं। इल्हान उमर के बारे में बताया जाता है कि उनका जन्म सोमालिया में हुआ था लेकिन जब वह 8 साल की थीं तब गृहयुद्ध के कारण उन्होंने अपना देश छोड़ दिया था और अपने परिवार के साथ केन्या के शरणार्थी शिविर में चार साल रहीं।

कौन हैं ठाकरे से टकराने वाली राणा दंपत्ति, बाबा रामदेव ने कराई थी शादी, कभी 'तेजाब फेंकने' की मिली थी धमकी

अभिनय आकाश

नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा पेशे से दोनों राजनीतिक हस्तियां हैं। लेकिन नवनीत राणा असल में फिल्म अभिनेत्री रह चुकी हैं। पंजाबी माता-पिता की संतान नवनीत राणा कभी एनसीपी में हुआ करती थीं। लेकिन फिलहाल वो एक निर्दलीय सांसद हैं और अमरावती में शिवसेना को हराकर सदन पहुंची हैं।

कैप्टन विजयकांत और ममूटी जैसे दक्षिणी नायकों के साथ सिल्वर स्क्रीन साझा करने से लेकर बाबा रामदेव के सहयोग से सामूहिक विवाह समारोह के जरिये शादी के बंधन में बंधने तक विधायक रवि राणा और सांसद नवनीत राणा की पति-पत्नी की जोड़ी हमेशा लाइमलाइट में रही है। अमरावती जिले के रहने वाली दंपत्ति के दोनों सदस्य सक्रिय राजनीति में मौजूद हैं। 43 वर्षीय रवि राणा, तीन बार के निर्दलीय विधायक हैं, जो बडनेरा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं उनकी पत्नी नवनीत राणा अमरावती से निर्दलीय सांसद हैं।

हनुमान चालीसा विवाद

नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा पेशे से दोनों राजनीतिक हस्तियां हैं। लेकिन नवनीत राणा असल में फिल्म अभिनेत्री रह चुकी हैं। पंजाबी माता-पिता की संतान नवनीत राणा कभी एनसीपी में हुआ करती थीं। लेकिन फिलहाल वो एक निर्दलीय सांसद हैं और अमरावती में शिवसेना को हराकर सदन पहुंची हैं। नवनीत राणा ने मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का चैलेंज देकर सीधे-सीधे शिवसेना सहित उद्धव ठाकरे को निशाने पर लेने का काम किया। जिसके बाद वो बड़ी तैयारी के साथ मुंबई पहुंच भी गईं। मुंबई में हनुमान चालीसा पढ़ने की सांसद नवनीत राणा की चेतावनी के बाद पूरे दिन हंगामेदार रहा। शिवसेना के कार्यकर्ता उनके घर के बाहर जमा हो गए और उन्होंने बैरिकेडिंग भी तोड़ दी है। फिर भी नवनीत राणा अपने रुख पर कायम रहीं और हनुमान चालीसा का पाठ जरूर करूगीं। मुझे कोई रोक नहीं सकता। इस दौरान राणा ने शिवसेना के नेताओं पर जमकर कटाक्ष किए। हालांकि शाम होते-होते खबर आई कि नवनीत राणा मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने के अपने जिद को टाल दिया है। जिसके पीछे की वजह पीएम मोदी का रविवार को मुंबई में कार्यक्रम है। ऐसे में सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े हो सकते हैं। इसलिए पुलिस से बातचीत में बीच का रास्ता निकाला जा रहा है। बताया जा रहा है कि नवनीत राणा मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने की जिद छोड़ दिया है।

नवनीत ने फिल्मों से राजनीति में एंट्री ली

अमरावती की बडनेरा सीट से रवि राणा का राजनीतिक ग्राफ बढ़ना शुरू हुआ जब उन्होंने 2009 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। माना जाता है कि युवाओं के बीच राणा की पर्याप्त फॉलोइंग ने इस जीत में उनकी काफी मदद की। शहर भर में अपनी तस्वीर के साथ फ्लेक्स पोस्टर लगाने के लिए प्रतिद्वंद्वियों ने उन्हें फ्लेक्स कुमार के रूप में भी संदर्भित किया। 36 वर्षीय उनकी पत्नी नवनीत राणा एक पंजाबी परिवार में पैदा हुई और मुंबई में पली-बढ़ी। 2004 में उन्होंने एक कन्नड़ फिल्म के साथ टिनसेल की दुनिया में प्रवेश किया। द इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में नवनीत राणा ने एक बार कहा था कि उन्होंने जाने-माने फिल्मी सितारों विजयकांत, जूनियर एनटीआर, ममूटी के साथ काम किया है और वो सात भाषाओं में पारंगत हैं। नवनीत ने कन्नड़ फिल्म %दर्शन% से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की। इसके अलावा, नवनीत ने तेलुगु फिल्म सीनू, वसंथी और लक्ष्मी में भी एक्टिंग की। 2005 में तेलुगु फिल्म चेतना, जग्पथी, गुड बॉय और 2008 में भूमा में भी उन्होंने बतौर एक्ट्रेस काम किया।

बाबा रामदेव ने कराई शादी

बाबा रामदेव के साथ एक मुलाकात ने उनकी कहानी की पटकथा बदल दी। अमरावती में अपने कई %योग शिविरों% के आयोजन के बाद रवि राणा रामदेव की गुड बुक्स में पहले से ही थे। कहा जाता है कि उन दोनों की मुलाकात एक ऐसे ही योग शिविर में हुई थी। रवि राणा से एक योग कैंप में मुलाकात हुई थी, जिसके बाद इस रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए दोनों ने बाबा रामदेव से स्वीकृति ली।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कई नामचीन हस्तियां रहीं मौजूद

दोनों ने आखिरकार 2011 में योग गुरु द्वारा आयोजित एक सामूहिक विवाह समारोह में 3,000 से अधिक जोड़ों के साथ शादी कर ली। 2 फरवरी 2011 को हुए इस विवाह समारोह में कुल 3162 जोड़ों की शादी हुई थी इनमें 2443 हिन्दू, 739 बुद्ध, 150 मुस्लिम, 15 क्रिश्चियन और 13 दृष्टिहीन जोड़े शामिल थे। विधायक की शादी होने के कारण इस समारोह में काफी नामचीन हस्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इनमें महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, योग गुरु बाबा रामदेव, सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय और विवेक ओबरॉय भी इस विवाह में शामिल हुए थे।

कभी एनसीपी कभी बीजेपी

अमरावती का राणा दंपत्ति राजनीति में स्वतंत्र विचारों की वजह से किसी भी दल की सीमा से नहीं बंधा है। उदाहरण के लिए रवि राणा ने 2014 से पहले केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के खिलाफ रामदेव द्वारा नियोजित महाराष्ट्र में विभिन्न आंदोलनों का नेतृत्व करने के बावजूद, पत्नी नवनीत राणा यूपीए के घटक राकांपा से 2014 के लोकसभा चुनाव में अमरावती से टिकट पाने में कामयाब रही थी। इस टिकट ने राणाओं को महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना सरकार का समर्थन करने से भी नहीं रोका। अमरावती लोकसभा की अपनी पहली लड़ाई में राणा ने शिवसेना के उम्मीदवार के साथ चुनावी टक्कर ली। नवनीत ने अमरावती शिवसेना के सांसद आनंदराव अडसुल द्वारा उत्पीड़न की घटना का जिक्र करते हुए लाइव टीवी पर फफक पड़ी थीं। इस प्रकरण ने हालांकि उसकी मदद नहीं की, और वह चुनाव हार गई। 2019 के लोकसभा चुनाव में नवनीत राणा ने फिर से अमरावती लोकसभा सीट से एनसीपी के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा, इस बार अडसुल के खिलाफ विजयी हुईं। लेकिन 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र के बदलते राजनीतिक समीकरण के बाद राणा दंपत्ति के स्टैंड में भी परिवर्तन आया। रवि राणा ने भाजपा का पक्ष लिया और अन्य निर्दलीय विधायकों से भी पार्टी का समर्थन करने को कहा। लेकिन महाविकास अघाड़ी की सरकार बनने के बाद रवि राणा शांत हो गए। वर्तमान में राणा दंपति की ओर से मातोश्री के बाहर लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा का पाठ करने की धमकी उनके एक बार फिर भाजपा के करीब जाने का संकेत दे रही है।

जाति प्रमाण पत्र से लेकर तेजाब फेंकने की धमकी तक

सूत्रों ने कहा कि नवीनतम यू-टर्न अडसुल द्वारा नवनीत राणा पर अमरावती लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए जाति प्रमाणपत्र से छेड़छाड़ का आरोप लगाने का परिणाम स्वरूप है। मार्च 2021 में नवनीत ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिकायत की कि शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने उन्हें जेल में भेजने की धमकी दी है। जून 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने नवनीत का जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। आदेश के खिलाफ उनकी अपील सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। इस साल जनवरी में, राणा और शिवसेना के बीच संबंधों में और भी तल्खी देखने को मिली जब अमरावती नगर आयुक्त पर हमले को लेकर रवि राणा पर हत्या के प्रयास के लिए मामला दर्ज किया गया। राणा का दावा है कि वह घटना के समय मौके पर मौजूद नहीं थे। मामले की जांच चल रही है।

अरुण नेहरू : जिन्हे इंदिरा गांधी राजनीति में लाईं, राजीव से मतभेद के बाद छोड़ दी थी कांग्रेस

अंकित सिंह

अरुण नेहरू गांधी-नेहरू परिवार के बेहद करीबी सदस्य थे। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में उन्हें देश के सबसे ताकतवर राजनीतिक हस्तियों में शामिल किया जाता था। इसी से अरुण नेहरू के राजनीतिक कद का अंदाजा भी लगाया जा सकता है। अरुण नेहरू पर्दे के पीछे रहकर काम करने वाले नेताओं में से थे।

भारत की राजनीति में गांधी नेहरू परिवार का दबदबा रहा है। गांधी-नेहरू परिवार का एक और सदस्य जिसका राजनीति में वर्चस्व देखने को मिला था, वह अरुण नेहरू थे। अरुण नेहरू गांधी-नेहरू परिवार के बेहद करीबी सदस्य थे। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में उन्हें देश के सबसे ताकतवर राजनीतिक हस्तियों में शामिल किया जाता था। इसी से अरुण नेहरू के राजनीतिक कद का अंदाजा भी लगाया जा सकता है। अरुण नेहरू पर्दे के पीछे रहकर काम करने वाले नेताओं में से थे। उनके फैसले कांग्रेस और उसकी सरकार के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण होते थे। अरुण नेहरू का जन्म 24 अप्रैल 1944 को लखनऊ में हुआ था। उनके पिता का नाम आनंद नेहरू था। उन्होंने लखनऊ के ही ला मार्टिनियर बॉयज़ कॉलेज, लखनऊ और लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की। अरुण नेहरू की शादी 1967 में सुभद्रा से हुई थी।

जानकारों के मुताबिक अरुण नेहरू को राजनीति में इंदिरा गांधी लेकर आए थे। हालांकि इंदिरा गांधी को यह सलाह वीपी सिंह की ओर से दी गई थी। वीपी सिंह अरुण नेहरू से काफी प्रभावित थे। उस वक्त उत्तर प्रदेश की राजनीति में हेमंती नंदन बहुगुणा और वीपी सिंह के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी। 1980 में इंदिरा गांधी दो जगह से चुनाव लड़ी थीं। एक था रायबरेली और दूसरा का आंध्र प्रदेश का मे़डक। इंदिरा गांधी ने रायबरेली सीट से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद कांग्रेस की ओर से नए उम्मीदवारों की खोज शुरू हुई थी। बहुगुणा की ओर से इस सीट के लिए जगपत दुबे का नाम आगे किया गया था जबकि वीपी सिंह ने अरुण नेहरू का नाम सुझाया था।

उस समय अरुण नेहरू एक कंपनी में कोलकाता में रहकर काम करते थे। चुनाव के समय वह रायबरेली जरूर आया करते थे।

इंदिरा गांधी के चचेरे भाई होने के कारण उनके पक्ष में फैसला गया। रायबरेली की सीट गांधी परिवार के लिए प्रतिष्ठा की सीट थी। ऐसे में अरुण नेहरू का नाम इस सीट से फाइनल हो गया। अरुण नेहरू ने यहां से जीत हासिल की। संजय गांधी के निधन के बाद इनका कद कांग्रेस में काफी बढ़ने लगा। व्यापारिक समुदाय में अरुण नेहरू की अच्छी पकड़ थी। पार्टी के लिए फंड जुटाने में उनकी भूमिका भी अहम हो जाती थी। 1981 में जब राजीव गांधी राजनीति में आएं तो अरुण नेहरू उनके प्रमुख सलाहकार बने। इंदिरा गांधी के रहते पीएम हाउस में अरुण नेहरू की तूती बोलती थी। जब तक इंदिरा गांधी रहीं, अरुण नेहरू उनके काफी भरोसेमंद रहे। उन्होंने रायबरेली से 1984 में भी चुनाव जीता। कहते हैं कि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद वह अरुण नेहरू ही थे जिन्होंने राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव रखा था।

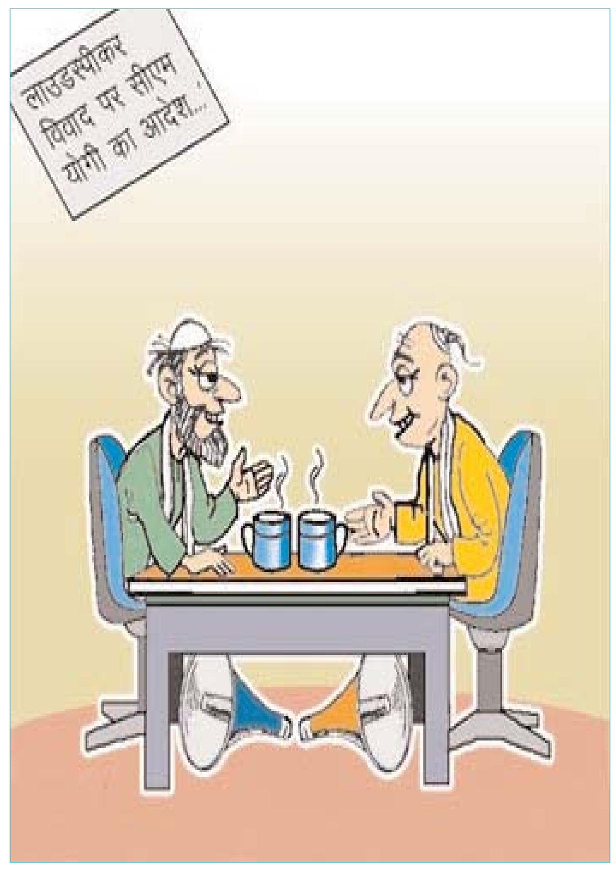

राष्ट्रीय पंचायती राज़ दिवस 24 अप्रैल 2022 पर विशेष

भारत के किसी हिस्से में पहली बार कार्बन न्यूट्रल पंचायत होगी, सारे रिकॉर्ड डिजिटल होंगे! पीएम द्वारा एक क्लिक के जरिये देश की अच्छी पंचायतों को अवॉर्ड मनी भी वितरित की जाएगी

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस जमीनी स्तर से राजनीतिक शक्ति के विकेंद्रीकरण के इतिहास की गाथा है - एड किशन भावनानी

गोंदिया - भारत विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र और 135 करोड़ जनसंख्यकीय शक्ति का दूसरे नंबर का सबसे बड़ा देश है। बड़े बुजुर्गों की कहावत है कि एक और एक ग्यारह बस!! इन चार शब्दों में, एक छोटे से कस्बे से लेकर वैश्विक स्तर पर किसी भी क्षेत्र में काम करने की सफ़लता की कुंजी समाई हुई है, जिसने समझकर इसे क्रियान्वित किया समझो आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में सफलता के झंडे गाड़े!! जिसे आज के युग में विकेंद्रीकरण की संज्ञा दी गई है। यूं तो हर स्तरपर हर क्षेत्र में यह हो सकता है परंतु चूंकि 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस है इसलिए हम आज राजनीतिक शक्ति के विकेंद्रीकरण की बात करेंगे।

साथियों बात अगर हम इस उत्सव को मनाने की करें तो, हर साल 24 अप्रैल को पूरे देश में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। ये दिन भारतीय संविधान के 73वें संशोधन अधिनियम, 1992 के पारित होने का प्रतीक है, जो 24 अप्रैल 1993 से लागू हुआ था। इस दिन को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत साल 2010 से हुई थी। पूरे देश को चलाने में सिर्फ केंद्र सरकार या सिर्फ राज्य सरकार सक्षम नहीं हो सकती है। ऐसे में स्थानीय स्तरपर भी प्रशासनिक व्यवस्था ज़रूरी है।

साथियों इस काम के लिए बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में 1957 में एक समिति का गठन किया गया था, समिति ने अपनी सिफारिश में जनतांत्रिक विकेंद्रीकरण की सिफारिश की जिसे पंचायती राज कहा गया है। इसके तहत स्थानीय निकायों को शक्तियां दी गईं। पंचायतीराज के तहत गांव, इंटरमीडिएट और जिलास्तर पर पंचायतें संस्थागत बनाई गई हैं। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस जमीनी स्तर से राजनीतिक शक्ति के विकेंद्रीकरण के इतिहास को बताता है। उनकी आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की शक्ति को दर्शाता है। राजस्थान देश का पहला राज्य बना जहां पंचायती राज व्यवस्था लागू किया गया। इस योजना का शुभारंभ तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने नागौर जिले में 2 अक्टूबर 1959 को किया था। भारत में पंचायती राज व्यवस्था की देखरेख के लिए 27 मई 2004 को पंचायती राज मंत्रालय को एक अलग मंत्रालय बनाया गया था।

साथियों बात अगर हम इस वर्ष का राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर्व मनाने की करें तो हमारे माननीय पीएम महोदय जम्मू कश्मीर के सांबा जिले के पल्ली गांव में मना रहे हैं जहां वे पल्ली पंचायत घर भी जाएंगे और सरपंच और पंचों से बात भी करेंगे। इसमें देश-विदेश के जाने माने उद्योगपति शामिल होंगे। एक क्लिक के जरिये देश के सभी पंचायतों को अवॉर्ड मनी भी वितरित की जाएगी। कार्यक्रम की रूपरेखा से ऐसा प्रतीत होता है कि एक बार का यह उत्सव अविस्मरणीय होगा!! जम्मू कश्मीर राज्य को अनेकों सौगातें मिलेगी जिससे इस राज्य का तीव्रता से आधुनिकीकरण होगा। पर्यटन के विशाल क्षेत्र को तीव्र गति मिलेगी और हर भारतवासी का अपने देश के स्वर्ग में भ्रमण करने का सपना की शीघ्र साकार होगा।

साथियों बात अगर हम इस दिवसपर महत्वपूर्ण उपलब्धियों की करें तो भारत देश के सांबा जिले का पल्ली गांव देश की पहली कार्बन न्यूट्रल पंचायत होगी। देश में ऐसा पहली बार हो रहा है जब किसी हिस्से में पहली बार कार्बन न्यूट्रल पंचायत होगी और सारे रिकॉर्ड डिजिटलाइज होंगे। पंचायत के हज़ारों प्रतिनिधियों के साथ पीएम का ये कार्यक्रम होगा जिन पंचायतों ने अच्छा काम किया है पीएम उनको सम्मानित करेंगे और उनकी सम्मान राशि एक बटन दबने के साथ खाते में तुरंत पहुँच जायेगी।

साथियों बात अगर हम पंचायती राज की करें तो विकेंद्रीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी संगठन की गतिविधियों जैसे योजना और निर्णय लेने को केंद्रीय प्राधिकरण से दूर किया जाता है। राजनीतिक संदर्भ में, विकेंद्रीकरण एक नीति विकल्प है जिसमें सरकार सरकार के अन्य स्तरों के साथ कुछ जिम्मेदारियों को साझा करने का निर्णय लेती है। इस प्रकार, एक विकेन्द्रीकृत प्रणाली संघीय प्रणाली के भीतर या बिना हो सकती है।

लोकतांत्रिक जड़ों को मजबूत करने के लिए सहकारी संघवाद को बढ़ाते हुए, भारत के संविधान में संशोधन ने शहरी क्षेत्रों में नगर पालिकाओं (नगर निगम और परिषद) का निर्माण किया। स्थानीय स्वशासन की शुरूआत के पीछे मुख्य उद्देश्य आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय लाना था। पंचायतों और नगर पालिकाओं को अपने स्वयं के विकास (सामाजिक और आर्थिक) योजनाएँ बनाने का अधिकार दिया गया था जिसे जिला योजना समिति द्वारा समेकित किया गया है। मुर्गा पद्धति का पालन करते हुए, सीटों को लोकतांत्रिक तरीके से भरा जाता है; जाति और लिंग के आधार पर लंबवत और क्षैतिज आरक्षण। संविधान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के लिए विशिष्ट प्रावधान प्रदान करता है। एक पंचायत निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक निकाय है जो स्थानीय आबादी द्वारा सीधे चुने जाते हैं जो भारत में ग्राम स्तरपर स्थानीय सरकार बनाते हैं। पंचायती राज प्रणाली लोगों को अपने स्वयं के प्रबंधन में संलग्न होने का अधिकार देती है जो सामुदायिक स्तर पर प्रकट होता है। भारतीय संविधान में पंचायतों की त्रिस्तरीय प्रणाली की परिकल्पना की गई है, ग्राम स्तर की पंचायत (ग्राम पंचायत), जिला स्तर की पंचायत (जिला परिषद) और मध्यवर्ती स्तर की पंचायत (पंचायत समिति)।

साथियों बात अगर हम पंचायती राज के लाभोंकी करें तो स्थानीय समस्याओं के लिए स्थानीय समाधान की आवश्यकता होती है। स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित करते हुए, पंचायतों के सदस्यों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाली समस्याओं को सबसे अच्छी तरह से देखा और हल किया जा सकता है।

स्वयं को पहचाने!

चलो आज स्वयं को पहचाने,
अपनी कमजोरियों को जाने,
जग की आलोचना बहुत की,
अब खुद को भी दे, थोड़े ताने!

कितने फेसिले, कितने संभले,
स्वार्थ में कितने किए हमले,
नजर डाल के खुद पर,
देखे हमारे सूखे गमले!

दूसरों की आलोचना में,
कितना हमने सुख लिया,
अब हमको सोचना है,
स्वयं को भी कितना दुख दिया!

चलो स्वयं पर डाले प्रकाश,
खुद से मिलने का करे प्रयास,
स्वयं में झांके, स्वयं को पहचाने,
स्वयं को सुधारे, स्वयं को जाने!

स्वयं की सकारात्मकता,
स्वयं को परखती,
स्वयं में जागरूकता,
स्वयं की शक्ति,
अपने जीवन में खुशियों की बहार लाए,
स्वयं को बेहतरीन से बेहतरीन इंसान बनाएं!!

डॉ. माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)

प्रयागराज में सामूहिक हत्याकांड पर विपक्ष मुखर, योगी ने दिये कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सामूहिक हत्याकांड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त करते हुये दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं वहीं दस दिनों के भीतर संगम नगरी में दूसरी बार हुये नृशंस हत्याकांड को लेकर विपक्ष ने सरकार के प्रति आक्रमक तेवर अपना लिया है।

प्रयागराज के गंगापार थरवई क्षेत्र में शनिवार सुबह एक ही परिवार के पांच सदस्यों की नृशंस हत्या कर दी गयी। मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को मौके पर पहुंच कर निष्पक्षता के साथ जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कारवाई करने के निर्देश दिए।

उधर, बहुजन समाज पार्टी (बसपा), समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) ने इस जघन्य हत्याकांड पर दुख व्यक्त करते हुये इसे राज्य की बदतर कानून व्यवस्था का परिचायक बताया है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। प्रसपा अध्यक्ष ने घटना का जायजा लेने के लिये प्रयागराज जा रहे हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया प्रयागराज में एक ही परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या किए जाने की खबर अति-दु:खद, निन्दनीय व चिन्ताजनक। सरकार घटना की तह में जाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट किया भाजपा 2.0 के राज में, यूपी डूबा अपराध में। आज का अपराधनामा।

प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव ने ट्वीट किया प्रयागराज में एक बार फिर से एक ही परिवार के पांच लोगों की सामूहिक नृशंस हत्या की दु:खद खबर ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। मृतकों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। भावपूर्ण श्रद्धांजलि...। प्रदेश के मुख्यमंत्री से मेरा आग्रह है कि घटना की किसी स्वतंत्र एजेंसी से समयबद्ध जांच कराकर पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश करें व दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। घटना के प्रति विरोध दर्ज करने व शोकाकुल परिवार से मिलने मैं प्रयागराज पहुंच रहा हूं।

प्रदेश कांग्रेस ने ट्वीट किया प्रयागराज सीरियल किलिंग का गढ़ बन चुका है। एक ही हफ्ते में दो परिवारों की हत्या हो चुकी है। यह यूपी के मुख्यमंत्री की अयोग्यता है कि वे अब तक इसके लिए एक विशेष जांच दल तक नहीं गठित कर सके। इसे तत्काल रोका जाना चाहिए।

गौरतलब है कि इससे पहले गंगापार के नवाबगंज में पिछले सप्ताह एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या हुई थी। उनमें पति-पत्नी और उनकी तीन बेटियां थीं। बाद में पता चला था कि गहस्वामी ने ही पहले सभी की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर लिया था।

शार्ट न्यूज

अक्षय प्रताप के खिलाफ फिर से गैर जमानती वारंट

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले की एक अदालत ने फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने के मामले में एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी के खिलाफ फिर से गैर जमानती वारंट जारी करते हुए जमानतदारो को भी नोटिस जारी किया है। एमएलसी चुनाव से पहले एमपी एमएलए कोर्ट ने 23 मार्च को अक्षय प्रताप सिंह को फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने के मामले में सात साल की सजा सुनाते हुए जेल भेज दिया था मगर दूसरे दिन 24 मार्च को प्रभारी जिला जज ने एमपी एम एलए कोर्ट का आदेश स्थगित करते हुये अक्षय प्रताप को जमानत दे दी थी। मामले की सुनवाई कर रहे जिला जज की अदालत में अक्षय प्रताप सिंह को 20 अप्रैल को पेश होना था लेकिन वह पेश नहीं हुए तो 22 अप्रैल तारीख लगा दी गयी। शुक्रवार को अक्षय प्रताप कोर्ट में हाजिर नही हुये तो उनके वकील की ओर से हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र देते हुये कहा गया कि मामला दूसरी कोर्ट में ट्रांसफर किये जाने के लिये हाई कोर्ट में याचिका दायर की गयी है। कोर्ट ने प्रार्थना पत्र स्वीकार नही किया और कोर्ट ने उन्हें दी गयी सारी राहत निरस्त कर दी।

बलिया में पत्रकार के साथ मारपीट करने वाले खनन माफिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बलिया। उत्तर प्रदेश के जिले में अवैध खनन की कवरेज करने गए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार पर हमला व लूट के मामले में नरही थाने में तीन लोगों के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल के पत्रकार मनोज राय की शिकायत पर कल नरही थाना में सुधांशु राय , नीलेश व वशिष्ठ के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धारा में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मनोज राय की शिकायत है कि वह 21 अप्रैल को नरही थाना क्षेत्र में गंगा तट पर अवैध बालू खनन का समाचार संकलन कर रहे थे कि इस दौरान खनन माफिया ने उनके ऊपर हमला कर दिया तथा लूटपाट की । उनका कैमरा तोड़ दिया गया । पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

डॉक्टरी-इंजीनियरिंग भी मुफ्त करेंगे श्रमिकों के बच्चे, सरकार उठाएगी खर्चा

लखनऊ। श्रमिकों के लिए अच्छी खबर है। पैसे के अभाव में उनके बच्चों की पढ़ाई नहीं छूटेगी। इसके लिए किसी के सामने हाथ भी नहीं फैलाना होगा। बल्कि योगी सरकार उनके साथ खड़ी होगी। स्नातक स्तर की सामान्य पढ़ाई से लेकर राजकीय कॉलेजों से इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई खर्च भी सरकार उठाएगी। श्रम विभाग की ओर से हाल में मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के समक्ष दिए गए प्रजेंटेशन में 100 दिन से लेकर पांच साल के बीच किए जाने वाले कार्यों का खाका पेश किया था। इसमें निर्माण क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को स्नातक स्तर तक की शिक्षा मुफ्त दिए जाने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव पर छह महीने में अमल किया जाना है। ऐसा होने पर इसका लाभ करीब डेढ़ करोड़ पंजीकृत श्रमिकों के परिवारों को मिल सकेगा। भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पूर्व जारी लोक कल्याण संकल्प पत्र में इसका वादा किया था। निर्माण क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए अभी भी सरकार मदद कर रही है। उन्हें साइकिल, छात्रवृत्ति के साथ ही फीस की प्रतिपूर्ति भी की जाती है। उसके लिए कई स्लैब बना रखे हैं। साधारण ग्रेजुएशन करने की दशा में 12 हजार तक और मेडिकल व इंजीनियरिंग में जरूरत के हिसाब से एक लाख तक दिया जाता है। सूत्रों की मानें तो अब अलग-अलग स्लैबों को बढ़ाने की तैयारी है। यदि किसी कोर्स में एक लाख से अधिक फीस हुई तो उसकी वास्तविक प्रतिपूर्ति की जाएगी।

तबादला रुकवाने के लिए दो शिक्षिकाओं ने बा स्कूल की 30 छात्राओं को बनाया बंधक, पुलिस ने लड़कियों को निकाला बाहर

लखीमपुर-खीरी। यूपी लखीमपुर खीरी जिले के बेहजाम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की करीब दो दर्जन छात्राओं को उनकी दो शिक्षकों ने गुरुवार रात कथित तौर पर छत पर बंद कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लखीमपुर खीरी के बेसिक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मीकांत पांडे ने शुक्रवार को बताया, शिक्षकों ने अनुशासनात्मक आधार पर दूसरे केजीबीवी में हुए उनके तबादले को रद्द करने के लिए जिले के अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाए। उन्होंने बताया, वार्डन ललित कुमारी ने उन्हें और जिला समन्वयक, बालिका शिक्षा रेणु श्रीवास्तव को घटना के बारे में सूचित किया, जिसके बाद वे स्कूल पहुंचे और वहां कई घंटों तक मौजूद रहें। स्थानीय पुलिस थाना से महिला पुलिस को बुलाया गया और लड़कियों को अपने छात्रावास के कमरे में वापस लाया गया। पांडे ने कहा, इस संबंध में जिला समन्वयक बालिका शिक्षा रेणु श्रीवास्तव द्वारा दो शिक्षकों मनोरमा मिश्रा और गोल्डी कटियार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं के के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस मामलें की चार सदस्यीय समिति द्वारा विभागीय जांच की जाएगी। समिति को तीन दिन में रिपोर्ट देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि जांच में दोषी पाए जाने पर शिक्षकों के खिलाफ सेवा अनुबंध को समाप्त करने सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अपनी धरोहर-अपनी पहचान परियोजना से संवरेंगी यूपी की संरक्षित इमारतें

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में गौरवशाली इतिहास के स्वर्णिम पलों को समेटने वाली संरक्षित और एतिहासिक धरोहरों को संवारने की तैयारी की जा रही है। जनमानस में उनको अपनाने का भाव विकसित करने के लिए कार्यक्रम चलाने की योजना है। योगी सरकार अपनी धरोहर-अपनी पहचान परियोजना को आगे बढ़ाते हुए कई अनूठे प्रयोग शुरू करने जा रही है। जिसमें एडाप्ट- ए-हैरिटेज पॉलिसी के तहत नौ स्मारक मित्रों का चयन भी कर लिया गया है। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग को विरासत के संरक्षण और संवर्द्धन की कार्ययोजना बनाने के लिए 100 दिन का लक्ष्य दिया है। सरकार की योजना प्रदेश की एतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का विकास करना है। मेले महोत्सवों के आयोजन, पर्यटन क्षेत्र में रोजगार सृजन, पर्यटन स्थलों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर भी जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन को कैसे बढ़ावा मिले इसके लिए कई अभूतपूर्व कार्य किये जा रहे हैं। 1814 से पहले बने लखनऊ की शान कहलाने वाले महलों में छतर मंजिल हो या फिर फरहत बक्श कोठी अंग्रेजों ने इनकी संज्ञा जन्नत से की थी। 18वीं शताब्दी की शुरुआत में निर्मित बेहतरीन नक्काशी का नमूना छतर मंजिल दुनिया भर में मशहूर है। इन महलों के रहस्यों और रोमांचित करने वाले इतिहास की तरफ पर्यटक हमेशा से आकर्षित रहे हैं। इसी प्रकार से लखनऊ की कोठी गुलिस्तान-ए-इरम, दर्शन विलास कोठी, हुलासखेलड़ा उत्खन्न स्थल को योजना के तहत तेजी से संवारने का काम पूरा किया जाएगा। लखनऊ की एतिहासिक धरोहरों के साथ सरकार ने एडाप्ट ए हैरिटेज पॉलिसी में मथुरा की गोवर्धन की छतरियां, वाराणसी का कर्दमेश्वर महादेव मंदिर, मिर्जापुर का चुनार किला, वाराणसी का गुरुधाम मंदिर, झांसी का बरुआ सागर किला जैसे स्मारक मित्रों का चयन कर लिया है। अब इनको संवारने और संरक्षण का काम तेजी से पूरा कराकर इनको दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

लखनऊ में नगर निगम कार्यकारिणी का हुआ चयन

सभी छह सदस्य निर्विरोध चुने गए, भाजपा से छह और सपा से दो पार्षद कार्यकारिणी में शामिल हुए

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम कार्यकारिणी के छह सदस्यों का चुनाव शनिवार को हुआ। इसमें बीजेपी से चार और सपा के दो लोगों का चयन हुआ। नगर निगम कार्यकारिणी में सभी सदस्यों का चुनाव निर्विरोध किया गया। बताया जा रहा है कि यह नगर निगम के इतिहास में पहली बार हुआ है जब पांच सालों तक कार्यकारिणी के सभी सदस्यों चयन हर बार निर्विरोध हुआ हुआ है।

बीजेपी की तरफ से जहां मिथलेश चौहान, शशि गुप्ता, रेखा सिंह और मनोज अवस्थी का चयन किया गया। चार में तीन महिला सदस्य रखी गई हैं। सपा की तरफ से जगलाल यादव, अयाजुरहमान का चयन किया गया है। मेयर संयुक्ता भाटिया ने बताया कि यह ऐतिहासिक कार्यकाल होगा जब नगर निगम कार्यकारिणी और एलडीए बोर्ड के सभी सदस्यों का चुनाव निर्विरोध हुआ है। उन्होंने बताया कि बीजेपी की तरफ से 8 सदस्य नगर निगम कार्यकारिणी में है, अब उसमें चार महिला सदस्य है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में महिलाओं को काफी मौका मिला है। मौजूदा समय शहर के 8 जोन में चार जोन की जोनल अधिकारी महिलाएं हैं। मेयर ने सभी सदस्यों को बधाई दी है। नगर निगम के इस कार्यकाल की यह आखिर कार्यकारिणी होगी। नवंबर में चुनाव होना है। ऐसे में अब नए कार्यकारिणी का चुनाव नहीं हो पाएगा।

बहराइच में मनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव

बहराइच। बहराइच के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महसी व जरवल में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वास्थ्य मेला लगाया गया। मेले में मरीजों का इलाज किया गया। पात्रों को आयुष्मान कार्ड बांटे गए। महसी में विधायक सुरेश्वर सिंह व जरवल में ब्लाक प्रमुख विपिंद्र सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। महसी में विधायक सुरेश्वर सिंह ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए तमाम प्रकार की योजनाएं चला रही हैं। इनका लाभ भी मरीजों को मिल रहा है। यहां 47 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। 400 से अधिक लोगों का इलाज किया गया। 40 लोगों को कोविड का टीका लगाया गया। मुख्य अतिथि ने 25 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड बांटे। गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई गई। बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया। मातृ वंदना के लाभार्थियों को चेक बांटे गए। सीएचसी जरवल में आयोजित स्वास्थ्य मेले में 53 मरीजों का परीक्षण कर उपचार किया गया।

प्रेम प्रसंग को लेकर रंजिश में कहासुनी, दो पक्षों में जमकर पथराव व तड़तड़ाई चलाई गोलियां

भमोरा । युवती के प्रेम प्रसंग को लेकर चल रही रंजिश में कहासुनी के बाद दो पक्षों में विवाद हो गया। इसको लेकर पथराव किया गया और गोलियां तड़तड़ाई गईं। हालांकि पुलिस ने विवाद में पथराव की घटना को स्वीकारा है लेकिन फायरिंग होने से साफ इंकार कर दिया। हालांकि दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर नहीं दी है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने बताया कि उसकी भतीजी का गांव के ही अवधेश से प्रेम प्रसंग चल रहा था। होली पर उसकी भतीजी प्रेमी अवधेश के साथ चली गई थी। मामले की पुलिस से शिकायत की गई थी। पुलिस ने उसकी भतीजी को बरामद कर परिजनों को सौंप दी थी। इस पर उन्होंने भतीजी की शादी रामपुर में शाहबाद के एक युवक से कर दी। बताया जा रहा है कि शादी के बाद भी उसकी भतीजी करीब 15 दिन पहले ससुराल से प्रेमी अवधेश के साथ दोबारा चली गई। भतीजी की ससुराल वालों ने आरोपी प्रेमी अवधेश पर शाहबाद में मुकदमा दर्ज कराया। शाहबाद पुलिस आरोपी प्रेमी अवधेश के घर पूछताछ को पहुंची। बताया जा रहा है कि पुलिस के आने से खफा आरोपी अवधेश की मां ने शुक्रवार को प्रेमिका के परिजनों से गाली-गलौज की। प्रेमिका के ताऊ ने विरोध किया तो प्रेमी पक्ष के युवक ने छत से फायरिंग शुरू कर दी। इस पर दोनों ओर से पथराव होने लगा। पुलिस के पहुंचने से पहले ही दोनों पक्ष भाग चुके थे। एसओ राजेंद्र सिंह सिरोही ने बताया कि एक ही परिवार के दो पक्षों में रंजिश चल रही है। दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ है लेकिन फायरिंग नहीं हुई हैं। मामले की जांच की जा रही है। हालांकि अभी तक किसी की तहरीर नहीं मिली है।

अयोध्या में विवाहिता का फांसी पर लटका मिला शव

ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या। अयोध्या में शुक्रवार देर रात एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा लिया। परिजनों ने आनन-फानन महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला के मायके वालों ने पति, ससुर और सास के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

इलाज के दौरान महिला की मौत

अयोध्या कोतवाली के लक्ष्मण घाट चौकी क्षेत्र के ऋण मोचन घाट मोहल्ला निवासी पूजा सिंह (28) ने शुक्रवार मध्य रात्रि उन्होंने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। दो दिन पहले महिला पति के साथ दिल्ली से भाई की शादी में शामिल होने के लिए आई थी। घटना की जानकारी होते ही परिवार के अन्य सदस्यों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की दो वर्ष की बेटी भी है।

गोंडा में है महिला का मायका

गोंडा के साखीपुर निवासी पिता जगदेव सिंह को जब घटना की सूचना मिली तो वे तत्काल घर के अन्य सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंचे। इसके बाद उन्होंने पुलिस से मामले की शिकायत की। पिता ने बताया कि बेटी की शादी 26 फरवरी 2019 को हुई थी। तभी से घर के लोग दहेज के लिए उसे प्रताड़ित करते रहते थे। पति विशाल सिंह ससुर विष्णु सिंह और सास किसुम सिंह दहेज को लेकर उससे आए दिन झगड़ा और उसके साथ मारपीट करते रहते थे। आरोप है कि बेटी की मौत के बाद लोगों को गुमराह करने के लिए अस्पताल में नगर आयुक्त अयोध्या का मोबाइल नंबर दर्ज कराया है।

पिता ने बताया कि बेटी पूजा सिंह पांच बहनों में सबसे छोटी थी । दो दिन पहले उससे फोन पर बात हुई। वह भाई की शादी में शामिल होने के लिए काफी उत्साहित थी। आज उसके छोटे भाई का तिलकोत्सव है। और वह सभी को छोड़कर दुनिया से चली गई।

पति, सास और ससुर गिरफ्तार

अयोध्या सीओ आर के चतुर्वेदी ने बताया कि पिता की तहरीर पर पति विशाल सिंह, ससुर विष्णु सिंह और सास किसुम सिंह के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की जांच चल रही है।

दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर केमिकल भरा टैंकर पलटा

कार बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, डेढ़ घंटे तक एनएच-9 की सर्विस लेन पर बंद रहा ट्रैफिक

गाजियाबाद। दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर गाजियाबाद में शुक्रवार सुबह केमिकल से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर से केमिकल का रिसाव होने लगा और वह सड़क पर फैल गया। हादसे की आशंका के मद्देनजर दिल्ली से यूपी जाने वाला ट्रैफिक रोक दिया गया। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन (ह॥-9) करीब डेढ़ घंटे तक बंद रही। तीन बड़ी हाइड्रा की मदद से टैंकर को सीधा करके रवाना किया गया।

साहिबाबाद से कासना जा रहा था इथाइल

टैंकर ड्राइवर दीपक ने बताया, वह साहिबाबाद से इथाइल कैमिकल लेकर नोएडा के कासना स्थित एक फैक्ट्री में जा रहा था।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन पर वह जैसे ही पहुंचा तो आगे चल रही कार को बचाने के प्रयास में टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। ड्राइवर दीपक ने पुलिस को बताया कि यदि धूप तेज होती है तो केमिकल में आग लगने का खतरा हो सकता है, क्योंकि यह बेहद ज्वलनशील पदार्थ है। इधर, टैंकर से धीरे-धीरे ज्वलनशील पदार्थ निकलना शुरू हो गया, जो सड़क पर बहने लगा।

केमिकल रिसाव होने से दहशत

पुलिस ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया। दमकल वाहन ने पहुंचकर टैंकर पर छिड़काव किया, ताकि वह गर्मी न पकड़ पाए। इधर, मौके पर कई क्रेन आईं लेकिन भारी-भरकम टैंकर को सीधा नहीं कर सकीं। इसके बाद तीन हाइड्रा मशीनों को बुलाकर टैंकर को जैसे-तैसे सीधा कराया गया। इस दौरान एनएच-9 पर करीब डेढ़ घंटे तक भारी वाहनों की आवाजाही बंद रही। सिर्फ बाइकों को वहां से निकलने दिया गया। इस दौरान लोगों में दहशत का आलम रहा। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

बुलंदशहर में व्यापारियों ने कलेक्ट्रेट में किया विरोध प्रदर्शन

बुलंदशहर। बुलंदशहर में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के नगर अध्यक्ष पंकज अग्रवाल के नेतृत्व मे सभी पदाधिकारियों के द्वारा शनिवार को एक ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट मीनू राणा को सौंपा। नगर अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने जिलाधिकारी से मांग की है कि डिप्टी गंज पुलिस चौकी निकट लाल तालाब पर बुधवार की रात्रि में लकड़ी से भरा हुआ ट्रक डिवाइडर से टकराकर पलट गया। इसके कारण भीषण आग लग गई और लगभग दर्जनभर दुकानें व घर इस आग की चपेट में आ गए। व्यापारियों का काफी बड़ा नुकसान हुआ और उनके सामने रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई। जिलाधिकारी को ज्ञापन में कहा गया कि सरकार उन दुकानदारों व घरों को उचित मुआवजा दें, जिससे व्यापारी अपना रोजगार फिर से चालू कर सके। जिलाधिकारी से मांग की गई कि मोती बाग से लेकर डिप्टी गंज पुलिस चौकी तक सड़क बहुत कम चौड़ी है। इन डिवाइडर के कारण पहले भी कई बार हादसे हो चुके हैं। सड़क से डिवाइडर जल्द से जल्द हटाये जाए , ताकि भविष्य में इस तरह का हादसा ना हो। इस मौके पर वरिष्ठ संरक्षक हरि सचदेवा, संरक्षक स्वामी परम देव, वरिष्ठ मंत्री प्रवेश अंसारी, मीडिया प्रभारी युगल गोस्वामी, कोषाध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी, सह मीडिया प्रभारी मोहम्मद मुजम्मिल, अरुण गोयल आदि रहे।

वाहन कमेला सोतीगंज से 102 करोड़ की संपत्ति जब्त

शासन को भेजी रिपोर्ट, 32 वर्षों से खपाए जा रहे थे 6 राज्यों के चोरी-लूट के वाहन

एजेंसी

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले में 32 साल पुराना वाहन कमेला अब पूरी तरह से बंद हो चुका है। पुलिस ने यहां वाहन काटने वाले कबाड़ियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करते हुए अब तक 102 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। अकेले सबसे बड़े माफिया हाजी गल्ला की 43 करोड़ रुपए की संपत्ति को पुलिस ने जब्त किया है।

मेरठ पुलिस प्रशासन की तरफ से इस वाहन कमेले सोतीगंज की रिपोर्ट शुक्रवार को शासन को भेज दी है। बताते चलें कि मेरठ के बीचों बीच दिल्ली रोड पर एक वर्ग किमी क्षेत्र में 550 दुकानों और गोदामों में छह राज्यों से चोरी और लूटकर लाए गए वाहन काटे जाते थे।

मेरठ के सदर बाजार थाना क्षेत्र में दिल्ली रोड से सटे सोतीगंज में 1990 में वाहनों को काटने का काम शुरू हुआ था। इससे पहले दिल्ली रोड पर वाहन के स्पेयर पार्ट्स की 15 से 20 दुकानें यहां थीं। इसके बाद यहां के कबाड़ियों ने चोरी और लूट के वाहनों को काटना शुरू कर दिया। यह मुस्लिम बाहुल्य इलाका है।

यूपी, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड राज्यों से चोरी और लूट के वाहन इस वाहन कमेले सोतीगंज में पांच से दस मिनट में खपा दिए जाते थे। बसपा सरकार में पूर्व मंत्री पर भी यहां वाहन कटवाने के आरोप लग चुके हैं। विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा था कि देश का सबसे बड़ा वाहन कमेला बंद हो चुका है। जहां मिनटों में चोरी और लूट के वाहन काटे जाते थे।

जुलाई 2021 में पहली बार एसएसपी ने किया मुआयना

मेरठ में तैनाती के दो सप्ताह बाद तीन जुलाई 2021 को इस वाहन कमेले सोतीगंज में अचानक एसएसपी प्रभाकर चौधरी पहुंच गए। उन्होंने आईपीएस केशव कुमार, आईपीएस सूरज राय को भी साथ रखा। पूरे सोतीगंज की रिपोर्ट खंगाली। मेरठ जोन के एडीजी राजीव सभरवाल ने कबाड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए कहा।

एसएसपी को पता चला कि सोतीगंज में पुलिस की भूमिका ठीक नहीं है। इसके बाद अलग अलग स्थानों से 75 पुलिसकर्मियों को एक दिन में लाइन हाजिर किया गया। इसमें से अधिकांश वे पुलिसकर्मी थे, जिनकी यहां नजदीकी रही। इंस्पेक्टर सदर बाजार बिजेंद्र सिंह समेत कई पर एफआईआर दर्ज करा दी गई।

300 दुकानों में चोरी और लूट के वाहन मिले

एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने सदर सर्किल के आईपीएस सूरज राय को सोतीगंज की जिम्मेदारी दी। आईपीएस सूरज राय ने सबसे पहले वाहन कबाड़ी हाजी गल्ला और उसके परिवार के खिलाफ गैगस्टर में कार्रवाई की। पुलिस को पता चला कि 300 दुकान और गोदाम ऐसे हैं, जिनमें चोरी और लूट के वाहन काटे जाते थे।

पुलिस ने अलग-अलग दिनों में छापे मारते हुए चोरीऔर लूट के 570 वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर बरामद किए।

दर्ज किए गए मुकदमों की विवेचना में पुलिस ने चोरी और लूट के वाहनों को शामिल किया गया है। चोरी और लूट के वाहन काटने वाले 72 कबाड़ियों और लुटेरों को जेल भेजा गया।

102 करोड़ रुपए की संपत्ति हुई जब्त

आईपीएस सूरज राय के अनुसार, मेरठ के सोतीगंज में 102 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति को अलग-अलग कबाड़ियों से जब्त किया गया है। हाजी गल्ला की 43 करोड़ रुपए की संपत्ति, जिनमें तीन कोठी, प्लाट और गोदाम भी इसमें शामिल हैं।

गल्ला के बाद हाजी नईम दूसरा बड़ा कबाड़ी था। 70 कबाड़ियों पर गैंगस्टर लगाई लगाई गई है, 52 कबाड़ी अभी भी जेल में हैं। 58 कबाड़ियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है, जबकि 42 कबाड़ियों पर गुंडा एक्ट में कार्रवाई की गई है।

एसएसपी प्रभाकर चौधरी का कहना है कि सोतीगंज में चोरी और लूट के वाहन काटे जाते थे। इसे पूरी तरह से बंद करा दिया गया है।

अपराध के जरिये जिन कबाड़ियों ने करोड़ों रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित की, उनकी संपत्ति को जब्त किया गया। पूरे साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है।

शार्ट न्यूज

भारतीय डाक ने फर्जी वेबसाइटों से किया सचेत

नयी दिल्ली। भारतीय डाक ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छोटे यूआरएल सहित व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया और ईमेल/एसएमएस के माध्यम से सरकारी सब्सिडी प्रदान करने का दावा करने वाली फर्जी वेबसाइटों से आम लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। डाक विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा हम देश के नागरिकों को सूचित करना चाहते हैं कि भारतीय डाक सर्वेक्षण आदि के आधार पर सब्सिडी, बोनस या पुरस्कार की घोषणा जैसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं है। इस तरह की अधिसूचना/संदेश/ई-मेल प्राप्त करने वाले लोगों से अनुरोध है कि वे ऐसे फर्जी और नकली संदेश पर विश्वास न करें या इसका उत्तर नहीं या कोई व्यक्तिगत विवरण साझा नहीं करें। यह भी अनुरोध किया जाता है कि किसी भी व्यक्तिगत रूप से पहचान-योग्य जानकारी जैसे जन्म तिथि, खाता संख्या, मोबाइल नंबर, जन्म स्थान और ओटीपी आदि साझा न करें। भारतीय डाक हालांकि विभिन्न रोकथाम तंत्रों के माध्यम से इन यूआरएल/लिंक्स/वेबसाइटों से बचाव के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रहा है। व्यापक तौर पर आम लोगों से एक बार फिर अनुरोध किया जाता है कि वे किसी भी फर्जी / नकली संदेशों / संचार / लिंक पर विश्वास न करें या उनका जवाब न दें।

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजार में आज खाद्य तेलों के साथ ही दाल दलहन , अनाज और मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान स्थानीय स्तर पर सूरजमुखी तेल , पाम ऑयल, वनस्पति तेल , मूंगफली तेल, सरसों तेल और सोया रिफाइंड के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ में टिकाव रहा। दाल-दलहन ﹣दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4700-4800,दाल चना 5700-5800, मसूर काली 8500-8600, मूंग दाल 9000-9100, उड़द दाल 9800-9900, अरहर दाल 8100-8200 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2250-2350 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3570-3670, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3450-3550 और गुड़ 3200-3

जन औषधि केंद्र खोलने का मौका दे रही सरकार, अप्लाई करने का ये है तरीका

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने का मौका दे रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस नए आवेदन के दायरे में कुल 406 जिलों के 3579 प्रखंड आएंगे। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने के लिए व्यक्तियों, बेरोजगार फार्मासिस्टों, सरकार द्वारा नामित संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों, ट्रस्ट, सोसायटी आदि से आवेदन मांगे गए हैं। एक ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से ये आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक पीएमबीआई की वेबसाइट janaushadhi.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पात्र आवेदकों को पहले आओ पहले आओ के आधार पर पीएमबीजेपी के नाम पर ड्रग लाइसेंस लेने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी जाएगी। आपको बता दें कि सरकार ने मार्च 2024 तक जनऔषधि केंद्रों की संख्या को 10000 तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। योजना के दायरे में देश के सभी 739 जिलों को इस योजना में शामिल किया गया है। छोटे शहरों और प्रखंड मुख्यालयों के निवासी भी अब जन औषधि केंद्र खोलने के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, पहाड़ी जिलों, द्वीप जिलों और पूर्वोत्तर राज्यों सहित विभिन्न श्रेणियों को बढ़ावा प्रदान करती है। इससे देश के कोने-कोने में लोगों तक सस्ती दवा की पहुंच आसान होगी। योजना के विस्तृत नियमों और शर्तों को janaushadhi.gov.in पर देखा जा सकता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने होम लोन की ब्याज दर में कटौती की, अब 6.50 प्रतिशत पर मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने होम लोन की ब्याज दर में कटौती की है। बैंक ने होम लोन पर ब्याज दर 6.75 प्रतिशत से घटाकर 6.50 प्रतिशत सालाना कर दी है। बैंक ने कहा कि होम लोन पर ब्याज की नई दर 30 जून, 2022 तक लागू रहेगी। बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक (होम लोन और अन्य खुदरा संपत्ति) एच टी सोलंकी ने कहा कि हम पिछले कुछ महीनों से आवास बिक्री में तेजी देख रहे हैं। इसको देखते हुए हमने ग्राहकों के हित में सीमित अवधि के लिये 6.50त्न की विशेष ब्याज दर की पेशकश की है। साथ ही ग्राहकों को कोई प्रोसेसिंग चार्ज भी नहीं देना होगा। नई ब्याज दर, नए हाउसिंग लोन लेने वाले ग्राहकों के साथ ही दूसरे बैंक से लिए गए लोन को बैंक ऑफ बड़ौदा में ट्रांसफर करने वालों के लिए भी लागू होगी। इस ब्याज दर का फायदा उन्हीं लोगों को मिलेगा जिनका सिबिल स्कोर 771 या उससे ज्यादा होगा। सिबिल स्कोर से पिछले कर्ज की जानकारी मिलती है। इसलिए बैंक से कर्ज और क्रेडिट कार्ड लेने के लिए अच्छा सिबिल स्कोर होना जरूरी होता है। नियमित कर्ज चुकाने से क्रेडिट स्कोर अच्छा रहता है। सिबिल स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच होता है। अगर स्कोर 750 अंक या उससे ज्यादा होता है तब कर्ज मिलना आसान होता है। सिबिल स्कोर 24 महीने की क्रेडिट हिस्ट्री के हिसाब से बनता है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी का आरोप; राणा कपूर और वधावन बंधुओं ने की 5050 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने यस बैंक के को-फाउंडर राणा कपूर और दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्रमोटर कपिल और धीरज वधावन ने संदिग्ध ट्रांजैक्शन के जरिए 5,050 करोड़ रुपए के फंड की हेराफेरी का आरोप लगाया है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राणा कपूर, उनके परिवार, वधावन और अन्य लोगों के खिलाफ हाल ही में विशेष अदालत में दायर आरोपपत्र में यह बात कही। जांच के दौरान पता चला है कि इस मामले में प्रोसीड ऑफ क्राइम का एक बड़ा हिस्सा राणा कपूर चोरी करके विदेश ले गए। इसलिए मनी लॉड्रिंग एक्ट के प्रोविजन के तहत उसकी सीधे कुर्की नहीं हो पा रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने अपने नई चार्जशीट में दावा किया है कि राणा कपूर, ष्ठ॥स्नरुके प्रमोटर कपिल वधावन, धीरज वधावन और अन्य एक-दूसरे के साथ क्रिमिनल साजिश में भी शामिल थे। ईडी ने बताया कि जांच से पता चला है कि यस बैंक ने अप्रैल 2018 से जून 2018 के बीच DHFL से 3,700 करोड़ रुपए के डिबेंचर खरीदे थे। इसलिए, अमाउंट को ष्ठ॥स्नरुको ट्रांसफर कर दी गई थी। इसके बाद, DHFL ने DOIT अर्बन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (राणा कपूर और उनके परिवार के स्वामित्व वाली एक यूनिट) को 600 करोड़ रुपए का लोन दिया। ये बात भी सामने आई कि यस बैंक ने DHFL शॉर्ट-टर्म डिबेंचर की खरीद के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल किया था। एजेंसी ने कहा कि दूसरी ओर, DHFL ने राणा कपूर को उनकी कंपनी, DUVPL को पर्याप्त कोलैटरल के बिना 600 करोड़ रुपए का लोन देकर मजबूर किया और दावा किया कि कपूर के परिवार के स्वामित्व वाली फर्म को दिए गए लोन पूरे अधिनियम को छिपाने के लिए थे। जांच से पता चला है कि 39.68 करोड़ रुपए कीमत वाली प्रापर्टी पर 600 करोड़ रुपए का लोन दिया गया था। एग्रीकल्चर वाली जमीन से आवासीय प्लॉट बताकर 735 करोड़ रुपए की बढ़ी हुई कीमत बताई। 9 सितंबर, 1957 को दिल्ली में जन्मे राणा कपूर देश के सफलतम बैंकर्स की लिस्ट में शामिल थे। पढ़ाई के दौरान उन्हें ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन की तरफ से मानद फेलोशिप, रटगर्स यूनिवर्सिटी न्यू जर्सी से प्रेसिडेंट मेडल और जीबी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर से मानद फेलोशिप मिल चुकी है। उनकी फैमिली में पत्नी बिंदू कपूर और तीन बेटियां राधा, राखी और रोशनी हैं।

भारत की आर्थिक वृद्धि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत और उच्चतम : सीतारमण

वाशिंगटन। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामले मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि चालू वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत और उच्चतम है और यह भारत की उदार नीति और मजबूत रिकवरी को दर्शाती है।

सीतारमण ने यहां विकास समिति के पूर्ण सत्र की 105वीं बैठक में यह बात कही। बैठक में डिजिटलीकरण और विकास, विकास और व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए ऋण और यूक्रेन में युद्ध के वैश्विक प्रभावों के प्रति विश्व बैंक समूह की प्रतिक्रिया﹣ एक प्रस्तावित प्रारूप जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

उन्होंने कहा कि भारत ने बेहद सक्षमता के साथ कोविड-19 महामारी संकट का सामना किया और टीकाकरण में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अब तक लोगों को 1.85 अरब से अधिक कोविड-19 वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने स्वेच्छा से सभी देशों को कोविड वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क (कोविन) प्लेटफॉर्म की पेशकश की और वह इस प्रमाणित और महत्वपूर्ण रूप से उपयोगी डिजिटल प्लेटफॉर्म के महत्व को पहचानते हुए अन्य सार्वजनिक-वस्तुओं के प्लेटफॉर्म के लिए भी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

वित्त मंत्री ने बैठक में श्रीलंका की संकटपूर्ण स्थिति की भी चर्चा की और आशा व्यक्त की कि श्रीलंका को निर्णायक राहत मिलेगी ताकि वह संकट से बाहर आ सके।

सीतारमण ने की विश्व बैंक के अध्यक्ष से मुलाकात

वाशिंगटन। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण और विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष डेविड मालपास ने कोविड-19 महामारी से भारत की निरंतर रिकवरी, विश्व अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से भारत पर रूस-यूक्रेन जंग का प्रभाव, अर्थव्यवस्था और डब्ल्यूबीजी की भूमिका, एकल उधारकर्ता सीमा और अन्य देशों से गारंटी की संभावना की तलाश, भारत की जी 20 अध्यक्षता और सीडी के जाने के बाद भारत में विश्व बैंक का नेतृत्व, आदि पर विचार-विमर्श किया है।

विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की बैठक में भाग लेने के लिए अमेरिका की यात्रा पर गयी श्रीमती सीतारमण ने यहां आज एक बैंक में यह चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा महामारी के मुकाबले में जीवन और आजीविका को बचाने के दोहरे लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक चला रहा है, जिसमें 1.85 अरब से अधिक वैक्सीन की खुराकें दी जा चुकी हैं।

श्रीमती सीतारमण ने उल्लेख किया कि भारत भू-राजनीतिक तनाव के बीच बढ़ती अनिश्चितता के कारण वैश्विक रिकवरी के जोखिमों के बारे में चिंतित है।

वित्त मंत्री ने सुझाव दिया कि बहुपक्षवाद अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि दुनिया असाधारण अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। महामारी और हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण, विश्व बैंक को ऋण-संकट का सामना कर रहे देशों के बचाव में आने की आवश्यकता है। विशेष रूप से, विश्व बैंक को श्रीलंका पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जो एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहा है।

वित्त मंत्री ने अवसंरचना के विकास के लिए भारत के रोडमैप को रेखांकित करते हुए हुए कहा कि भारत राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन एवं गति शक्ति कार्यक्रम के निवेश में वित्तपोषण के लिए विश्व बैंक के निरंतर समर्थन के प्रति आशान्वित है।

ब्रिजस्टोन ने उत्तर प्रदेश में अपने पहले सिलेक्ट प्लस कॉन्सेप्ट स्टोर को किया लॉन्च

नयी दिल्ली। टायरों एवं रबर के क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ब्रिजस्टोन इंडिया ने आज टायरों से संबंधित पूरी जानकारी प्रदर्शित करने वाले उत्तर प्रदेश के पहले वॉक-थ्रू एजुकेटिव टायर स्टोर का शुभारंभ किया, जो ग्राहकों को टायरों की खरीद एवं इससे जुड़ी सेवाओं के बारे में सोच-समझकर विकल्प चुनने में मदद करता है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि ग्राहक इस स्टोर पर उपलब्ध डिजिटल आधारित अनुभव के जरिए, अपनी जरूरतों को ध्यान में रखकर ब्रिजस्टोन टायरों की एक विस्तृत श्रृंखला में से सही विकल्प चुनने में सक्षम होंगे। इस स्टोर में ग्राहकों को टायर तथा इससे जुड़ी सेवाओं के प्रभाव को समझाने के लिए प्रदर्शन भी किया जाता है, जिससे ग्राहकों को सर्वोत्तम टायर चुनने तथा उसका भरपूर उपयोग करने में मदद मिलती है।

टायर ही वाहन और सड़क के बीच संपर्क का एकमात्र साधन होते हैं और इसी वजह से वे चालक की पूरी सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी वजह से ब्रिजस्टोन ग्राहकों को सड़क पर सुरक्षा का अनुभव प्रदान करने के अपने वादे पर कायम है।

यह सिलेक्ट प्लस कॉन्सेप्ट स्टोर नोएडा में स्थित है, जो ग्राहकों के बीच टायरों के चयन और उसके रखरखाव की बेहतर समझ की लंबे समय से महसूस की जाने वाली आवश्यकता को पूरा करता है। ब्रिजस्टोन ने देश के विभिन्न शहरों में इन स्टोर्स के शुभारंभ की योजना भी बनाई है। इस स्टोर के उद्घाटन के साथ, ब्रिजस्टोन ने अपने डीलरशिप स्टोर्स को डिजिटल बनाने के अपने लक्ष्य की ओर एक कदम आगे बढ़ाया है।

ब्रिजस्टोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के रणनीतिक प्रमुख रोहित माथुर ने स्टोर का उद्घाटन करते हुए कहा, टायर तथा इससे जुड़ी सेवाओं के क्षेत्र में सिलेक्ट प्लस स्टोर्स का कॉन्सेप्ट एकदम अनोखा है, जो ग्राहकों को इस संबंध में पूरी जानकारी प्रदान करता है। हम अपने उत्पादों के जरिए ग्राहकों के अनुभव में बदलाव लाने में हमेशा सबसे आगे रहे हैं। इस स्टोर के माध्यम से, हम उन्हें उनकी अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अच्छी तरह सोच-समझकर बेहतर विकल्प का चयन करने में सक्षम बनाते हैं। हम इस तरह के बिल्कुल अलग एवं अनोखे स्टोर्स के जरिए अपने डीलरों की भी मदद करना चाहते हैं, ताकि वहां ज़्यादा-से-ज़्यादा संख्या में ग्राहक आएँ।

आईसीआईसीआई बैंक का चौथी तिमाही का लाभ 60 प्रतिशत उछल कर 7018.7 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए पिछले वित्त वर्ष के चौथी तिमाही में एकल आधार पर 7018.7 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। यह एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 59.4 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 4403 करोड़ था। पूरे वित्त वर्ष के दौरान बैंक का शुद्ध लाभ 23,339 कोरड़ रुपये रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 16,193 करोड़ रुपये की तुलना में 44 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है। शनिवार को जारी तिमाही परिणामों के अनुसार बैंक को इस दौरान ब्याज से 12,605 करोड़ रुपये की आय हुई, जो वार्षिक आधार पर 20.8 प्रतिशत अधिक है। बैंक के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों को पांच रुपये प्रति शेयर की दर से लाभांश देने की घोषणा की है। बैंक के तिमाही लाभ में उछाल में मुख्य योगदान प्रावधान में भारी कमी का रहा। चौथी तिमाही में बैंको प्रावधानों के मद में 1069 करोड़ रुपये दिखाने पड़े, जिनमें 1025 करोड़ रुपये आकस्मिक प्रावधान के रूप में दिखाया गया है। चौथी तिमाही में बैंक की ब्याज मार्जिन चार प्रतिशत रही, जो एक साल पहले 3.84 प्रतिशत थी। चौथी तिमाही में बैंक की गैर ब्याज आय, जिसमें सरकारी प्रतिभूतियों के कारोबार की आय भी शामिल है, ग्यारह प्रतिशत बढ़कर 4604 करोड़ रुपये रही। इसी दौरान बैंक की फीस से आय 14 प्रतिशत बढ़कर 4366 करोड़ रुपये रही। एकतीस मार्च 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में बैंक की कुल जमा 14 प्रतिशत बढ़कर 10,64,572 करोड़ रुपये रही, और ऋण कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 8,59,020 करोड़ रुपये था।

‘केवल भारत में ही जनवरी-मार्च, 22 में बढ़ सका इस्पात उत्पादन’

नयी दिल्ली। विश्व के 10 सबसे बड़े उत्पादक देशों में केवल भारत ने जनवरी से मार्च 2022 की अवधि में उत्पादन में वृद्धि दर्ज की है। यह जानकारी वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए ताजा आंकड़ों में दी गयी है। केंद्रीय इस्पात मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह ने अपने ट्विटर अकाउंट पर इन आंकड़ों को पेश करते हुए भारतीय इस्पात उद्योग को इस सफलता के लिए शनिवार को बधाई दी। वर्ल्डस्टील की रपट के अनुसार भारत ने मार्च 2022 में 1.09 करोड़ टन इस्पात का उत्पादन किया जो एक वर्ष पहले इसी माह की तुलना में 4.4 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह इस वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में देश में इस्पात उत्पादन 5.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.19 करोड़ टन रहा। भारत दुनिया में इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। इस्पात के सबसे बड़े उत्पादक चीन का मार्च,22 का उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 6.4 प्रतिशत घट कर 8.83 करोड़ टन रहा । इसी तरह इस वर्ष पहली तिमाही में उसका इस्पात उत्पादन पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में 10.5 प्रतिशत गिर कर 24.34 करोड़ टन रहा। इसी तरह जापान में जनवरी-मार्च तिमाही में इस्पात का उत्पादन वार्षिक आधार पर 2.9 प्रतिशत गिर कर 2.3 करोड़ टन, अमेरिका में उत्पादन 0.4 प्रतिशत गिर कर 2.03 करोड़ टन, रूस 1.2 प्रतिशत गिर कर 1.87 करोड़ टन, दक्षिण कोरिया में 3.8 प्रतिशत गिर कर1.69 करोड़ टन, जर्मनी में 3.7 प्रतिशत गिर कर 98 लाख टन , तुर्की में 4.7 प्रतिशत गिर कर 94 लाख टन , ब्राजील में इस्पात उत्पादन आलोच्य तिमाही में 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85 लाख टन और ईरान में 4.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69 लाख टन रहा।

शादी के इस सीजन में सोना हुआ रु 1100 से ज्यादा सस्ता, रु 3400 से अधिक लुढ़की चांदी

नई दिल्ली। शादी के इस सीजन में सोने और चांदी खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारतीय सर्राफा बाजार में इस कारोबारी सप्ताह में सोने-चांदी के रेट में बड़ी गिरावट देखी गई। पिछले एक सप्ताह में सोना 1,129 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत में 3,424 रुपये तक की गिरावट आई है।

सप्ताहभर में सोने-चांदी के दाम गिरे

इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, बिजनेस वीक (18-22 अप्रैल) में सोने-चांदी के दाम में बड़ी गिरावट आई है। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन यानी 18 अप्रैल 2022 (सोमवार) की शाम को 24 कैरेट का सोना 53,603 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो 22 फरवरी (शुक्रवार) को 52,474 रुपये पर आ गया। इस दौरान 24 कैरेट सोने के दाम में 1,129 रुपये की गिरावट है।

इसी तरह, 995 यानी 22 कैरेट सोने के दाम में 1124 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है।

वहीं, 916 कैरेट सोने के दाम में सप्ताहभर में 1034 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट देखी गई है। 750 कैरेट का सोना सप्ताहभर में यानी सोमवार के 40, 202 रुपये के मुकाबले शुक्रवार को 846 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरकर 39,356 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, 585 कैरेट का सोना सोमवार के 31358 रुपये के मुकाबले शुक्रवार को 661 रुपये प्रति दस ग्राम गिरकर 30, 697 रुपये प्रति दस ग्राम का हो गया।

शनिवार और रविवार को नहीं जारी होता है रेट

गौरतलब कि इंडियन बुल एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन छुट्टी के कारण शनिवार और रविवार को सोने-चांदी का रेट जारी नहीं करती है। IBJA के रेट देशभर में सर्वमान्य है। हालांकि, इस वेबसाइट पर दिए गए रेट में जीएसटी शामिल नहीं किया गया है। सोना खरीदते-बेचते समय आप IBJA के रेट का हवाला दे सकते हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक ibja देशभर के 14 सेंटरों से सोने-चांदी का करेंट रेट लेकर इसका औसत मूल्य बताता है। सोने-चांदी का करेंट रेट या यूं कहें हाजिर भाव अलग-अलग जगहों पर अलग हो सकते हैं पर इनकी कीमतों में थोड़ा अंतर होता है।

फ्यूचर समूह के बैंको की असहमति के चलते अधिग्रहण योजना से पीछे हटा रिलायंस समूह

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बिग बाजार और फूड बाजार जैसे स्टोर चलाने वाले किशोर बियानी के नेतृत्व वाले फ्यूचल समूह के खुदरा और लॉजिस्टिक कारोबार को खरीदने के सौदे से हटने की शनिवार को घोषणा की।

Reliance Industries Limited

रिलायंस ने यह फैसला फ्यूचर समूह के बैंको द्वारा समूह के खुदरा स्टोर, वेयर हाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कारोबार को बेचने के प्रस्ताव को नामंजूर किए जान के बाद यह फैसला किया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अगस्त 2020 में फ्यूचर समूह के करोबार के अधिग्रहण की घोषणा की थी। दोनों को बीच सौदा 24,713 करोड़ रुपये का था। इसके तहत रिलायंस समूह की रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड(आरआरवीएल) द्वारा वियानी के नेतृत्व वाले फ्यूचर समूह के खुदरा और दूसरे कारोबार करने वाली 19 कंपनियों का अधिग्रहण किया जाना था।

इस करार पर फ्यूचर समूह के शेयर धारकों और उसे गारंटीशुदा कर्ज देने वाले बैंको का मत विभाजन बुधवार को कराया गया था और इसके परिणामों की घोषणा फ्यूचर रिटेल ने शुक्रवार को की।

फ्यूचर रिटेल ने शेयर बाजारों को बताया था कि उसे कर्ज देने वले 70 प्रतिशत गारंटीशुदा ऋणदाताओं ने (बैंको ने) कोरोबार रिलायंस समूह को बेचने की योजना के विरोध में मत दिया।

फ्यूचर रिटेल ने बाजारों को कल बताया था कि उसके 85.9 प्रतिशत शेयरधारक रिलायंस के साथ समझौते के पक्ष में थे। उसने यह भी बताया कि कुल मिलाकर उसकी कंपनियों के 78 प्रतिशत शेयरधारक और बिना गारंटी के कर्ज देने वाले सौदे के समर्थन में रहे लेकिन उसे गारंटीशुदा कर्ज देने वाले न्यूनतम 75 प्रतिशत कर्जदाताओं का समर्थन नहीं मिला, जो नियम के अनुसार सौदे की मंजूरी के लिए जरूरी था।

रिलायंस ने शनिवार को सेबी के नियमों के अनुसार बाजार को दी गयी सूचना में कहा कि फ्यूचर समूह की फ्यूचर रिटेल लि.(एफआरएल) और अन्य सूचीबद्ध कंपनियों ने सौदे के बारे में मतदान के नतीजों की सूचना जारी कर दी है। उनके अधिकांश गारंटीशुदा कर्जदाताओं ने इस सौदे के विरूद्ध वोट दिया है, ऐसे में (फ्यूचर समूह के साथ उसकी) संबंधित योजना का अनुपालन नहीं हो सकता।

फ्यूचर को कर्ज देने वाले बैंको में बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बडौदा, भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन बैंक, सेंट्रल बैंक, एक्सिस बैंक और आईडीबीआई बैंक शामिल हैं।

कानून के विशेषज्ञों के अनुसार बैंको द्वारा बहुमत के आधार पर इस सौदे को खारिज किए जान के बाद राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण(एनसीएलटी) से इस सौदे को मंजूरी मिलना मुश्किल था। गौरतलब है कि फ्यूचर रिलायंस सौदे का अमेरिका की खुदरा कंपनी अमेजन भी कानूनी रूप से विरोध कर रही थी।

रिलायंस-फ्यूचर समूह की डील रद्द, 24 हजार करोड़ रुपए का था सौदा

नई दिल्ली। लंबी कानूनी लड़ाई और तमाम विवादों के बाद मुकेश अंबानी की रिलायंस और किशोर बियानी की फ्यूचर समूह की डील रद्द हो गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान कर दिया है। इस ऐलान के साथ ही डील को लेकर ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन और फ्यूचर समूह के बीच चल रही कानूनी जंग का भी अंत होने की उम्मीद है।

क्या कहा रिलायंस ने

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) और फ्यूचर समूह की अन्य कंपनियों ने इस सौदे की मंजूरी के लिए हुई बैठकों के नतीजों से अवगत कराया है। इसके मुताबिक, सौदे को शेयरधारकों एवं असुरक्षित कर्जदाताओं ने बहुमत से स्वीकार कर लिया है लेकिन सुरक्षित ऋणदाताओं ने प्रस्ताव को नकार दिया है। इस हालात में डील को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है।

2020 में हुई थी डील

आपको बता दें कि फ्यूचर समूह ने अगस्त 2020 में रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) के साथ 24,713 करोड़ रुपये के विलय समझौते की घोषणा की थी। इस डील के तहत खुदरा, थोक, लॉजिस्टिक एवं भंडारण खंडों में सक्रिय फ्यूचर समूह की 19 कंपनियों का रिलायंस रिटेल अधिग्रहण करने वाली थी।

अमेजन का था अड़ंगा

हालांकि, डील की घोषणा के बाद से ही दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इसका विरोध कर रही थी। विभिन्न अदालती मुकदमों में अमेजन ने यह कहते हुए इस डील का विरोध किया कि उसके साथ हुए फ्यूचर समूह के निवेश समझौते का यह करार उल्लंघन करता है।

कर्ज में है फ्यूचर समूह

कर्ज संकट से जूझ रहे फ्यूचर समूह के लिए यह डील काफी अहम मानी जा रही थी। इस डील पर शेयरधारकों और कर्जदाताओं की मंजूरी लेने के लिए फ्यूचर समूह की संबंधित कंपनियों ने हफ्ते की शुरुआत में अलग-अलग बैठकें बुलाई थीं। बैठकों में डील को लेकर दो तरह के विचार थे। सुरक्षित कर्जदाताओं ने इसे नामंजूर कर दिया। अब रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इसी घटनाक्रम को देखते हुए डील को रद्द कर दिया है।

शार्ट न्यूज

लखनऊ के खिलाफ मुकाबले में अपने बिखरे तारों को जोड़ने उतरेगी मुम्बई

मुंबई। लगातार सात मैच हारकर आईपीएल टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो चुकी मुम्बई इंडियंस रविवार को होने वाले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपने बिखरे तारों को जोड़ने के इरादे से उतरेगी। वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में मुम्बई का लक्ष्य एक अदद जीत हासिल करना होगा जबकि लखनऊ की टीम टॉप चार टीमों में अपनी जगह पुख्ता करना चाहेगी। लखनऊ सात में से चार मैच जीतकर आठ अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। मुम्बई की टीम जहां एक तरफ़ संघर्ष कर रही है, तो वहीं सूर्यकुमार यादव ने अपनी फ़ॉर्म को बरक़रार रखा है। उनके नाम पांच पारियों में 58 के औसत और 153.64 के स्ट्राइक रेट से 232 रन हैं। वानखेड़े स्टेडियम में भी सूर्या का रिकॉर्ड बेहतरीन हैं और उन्होंने पिछले 10 आईपीएल मैचों में यहां 35.56 के औसत और 141.59 के स्ट्राइक रेट से 320 रन बनाए हैं। मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ़ लखनऊ के कप्तान केएल राहुल का रिकॉर्ड शानदार रहा है और उन्होंने 127 के अद्भुत औसत और 138.65 के स्ट्राइक रेट से 635 रन बनाए हैं। वह इस साल अपनी टीम की तरफ़ से भी सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं और 141.71 के स्ट्राइक रेट से सात पारियों में उन्होंने 265 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड के नए टेस्ट कोच बनने के प्रबल दावेदार बनकर उभरे ग्राहम फ़ोर्ड

लंदन। इंग्लैंड की पुरुष टीम के टेस्ट कोच के पद के लिए ग्राहम फ़ोर्ड का नाम प्रबल दावेदार बनकर उभर चुका है।दक्षिण अफ़्रीकी फ़ोर्ड 61 साल के हैं और पिछले नवंबर में उन्होंने आयरलैंड के मुख्य कोच का पद त्याग दिया था। इससे पहले वह दक्षिण अफ़्रीका और श्रीलंका की राष्ट्रीय टीमों के अलावा सरे काउंटी क्लब के लिए भी कोच की भूमिका निभा चुके हैं।फ़ोर्ड पांच साल के लिए केंट में भी क्रिकेट निदेशक रह चुके हैं और उसी काउंटी में रॉब की 2006 से कुछ समय तक कप्तान भी थे। रॉब को मंगलवार को इंग्लैंड एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) में पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। रॉब ने यह संकेत दिया है कि वह टेस्ट और सफ़ेद गेंद के दो प्रारूपों के लिए अलग कोचों की नियुक्ति चाहते हैं। वहीं फ़ोर्ड आयरलैंड में अपने कार्यकाल के दौरान टेस्ट क्रिकेट के आयोजन में आती मुश्किलों से काफ़ी असंतुष्ट थे और पता चला है कि वह ख़ुद इंग्लैंड के पद के बारे में चर्चा करने में रुचि रखते हैं। आयरलैंड टीम से नाता तोड़ने के बावजूद फ़ोर्ड उसी देश में वाईएमसीए क्लब की कोचिंग करने के लिए रह गए हैं और साथ ही वह वहां की नागरिकता के लिए भी क्वालिफ़ाई करना चाहते हैं। हालांकि यह पता चला है कि आवश्यकतानुसार वह इस प्रक्रिया में विलंभ भी करने को तैयार हैं। रॉब फ़ोर्ड की कार्य प्रणाली के बड़े प्रसंशक रहे हैं और 2020 में जारी आत्मकथा ओइ की में उन्होंने लिखा था कि फ़ोर्ड साथ काम करने के लिए एक बेहतरीन कोच हैं। उन्होंने आगे लिखा था, वह और मैं दोनों एक साथ टीम को आगे ले जाने की तरफ़ प्रतिबद्ध थे। फ़ोर्डी वह सब करते जो एक खिलाड़ी को बेहतर बना सकता था। अगर कोई फ़ॉर्म में नहीं दिखता तो वह उनको नेट्स में ले जाकर अंधेरा होने तक अभ्यास करवाते। बेहतर होने के प्रति हम दोनों की मानसिकता के चलते हम दोनों में कोई मतभेद नहीं हुआ।

हैदराबाद के खिलाफ जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेगा बेंगलुरू, गोवा की होगी वापसी की कोशिश

पणजी। रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) में रविवार को नागोवा और बेनॉलिम मैदानों पर जो दो मुकाबले होने हैं, उनमें से विजेता का चयन आसानी से नहीं किया जा सकता।दिन के पहले मैच में एफसी गोवा का सामना जमशेदपुर एफसी से होगा। गोवा की टीम जमशेदपुर को हराकर न सिर्फ जीत की पटरी पर वापसी चाहेगी बल्कि वह स्टील नगरी की इस टीम के विजय रथ को भी रोकना चाहेगी। शाम को होने वाले मैच में बेंगलुरू एफसी का सामना हैदराबाद एफसी से होगा, जहां बेंगलुरू इस टीम के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन का दौर जारी रखना चाहेगी। घरेलू टीम गोवा को बेंगलुरू के खिलाफ कांटे के मुकाबले में हार मिली थी। इससे पहले हालांकि उसने उद्घाटन के दिन के अपने मैच में चेन्नइयन एफसी को हराया था। गौर्स नाम से मशहूर गोवा की टीम दो मैचों से तीन अंक लेकर आठ टीमों की तालिका में चौथे स्थान पर विराजमान है। गोवा के लिए अच्छी बात यह है कि उसका सामना ऐसी टीम से होने जा रहा है, जो शैली के मामले में उसी के जैसा है। कोच डेगी कारदोजो के लिए चुनौती डिफेंस की कमजोरियों को कम करना और मैदान के बीचो-बीच जमशेदपुर की पासिंग पर रोक लगाना होगा। स्टील नगरी की टीम अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। यह टीम दो मैचों से छह अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर विराजमान है। कोच इंद्रानी चक्रवर्ती को टीम के स्टाइल आफ प्ले के एक्सक्यूशन पर काम करना होगा। चेन्नइयन एफसी के खिलाफ इसमें कमी देखी गई थी। यह अलग बात है कि यह टीम अपने पिछले मैच से तीन अंक लेने में सफल रही थी, नहीं तो हालात ऐसे नहीं थे कि उसे अंक मिलें।

पंत की मैच फ़ीस में कटौती, प्रवीण आमरे पर लगा एक मैच का प्रतिबंध

मुम्बई। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच शुक्रवार रात को खेले गए मुक़ाबले के दौरान हुए नो बॉल प्रकरण पर आईपीएल प्रबंधन ने कार्रवाई की है। आईपीएल प्रबंधन ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत की मैच फ़ीस में 100 फ़ीसदी की कटौती कर दी है जबकि बीच मैदान में अंपायर से उलझना दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे को भारी पड़ गया है। इस बर्ताव के लिए प्रवीण आमरे पर एक मैच का बैन लगा दिया गया है। मैदान में आमरे के प्रवेश पर एक मैच की रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही उनकी मैच फ़ीस में भी कटौती की गई है। आमरे की मैच फ़ीस में 100 फ़ीसदी की कटौती की गई है। कप्तान पंत और सहायक कोच आमरे के अलावा शार्दुल ठाकुर की मैच फ़ीस में भी 50 फ़ीसदी की कटौती की गई है। पंत ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.7 के तहत स्तर 2 के अपराध को स्वीकार किया और मंजूरी को स्वीकार कर लिया, जबकि ठाकुर ने अनुच्छेद 2.8 के तहत स्तर 2 के अपराध को स्वीकार किया। आमरे ने अनुच्छेद 2.2 के तहत स्तर 2 के अपराध को स्वीकार किया।

तीसरे अंपायर को देना चाहिए था दखल : पंत

मुम्बई। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को लगता है कि शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स के मुक़ाबले के दौरान आख़िरी ओवर में तीसरी गेंद पर नो बोल देने नहीं देने के ऑन फ़ील्ड अंपायर के निर्णय पर थर्ड अंपायर को दखल देना चाहिए था। पंत के अनुसार, नो बॉल करार न देने का फ़ैसला उनकी टीम पर भारी पड़ा, जिस वजह से दिल्ली कैपिटल्स को राजस्थान के हाथों 15 रनों की हार झेलनी पड़ी। हालांकि टीम के सहायक कोच शेन वॉटसन ऋषभ पंत की इस दलील से सहमत नहीं दिखे। वॉटसन ने बीती रात हुए घटनाक्रम से दूरी बनाते हुए कहा कि अंपायर के निर्णय को स्वीकारा जाना चाहिए था। राजस्थान रॉयल्स द्वारा दिए गए 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की बल्लेबाज़ी अंतिम ओवर में थी। ओवर की तीसरी गेंद पर ओबेद मकॉए ने एक हाई फुल टॉस फेंका, जिसे रोवमन पॉवेल ने छक्के के लिए पुल कर दिया। आख़िरी ओवर में 36 रन बनाने थे, जिसकी पहली तीन गेंदों पर पॉवेल ने लगातार तीन छक्के जड़ दिए थे। अंपायर ने छक्के का इशारा तो कर दिया, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स नो बॉल का इशारा किए जाने के इंतज़ार में भी थे। अंपायर का नो बॉल करार देना उन्हें एक अतिरिक्त गेंद और एक फ़्री हिट भी मुहैया करा जाता। जिसके बाद पॉवेल कुछ वही चीज़ दोहरा सकते थे, जो कारानामा एमएस धोनी ने गुरुवार को मुंबई इंडियंस के विरुद्ध खेले गए मुक़ाबले में किया था। हालांकि अंपायर ने गेंद को नो बॉल करार नहीं दिया।

पांड्या के दम पर गुजरात की नंबर एक स्थान पर स्थिति मजबूत

मुम्बई। कप्तान हार्दिक पांड्या (67) की शानदार अर्धशतकीय पारी और गेंदबाजों के सधे हुए प्रदर्शन के दम पर गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाईट राइडर्स को शनिवार को आठ रन से हराकर आईपीएल तालिका में नंबर एक स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

कोलकाता के कैरेबियाई आलराउंडर आंद्रे रसेल ने पारी के आखिरी ओवर में चार विकेट लेकर गुजरात टाइटंस को 20 ओवर में नौ विकेट पर 156 रन पर रोका लेकिन गुजरात ने पलटवार करते हुए कोलकाता को आठ विकेट पर 148 रन पर थामकर सात मैचों में अपनी छठी जीत हासिल की जबकि कोलकाता को आठ मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा।

पहले हार्दिक की शानदार बल ?लेबाजी से गुजरात की टीम 150 के पार पहुंची और बाद में शुरुआती विकेट लेकर मैच पर पकड़ बनाई, लेकिन रसेल की आंधी आई तो गुजरात की मुश्किल बढ़ गई थी। दिक ?कत तब और हुई जब यश की गेंद रसेल का विकेट ले चुकी थी लेकिन यह नो बॉल हो गई। इसके बाद अंतिम ओवर में अलजारी जोसफ ने रसेल का विकेट लेकर मैच को गुजरात की झोली में डाल दिया।

गुजरात की पारी में एक समय हार्दिक और डेविड मिलर जब खेल रहे थे तो लग रहा था कि गुजरात 175 रनों से ज ?यादा रन बना सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हार्दिक अर्धशतक

बनाने में जरूर कामयाब रहे, लेकिन यह नाकाफी ही रहे। अंतिम 17 गेंद के अंदर 6 विकेट और छह गेंद के अंदर चार विकेट गंवा दिए हैं गुजरात ने।

रसेल ने पहली गेंद पर अभिनव मनोहर, दूसरी गेंद पर लॉकी फर्ग्युसन, पांचवीं गेंद पर राहुल तेवतिया और छठी गेंद पर यश दयाल के विकेट झटक लिए। रसेल ने एक ओवर में छह रन खर्च कर चार विकेट झटके।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने 49 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 67 रन की शानदार पारी खेली। ओपनर रिद्धिमान साहा ने 25 गेंदों पर 25, डेविड मिलर ने 20 गेंदों पर 27 और राहुल तेवतिया ने 12 गेंदों पर 17 रन बनाये।

कोलकाता की तरफ से रसेल के अलावा टिम साउदी ने 24 रन पर तीन विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता ने अपने शीर्ष चार बल्लेबाज 6.1 ओवर में 34 रन तक गंवा दिए। रिंकू सिंह ने 28 गेंदों पर 35 रन की पारी खेलकर स्थिति को संभालने की कोशिश की।

लेकिन टीम के 79 के स्कोर पर वह अपना विकेट गंवा बैठे। शिवम मावी के रूप में कोलकाता का सातवां विकेट 108 के स्कोर पर गिरा।

आंद्रे रसेल ने मात्र 25 गेंदों पर एक चौका और छह छक्के लगाते हुए 48 रन की विस्फोटक पारी खेली लेकिन रसेल के आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर आउट होते ही कोलकाता की उम्मीदें भी टूट गयीं। कोलकाता को आखिरी ओवर में 18 रन की जरूरत थी। रसेल ने अलजारी जोसफ की पहली गेंद पर छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर वह लौकी फर्ग्युसन को कैच थमा बैठे। शेष बल्लेबाज बाकी रन नहीं बना सके।

कोलकाता की तरफ से मोहम्मद शमी, यश दयाल और राशिद खान ने दो-दो विकेट लिए। राशिद को 22 रन पर दो विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

एंजियोप्लास्टी के बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज़ आबिद की क्रिकेट में वापसी

एजेंसी

लाहौर। एंजियोपलास्टी के चार महीने बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज़ आबिद अली अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। क़ायदे आज़म ट्रॉफ़ी मैच में बल्लेबाज़ी करते समय सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें पिछले साल दिसंबर में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम का पता चला था और एक दिन बाद उनकी एंजियोप्लास्टी करनी पड़ी थी।

आबिद पिछले साल दिसंबर से कंज़र्वेटिव कार्डियक रिहैबिलिटेशन पर थे और उन्हें हाल ही में फ़ैसलाबाद में एक स्थानीय टी20 टूर्नामेंट खेलने की अनुमति दी गई थी। इलाज के बाद उन्होंने ट्रेडमिल पर चलना शुरू किया और धीरे-धीरे उन्हें मैदान में एक निश्चित गति से दौड़ने दिया गया। उन्होंने पिछले महीने लाहौर के हाई परफ़ॉर्मेंस सेंटर में नेट्स पर खेलना शुरू किया था और कई परीक्षणों से गुज़रने के बाद उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के लिए मंज़ूरी दे दी गई थी।

आबिद ने से कहा, मैं पाकिस्तान के लिए फिर से खेलने की संभावना के बारे में सोचकर वास्तव में उत्साहित हूं। डॉक्टरों ने मुझे मैदान में वापस जाने की मंज़ूरी दे दी और मैं आख़िरकार सामान्य जीवन जीने के लिए वापस आ सकता हूं। मैं कुछ समय के लिए दवाओं पर रहूंगा क्योंकि स्टेंट लगाए गए हैं, लेकिन कुल मिलाकर शारीरिक रूप से मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं डाइविंग कर रहा हूं, दौड़ रहा हूं, जॉगिंग, बल्लेबाज़ी और फिर से सामान्य होना वास्तव में बहुत अच्छा है। हालांकि मुझे संदेह था कि क्या मैं फिर से दिल की स्थिति के साथ खेल सकता हूं? लेकिन मैंने उम्मीद नहीं खोई। मैंने कुछ समय के लिए क्रिकेट के बारे में सोचना बंद कर दिया और पहले स्वस्थ जीवन पाने पर ध्यान केंद्रित किया। यह कठिन था लेकिन अब सब कुछ पटरी पर लौट आया है।

आबिद की गैरमौजूदगी में पाकिस्तान को सलामी बल्लेबाज़ के रूप में अब्दुल्ला शफ़ीक के साथ इमाम-उल-हक़ को प्रमोट करना पड़ा। वहीं शान मसूद को सलामी बल्लेबाज़ी के तीसरे विकल्प के तौर पर रखना पड़ा।

पाकिस्तान की अगली टेस्ट सीरीज़ जुलाई-अगस्त में श्रीलंका में है और यह कहना जल्दबाज़ी होगी कि क्या चयनकर्ता इसके

लिए आबिद पर विचार करेंगे। सितंबर में शुरू होने वाले घरेलू सत्र के साथ पाकिस्तान में वर्तमान में एक ऑफ़ सीज़न चल रहा है और आबिद के लिए अपनी फ़ॉर्म को साबित करने के लिए शायद ही कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट आ रहा है, लेकिन आबिद इस समय का सदुपयोग फ़िट होने के लिए करने वाले हैं। जिसके लिए वह काफ़ी उत्साहित भी हैं।

आबिद ने राष्ट्रीय टीम में अपनी वापसी की संभावनाओं पर बात करते हुए कहा, मुझे यकीन नहीं है कि अभी मेरे राष्ट्रीय चयन की स्थिति क्या है, लेकिन मैं अपनी वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। पीसीबी ने मेरी बहुत अच्छी देखभाल करते हुए पूरे समय में बहुत मदद की है। मैं उनके समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभारी हूं। अभी के लिए मैंने फ़ैसलाबाद में रमज़ान टूर्नामेंट में तीन-चार मैच खेलकर छोटे प्रारूप के साथ शुरुआत की और यह अच्छा रहा। आबिद ने आगे कहा, इन दो मैचों ने मुझे अपने क्रिकेट करियर को पुनर्जीवित करने के लिए आत्मविश्वास दिया है। यह सिर्फ़ शुरुआत है और मैं चयन के लिए अपनी फ़िटनेस पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मैंने (बांग्लादेश के ख़िलाफ़) पिछली सीरीज़ में अच्छे रन बनाए थे। मैं अच्छी लय में था और कराची में सीने में दर्द होने की वजह से गिर गया। मुझे खोए हुए समय को पकड़ने के लिए बहुत मेहनत करने की ज़रूरत है और मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं इसे हासिल करने में सक्षम हूं। मेरे पास अभी भी बहुत क्रिकेट बाक़ी है और मैं वापस नहीं बैठना चाहता। क्रिकेट मेरी ज़िंदगी रहा है।

आबिद ने आख़िरी बार दिसंबर में पूर्ण क्रिकेट खेला था।

बांग्लादेश दौरे के बाद अपनी घरेलू टीम सेंट्रल पंजाब के लिए खेलने लौटे थे, जहां वह 87.66 के औसत से 263 रन बनाने के बाद टेस्ट के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ थे। वह सत्र का अपना छठा प्रथम श्रेणी खेल रहे थे और उन्होंने 51.89 के औसत से तीन शतकों के साथ 766 रन बनाए थे। कराची के यूबीएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ख़ैबर पख़्तूनख़्वा के ख़िलाफ़ खेल के आखिरी दिन जब उन्हें अस्पताल ले जाने की नौबत आई तब तक आबिद अर्धशतक बना चुके थे। उनकी एंजियोप्लास्टी के बाद से, वह एक सलाहकार कार्डियोलॉजिस्ट की देखरेख में थे, जो उनके इलाज के लिए पीसीबी मेडिकल टीम के साथ संपर्क कर रहे हैं।

34 वर्षीय आबिद 2019 में पदार्पण के बाद से दिसंबर तक पाकिस्तान के लिए टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और 2021 में वह हरारे में ज़िम्बाब्वे के विरुद्ध दोहरा शतक सहित नौ टेस्ट में 49.64 रन के साथ दुनिया में छठे स्थान पर थे। उन्होंने 106 प्रथम श्रेणी खेलों में 7116 रन के लिए घरेलू क्रिकेट में 12 साल बिताने के बाद 2019 में रावलपिंडी में श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया।

उन्होंने 31 साल की उम्र में एक शतक के साथ अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की और टेस्ट और वनडे दोनों में 30 वर्ष से अधिक की उम्र में डेब्यू करने वाले एकमात्र खिलाड़ी बन गए।

पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में लगेगी आग, 119 रुपये लीटर तक बढ़ सकती है कीमत

नई दिल्ली। पाकिस्तान की इकॉनमी का बुरा हाल है। शाहबाज शरीफ सरकार के आने के बाद भी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था ट्रैक पर आती नहीं दिख रही है। इस बीच शाहबाज सरकार ऐसे कदम उठा सकती है जिससे पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल और महंगा हो सकता है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पाकिस्तान की नई सरकार बेलआउट पैकेज के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की सिफारिशों को स्वीकार करने का फैसला किया है।

क्या है IMF की सिफारिश?

न्यूज एजेंसी एएफपी की एक रिपोर्ट बताती है कि IMF की दो प्रमुख शर्तों में से एक पेट्रोल और डीजल पर दी जाने वाली सरकारी सब्सिडी को कम करना है। रिपोर्ट के मुताबिक पकिस्तान के नए वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने 22 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल पर सब्सिडी घटाने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही उन्होंने बिजनेस टैक्स में छूट की स्कीम को बंद करने की IMF की सिफारिशों पर अपनी हां कर दी

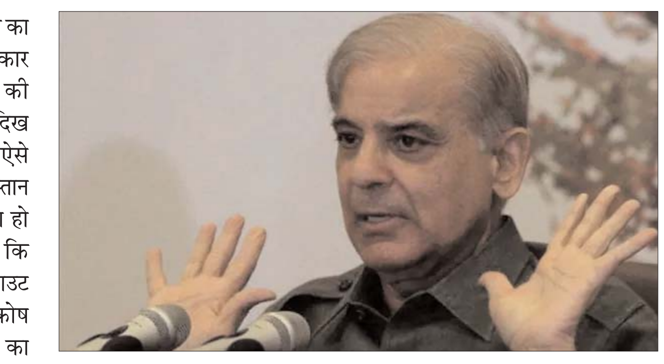

है। पाकिस्तान की इकॉनमी पर नजर रखने वालों का मानना है कि पाकिस्तान सरकार के इस कदम से पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल में बड़ी बढ़ोतरी हो सकती है।

2019 में मंजूर हुआ था पैकेज

इमरान खान के पीएम रहते हुए 2019 में IMF ने इस बेलआउट पैकेज को मंजूरी मिली थी। हालांकि पाकिस्तान में जारी धीमी आर्थिक सुधारों को देखते हुए पैकेज की राशि का वितरण धीरे-धीरे किया जा रहा था। मिफ्ताह इस्माइल ने कहा है कि IMF ने फ्यूल पर सब्सिडी हटाने की बात की है और हम इससे सहमत हैं। पाकिस्तान सरकार जो सब्सिडी दे रही है उसे वहन नहीं कर सकती है। ऐसे में हमें इसे कम करना होगा।

कितना महंगा होगा पेट्रोल और डीजल?

पाकिस्तान में फ्यूल को रेगुलेट करने वाली संस्था OGRA ने हाल ही में डीजल और पेट्रोल की कीमतों को बढ़ाने की सिफारिश की थी। OGRA ने पेट्रोल पर 83.5 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 119 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर बढ़ाने की सिफारिश की थी।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा वक्त में पाकिस्तान सरकार डीजल पर 52 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल पर पाकिस्तानी 21 रुपये की सब्सिडी देती है। ऐसे में देखना होगा कि पाकिस्तान सरकार कितना सब्सिडी घटाएगी।

इमरान सरकार ने बढ़ाया था राजकोष पर बोझ?

शाहबाज शरीफ से पहले पीएम इमरान खान ने सत्ता में बने रहने और लोगों के समर्थन पाने के लिए वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद फरवरी में पेट्रोल और बिजली दरों में कटौती की घोषणा की थी।

इससे हुआ ये कि पाकिस्तान सरकार पर 373 बिलियन डॉलर का बोझ बढ़ गया। इससे चल रहे IMF बचाव कार्यक्रम को भी खतरे में डाल दिया है। यह जानकारी हाल ही में पाकिस्तान सरकार के एक टॉप अधिकारी ने दी थी।

पाकिस्तान : देश छोड़ने से संबंधित कानूनों में बदलाव का निर्णय

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने नागरिकों के देश से बाहर जाने से संबंधित नियमों में बदलाव करने का निर्णय लिया है। यह फैसला वर्षों या दशकों तक लोगों को निकास नियंत्रण सूची (ईसीएल) में रखने की प्रथा को समाप्त करने के प्रयास में लिया गया है। समाचार पत्र 'द डान' ने शनिवार को यह सूचना दी। शहबाज सरकार के नवनिर्वाचित गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने यह घोषणा करते हुए कहा कि ईसीएल में किसी व्यक्ति का नाम डालने के 120 दिनों के बाद इसे अपने आप हटा दिया जाएगा, हालांकि उस व्यक्ति के खिलाफ ठोस सबूत होने पर अवधि को और 90 दिनों के लिए बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पोंजी घोटाले करने वाले और बड़ी संख्या में लोगों के साथ धोखाधड़ी करने वाले लोगों को भी ईसीएल में डाला जा सकता है। मंत्री ने कहा कि आतंकवाद, जघन्य अपराधों और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों में दर्ज लोगों के नाम ईसीएल से स्वतः नहीं हटाए जाएंगे। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट, उच्च न्यायालयों और बैंकिंग अदालतों के रजिस्ट्रारों द्वारा भेजे गए मामलों, मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों और धोखाधड़ी के मामलों में दर्ज लोगों पर भी यह सुविधा लागू नहीं होगी। यह बदलाव एक्जिट फ्रॉम पाकिस्तान (कंट्रोल) कानून के नियम 2 में किए गए हैं, जो किसी व्यक्ति को विदेश जाने से रोकने के लिए आधार को परिभाषित करते हैं। कानून में एक नया नियम (4-ए) भी जोड़ा गया है जिसके तहत समीक्षा की मांग करने वाले एक विरोध-पत्र पर 30 दिन के भीतर फैसला किया जाएगा। गृह मंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल ने पहले ही ईसीएल नियमों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि फिलहाल ईसीएल में 4,863 लोगों के नाम हैं और संशोधन से करीब 3,000 लोगों को फायदा होगा। श्री सनाउल्लाह ने घोषणा की कि यह बदलाव महत्व के आधार पर बदले गए हैं और सभी नागरिकों पर लागू होंगे। इसके अलावा 30,000 लोगों के नामों वाली ब्लैक लिस्ट की भी समीक्षा की जाएगी।

रूस ने पहली बार स्वीकार की मोस्कवा जहाज दुर्घटना में हताहत होने की बात

मॉस्को। रूस ने इस महीने की शुरुआत में काला सागर बेड़े के मोस्कवा जहाज के डूबने की घटना में लोगों के हताहत होने की बात स्वीकार की है। रूसी मीडिया के मुताबिक इस घटना में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 27 लापता हैं। रूस का गाइडेड मिसाइल क्रूजर मोस्कवा 14 अप्रैल को काला सागर डूब गया था। उस समय यूक्रेन ने दावा किया था कि मोस्कवा जहाज-रोधी मिसाइल से मारा गया, जिससे आग लग गई और संग्रहीत गोला-बारूद में विस्फोट हो गया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने हालांकि कहा कि अज्ञात कारणों से जहाज में आग लगी, जिसके कारण गोला-बारूद में विस्फोट हुआ और क्रूजर को संरचनात्मक क्षति हुयी। रूसी सरकार ने 19 अप्रैल तक किसी के हताहत होने की बात स्वीकार नहीं की थी।

दक्षिण यूक्रेन में पूर्ण कब्जे की फिराक में है रूसी सेना

कीव। रूस के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा है कि देश की सेना दक्षिणी यूक्रेन और पूर्वी डोनबास क्षेत्र पर पूर्ण कब्जे की तैयारी कर रही है। बीबीसी ने रूस के मेजर जनरल रुस्तम मिनेकेयेव के हवाले से शनिवार को यह जानकारी दी। मेजर जनरल मिनेकेयेव ने कहा कि यदि रूस इसमें कामयाब हो जाता है तो देश क्रीमिया के लिए एक भूमि पुल तैयार कर सकेगा, जिसपर उसने 2014 में कब्जा कर लिया था और मोल्दोवा में रूस-समर्थित ट्रांसनिस्ट्रिया क्षेत्र को प्रवेश मार्ग भी प्रदान किया था। रूसी भाषी ट्रांसनिस्ट्रिया पश्चिम से यूक्रेन की सीमा से लगा हुआ है। सोवियत संघ के पतन के बाद इसने स्वतंत्रता का दावा किया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे मान्यता नहीं मिली इसलिए यह आधिकारिक तौर पर मोल्दोवा का हिस्सा बना हुआ है। लगभग 1,500 रूसी सैनिकों की एक छोटी टुकड़ी वर्ष 1995 से इस क्षेत्र में एक संघर्ष विराम समझौते के तहत तैनात की गई है। यह स्पष्ट नहीं है कि मेजर जनरल मिनेकेयेव की टिप्पणियों को क्रेमलिन द्वारा आधिकारिक तौर पर मंजूरी दी गई थी।

अफगानिस्तान सीमा पर गोलीबारी में तीन सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर सीमा पार से हुए हमले में तीन पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गयी। इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के देवागर इलाके में सीमा पार से आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसके बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस गोलीबारी की घटना में तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। आईएसपीआर ने बताया कि तीनों सैनिकों की पहचान हवलदार तैमूर, सिपाही साकिब नवाज और नायक शोएब के रूप में की गयी है।

पाकिस्तान में 15 महीने बाद पोलियो का पहला केस, शहबाज ने बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि देश में 15 महीने बाद पोलियो का एक केस सामने आया है। वे जल्द ही पोलियो उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स के साथ एक आपात बैठक करेंगे। जानकारी मिली है कि उत्तरी वजीरिस्तान में 15 महीने के एक बच्चे में पोलियो वायरस की पुष्टि हुई है। पाकिस्तान में आखिरी पोलियो का केस जनवरी 2021 में सामने आया था। पाकिस्तान के नए पीएम शहबाज शरीफ ने ट्वीट किया, देश में पोलियो के एक मामले के उभरने पर चिंतित हूं। पोलियो का उन्मूलन एक बड़ी उपलब्धि थी जिसे निरंतर प्रयासों के माध्यम से संभव बनाया गया था। इस

लड़ाई में कई पोलियो कार्यकर्ताओं ने अपनी जान गंवाई। मैंने पोलियो पर राष्ट्रीय कार्य बल की एक बैठक बुलाई है। इस्लामाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने कहा है कि शुक्रवार को पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में एक 15 महीने के लड़के में टाइप -1 वाइल्ड पोलियोवायरस के एक मामले की पुष्टि हुई है।

पाकिस्तान के पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन अभियान केंद्र के समन्वयक शहजाद बेग ने शुक्रवार शाम ट्वीट किया, यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि उत्तरी वजीरिस्तान में एक 15 महीने के बच्चे को लकवा मार गया है।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, पाकिस्तान के स्वास्थ्य सचिव आमिर असरफ ने शनिवार को कहा कि यह मामला बच्चे और परिवार के लिए एक त्रासदी है और पाकिस्तान के लिए भी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, साथ ही दुनिया भर में पोलियो उन्मूलन के प्रयास भी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

वि. विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की पहल पर छह वर्ष पहले दिल्ली वि. विद्यालय में शुरू किया गया यह कोर्स छात्रों के बीच धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रहा है. इस कोर्स में छात्रों को न सिर्फ बॉयोलोजी बल्कि जूलॉजी, बॉयोकेमेस्ट्री, बॉयोटेक्नोलॉजी, केमेस्ट्री और उससे संबंधित विषय एक साथ पढ़ने का मौका मिल रहा है.

बॉयोलॉजिकल साइंस में उज्ज्वल भविष्य

देश-विदेश में इंटर-डिसिप्लिनरी साइंस के क्षेत्र में रिसर्च को लेकर नये कोर्स तैयार किए गये हैं जिनमें बीएससी बॉयोलॉजिकल साइंस भी शामिल है. वि. विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की पहल पर छह वर्ष पहले दिल्ली वि. विद्यालय में शुरू किया गया यह कोर्स छात्रों के बीच धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रहा है. इस कोर्स में छात्रों को न सिर्फ बॉयोलोजी बल्कि जूलॉजी, बॉयोकेमेस्ट्री, बॉयोटेक्नोलॉजी, केमेस्ट्री और उससे संबंधित विषय एक साथ पढ़ने का मौका मिल रहा है. तीन साल के इस कोर्स में कुल मिलाकर 12 पेपर मुख्य, तीन इलेक्टिव और दो-दो पेपर प्रैक्टिकल के होते हैं. यूजीसी ने पांच-छह वर्ष पहले देश के सभी वि. विद्यालयों और कॉलेजों में इंटर डिसिप्लिनरी कोर्स के रूप में बॉयोलॉजिकल साइंस में बीएससी नामक कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा था. इस प्रस्ताव को दिल्ली विविद्यालय के वेंकटेर कॉलेज ने 2005 में स्वीकार किया. देश के राज्य स्तर पर चलने वाले विविद्यालयों में इस पर अभी तक अमल नहीं हो पाया है लेकिन कई संस्थानों में इसे शुरू करने की कवायद हो रही है.

रिसर्च में तवज्जो

विशेषज्ञों की मानें तो भारत से बाहर विदेशी विविद्यालयों में हाल के वर्षों में इस कोर्स को करने वाले को रिसर्च में काफी तवज्जो दी जा रही है. भारत के भी कई नामचीन संस्थाओं में इस कोर्स को करने वाले छात्रों को एमएससी और रिसर्च के लिए बेहतर मौका मुहैया कराया जा रहा है. यह कोर्स इस तरह के अवसरों के लिए ही बेस तैयार करता है. एक और बात यह कि साइंस का यह ऐसा कोर्स है जो स्नातक स्तर से ही रिसर्च को मौका देता है जबकि अन्य कोर्स एमएससी या उसके बाद रिसर्च की ओर बढ़ते हैं. कोर्स का ढांचा बॉयोलॉजिकल साइंस के छात्रों को इसमें पहले साल में फाउंडेशन कोर्स पढ़ना होता है. लाइफ साइंस और इस कोर्स के लिए विविद्यालय में एक ही तरह के फाउंडेशन कोर्स हैं.

कोर्स में कुल मिलाकर 12 पेपर

जूलॉजी और बॉटनी ऑनर्स से यह कोर्स थोड़ा भिन्न इस मायने में है क्योंकि यहां छात्र विभिन्न विषयों को पढते हैं. जूलॉजी या बॉटनी ऑनर्स वालों को पहले वर्ष में भौतिकी और गणित नहीं पढ़ाई जाती जबकि बॉयोलॉजिकल साइंस में यह कंपलसरी है. दूसरे साल में छात्र बॉयोलॉजी से संबंधित कोर्स पढ़ते हैं. इसके तहत उन्हें बॉयो केमेस्ट्री, केमेस्ट्री, फिजियोलॉ जी, बॉयो मॉलेक्यूलर, बॉयो फिजिक्स जैसे विषय मिले हुए हैं. तीसरे साल में भी इन्हीं से संबंधित विषयों को छात्र पढ़ते हैं. तीन साल के इस कोर्स में कुल मिलाकर 12 पेपर मुख्य, तीन इलेक्टिव और दो-दो पेपर प्रैक्टिकल के होते हैं. इस कोर्स में दूसरे फील्ड के सहयोग से बॉयोलॉजिकल डाटा का विश्लेषण कैसे करें, इसके बारे में बताया जाता है. साथ ही, आधुनिक बॉयोलॉजी के बारे में रुचि जगाना ओर दूसरे विषयों से इसके संबंधों को बताना, इस पर विशेष ध्यान दिया जाता है. इसमें लैब और फील्ड प्रैक्टिकल दोनों पर जोर होता है.

इंटरडिसिप्लनरी कोर्स में एमएससी

आगे की राह इस कोर्स को पूरा करने के बाद छात्रों को नामचीन संस्थाओं में बायॉटेक्नोलॉजी, बॉयोके मेस्ट्री जैसे इंटरडिसिप्लनरी कोर्स में एमएससी करने का मौका मिलता है. कोर्स के विशेषज्ञ शरदचन्द्र के मुताबिक यह मूलत- रिसर्च आधारित कोर्स है. इसलिए इसमें नौकरी के अवसर एमएससी और पीएचडी करने के बाद कई तरह के मिलते हैं. छात्र विभिन्न रिसर्च संस्थाओं में बतौर अनुसंधानकर्ता नौकरी कर सकते हैं. विदेशों में रिसर्च करने के लिए उन्हें स्कॉलरशिप भी मुहैया कराई जाती है. वे किसी प्रयोगशाला से भी जुड़ सकते हैं. पब्लिक सर्विस, फिशरी, हॉर्टिकल्चर, पर्यावरण स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी ऐसे विशेषज्ञों की मांग रहती है.

किआरा आडवाणी संग ब्रेकअप की खबरों के बीच सिद्धार्थ मल्होत्रा का नया पोस्ट, कहा- सनशाइन के बिना एक भी दिन...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा हाल फिलहाल में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि शेरशाह एक्ट्रेस कियारा आडवाणी से सिद्धार्थ का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि एक ओर जहां दोनों के अलग होने की वजह अभी तक सामने नहीं आई तो दूसरी ओर सिद्धार्थ- कियारा की ओर से भी इस पर कोई आधिकारिक रिएक्शन नहीं आया है। कियारा संग ब्रेकअप की खबरों के बीच मल्होत्रा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या है सिद्धार्थ का इंस्टा पोस्ट

दरअसल कुछ ही देर पहले सिद्धार्थ मल्होत्रा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट किया। इस पोस्ट में सिद्धार्थ समंदर के बीच किसी बोट पर नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सिद्धार्थ ने गॉगल लगाए हैं और काफी कूल लग रहे हैं। तस्वीर के साथ कैप्शन में सिद्धार्थ ने स्टीव मार्टिन का कोट लिखा, जिस में लिखा है- सनशाइन के बिना एक दिन भी...आप जानते हैं.. रात। कैप्शन के साथ कोट्स में सिद्धार्थ ने शूटिंग, लाइफ और वाटर बैबी जैसे हैशटैग्स इस्तेमाल किए हैं।

सोशल मीडिया यूजर्स के रिएक्शन

सिद्धार्थ मल्होत्रा के इस पोस्ट को फैन्स पसंद कर रहे हैं। एक ओर जहां आम फैन्स ने तस्वीर पर कमेंट किए हैं तो दूसरी ओर कुछ सेलेब्स ने भी लाइक- कमेंट किया है।

वहीं सिद्धार्थ के कमेंट सेक्शन में कुछ फैन्स ने कियारा संग ब्रेकअप की खबरों को लेकर भी अपनी बात रखी है। कई फैन्स जानना चाह रहे हैं कि क्या सिद्धार्थ- कियारा की ब्रेकअप खबरें सच हैं या फिर ये सिर्फ अफवाहें हैं। बता दें कि फैन्स को सिद्धार्थ- कियारा की जोड़ी काफी पसंद है।

अलग हुए सिद्धार्थ और कियारा आडवाणी!

सिद्धार्थ- कियारा के रिलेशन के खत्म होने की खबर से फैन्स काफी परेशान हैं और इस बारे में जानना चाह रहे हैं। बता दें कि इस रिश्ते को खत्म किए जाने का अनाउंसमेंट अभी तक दोनों ने आधिकारिक रूप से नहीं किया है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के रिलेशनशिप में होने की खबरें दोनों के शेरशाह में एक साथ काम करने के बाद आनी शुरू हो गई थीं। बॉलीवुड लाइफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के रास्ते अब अलग हो गए हैं और दोनों के ब्रेकअप की वजह अभी तक अनजान है।

टाइगर श्रॉफ ने इवेंट में बोला अपना वायरल डायलॉग- छोटी बच्ची हो क्या

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर स्टार्स के वीडियोज खूब वायरल होते रहते हैं और उन पर फिर मीम्स भी खूब वायरल होते हैं। कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर टाइगर श्रॉफ के एक फैन का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में टाइगर का एक फैन उनकी फिल्म हीरोपंती का डायलॉग छोटी बच्ची हो क्या बोलता है जो काफी वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर इस पर कई लोगों ने मीम्स भी बनाए हैं और कई ने इस डायलॉग पर फनी वीडियोज भी बनाए हैं। अब इतने वीडियोज वायरल होने के बाद टाइगर श्रॉफ ने खुद इस पर रिएक्ट किया है। दरअसल हाल ही एक इवेंट के दौरान टाइगर कहते हैं छोटी बच्ची हो क्या। टाइगर के इस डायलॉग को बोलने के बाद वहां मौजूद पूरी ऑडियंस चिल्लाने लग जाती है। खुद टाइगर हंसने लगते हैं। बता दें कि टाइगर की फिल्म ईद के मौके पर आ रही है। आम तौर पर ईद पर सलमान खान की फिल्म रिलीज होती है तो हाल ही में जब टाइगर से सलमान खान को रिप्लेस करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, देखो एक ही है टाइगर और व है सलमान खान। हम को कब(टाइगर के बच्चे) हैं उनके सामने। ये मेरे लिए बड़ी बात है ईद पर आना। हालांकि इसका पूरा क्रेडिट साजिद नाडियाडवाला को देना चाहिए। इन दिनों टाइगर फिल्म हीरोपंती 2 को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। वह खूब जोर-शोर से इस फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। फिल्म में टाइगर के साथ तारा सुतारिया लीड रोल में हैं। तारा और टाइगर की साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 में नजर आ चुके हैं। वहीं हीरोपंती 2 के बारे में बता दें कि ये हीरोपंती का सीक्वल है। हीरोपंती के जरिए ही टाइगर ने बॉलीवुड डेब्यू किया था वो भी कृति सेनन के साथ। अब इस फिल्म के सीक्वल को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

अजय की फिल्म से टक्कर

हीरोपंती 2 की बात करें तो इस फिल्म की अजय देवगन की फिल्म रनवे 34 से टक्कर है। रनवे 34 में अजय देवगन, अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में हैं।

न्यूक्लियर साइंस में करियर बनाएं

न्यूक्लियर साइंस के जरिए कई क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है. हेल्थकेयर, रिसर्च, एनर्जी और न्यूक्लियर पावर में इसकी जरूरत है.

न्यूक्लियर साइंस के जरिए कई क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है. हेल्थकेयर, रिसर्च, एनर्जी और न्यूक्लियर पावर आदि में इसकी जरूरत पड़ती है. जिनके अंदर प्रमाण सहित नतीजों तक पहुंचने का माद्दा और अपनी खोज को लोगों के सामने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता होती है, ऐसा वैज्ञानिक किसी भी देश के लिए बहुमूल्य हैं. न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में विकास के साथ ही इस क्षेत्र में उच्च शैक्षिक योग्यता वाले वैज्ञानिकों की मांग भी बढ़ी है. न्यूक्लियर साइंस की आवश्यकता करियर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे हेल्थकेयर, रिसर्च, एनर्जी और न्यूक्लियर पावर आदि में पड़ती रहती है. आमतौर पर न्यूक्लियर साइंस की पढ़ाई स्नातक स्तर से विभिन्न शोधों में प्रशिक्षण और लैब प्रैक्टिस द्वारा शुरू हो जाती है. इस क्षेत्र में मौजूद महत्वपूर्ण करियर हैं, न्यूक्लियर इंजीनियर, न्यूक्लियर फिजिसिस्ट और न्यूक्लियर मेडीसिन फिजिशियन

न्यूक्लियर इंजीनियर - न्यूक्लियर इंजीनियर प्रयोगशालाओं, प्लांट्स, यूनिवर्सिटी और गवर्नमेंट एजेंसियों में काम करता है. आमतौर पर दूसरे वैज्ञानिकों की टीम के साथ काम करते हुए न्यूक्लियर इंजीनियर्स न्यूक्लियर से संबंधित विभिन्न प्रोजेक्ट्स जैसे एनर्जी और पावर सोर्स डेवलपमेंट, इनवायरमेंटल पॉलिसी डिजाइन या रेडियोलॉजी के तत्वों को हेल्थकेयर और उद्योगों में कैसे उपयोग किया जाए की खोज पर फोकस करता है. इस क्षेत्र के इंजीनियर्स आमतौर पर न्यूक्लियर पावर प्लांट्स, एयरोस्पेस, मैन्युफैक्चरिंग या मिलिट्री में काम करते नजर आते हैं.

योग्यता - न्यूक्लियर इंजीनियरिंग की पोस्ट के लिए कई चीजों की आवश्यकता होती है जिसमें न्यूक्लियर इंजीनियरिंग में डिग्री के साथ ही इंजीनियर्स लाइसेंस भी आवश्यक है. अतिरिक्त योग्यता प्रोफेशन के आधार पर भिन्न होती है. लेकिन स्पेशलाइजेशन ट्रेनिंग, सटीर्फिकेशन या इंडस्ट्री स्पेसिफिक लाइसेंसिंग भी शामिल होता है. न्यूक्लियर इंजीनियर की पढ़ाई इंजीनियरिंग की बैचलर डिग्री से जिसमें फिजिक्स के साथ ग्रेजुएट डिग्री के साथ होती है.

लाइसेंसिंग - दूसरे इंजीनियरिंग प्रोफेशंस के समान ही न्यूक्लियर इंजीनियर को भी जहां वह काम करता है उस राज्य द्वारा लाइसेंस लेना पड़ता है.

न्यूक्लियर फिजिसिस्ट - सामान्यत- न्यूक्लियर फिजिसिस्ट यह पढ़ते हैं कि आसपास न्यूक्लियस मूल्स किस तरह होते हैं, वे फिजिकल लॉ और थ्योरम को ऑपरेट करना भी सीखते हैं. आमतौर पर वे किसी शोध में काम करते हैं और ऐसे क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, एनर्जी, एयरोस्पेस, कम्युनिकेशंस या हेल्थकेयर इक्विपमेंट्स आदि का हिस्सा बनते हैं. ये ज्यादातर वक्त लैबोरेटरी में न्यूक्लियर फिजिक्स के प्रयोग से प्रैक्टिकल एप्लीकेशंस को डिजाइन करते हैं. न्यूक्लियर फिजिसिस्ट अधिकतर प्राइवेट सेक्टर, गर्वनमेंट एजेंसी, नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी या यूनिवर्सिटी में काम कर सकते हैं. न्यूक्लियर इंजीनियर से अलग फिजिसिस्ट को उनके शोध के लिए अकसर गर्वनमेंट, पब्लिक या प्राइवेट ग्रांट मिल जाती है.

न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिशियन - न्यूक्लियर फिजिशियन विभिन्न रोगों जैसे कैंसर और थायराइड को रेडियोग्राफिक इमेजरी और दवाइयों जिसमें अकसर रेडियो न्यूक्लिडेस के साथ-साथ रेडियेशन ट्रीटमेंट देता है. वे अकसर दूसरे फिजिशियंस के साथ कंसलटेंट के रूप में काम करते हैं और इमरजेंसी और पेशेंट के डाटा को देखकर उसको डायग्नोस और ट्रीटमेंट की सलाह देते हैं. न्यूक्लियर मेडिसिन में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए पांच से सात साल की अतिरिक्त ट्रेनिंग आवश्यक है.

योग्यता - आमतौर पर फिजिशियन मेडिकल स्कूल खत्म करने के बाद न्यूक्लियर मेडिसिन की ट्रेनिंग ले सकता है.

संस्थान-
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मद्रास एसआरएम यूनिवर्सिटी, चेन्नई
जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद

CMYK CMYK CMYK CMYK